ಶುಭ ಲಾಭ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम ने बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन से किराया कम करने की अपील की @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 14 फरवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 8+4 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-44

'ऑपरेशन-पेअर्स' के भाड़े के टट्टू हैं राहुल और यूनुस

भारत को बांग्लादेश बनाने पर उतावला हो रहा डीप-स्टेट

हाल के वर्षों में भू-राजनीतिक षडयंत्र ने नए आयाम उजागर हुए हैं, जिसका लक्ष्य विभिन्न देशों में राजनीतिक परिदृश्य को अपनी मर्जी का आकार देना है। खास तौर पर बांग्लादेश और भारत को लेकर यह षडयंत्र सक्रिय तौर पर सामने आया है। जानने समझने वाले लोग इस गुप्त साजिशी अभियान को ऑपरेशन-पेअर्स (प्रमोटिंग अकाउंटेबिलिटी, इन्क्लूसिविटी एंड रेज़िलिएंसी सपोर्ट) के नाम से जानते हैं। यह साजिशी अभियान तत्कालीन बाइडेन-कमला प्रशासन के भीतर प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा गतिशील किया गया, जिसमें अमेरिकी विदेश विभाग, नेशनल एंडोमेंट फॉर डेमोक्रेसी (एईडी) और इंटरनेशनल रिपब्लिकन इंस्टीट्यूट (आईआरआई) जैसी संस्थाओं की प्रत्यक्ष भागीदारी है। यह गुप्त अभियान बांग्लादेश में शेख हसीना और भारत में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को कमजोर करने और अपनी मर्जी की पंगु सरकार की स्थापना करने की साजिश के तहत शुरू हुई। यह साजिश बांग्लादेश में तो कामयाब हुई, लेकिन यह भारतवर्ष में कामयाब होने की पुरजोर कोशिश कर रही है। यह षड्यंत्र भारत में शासन व्यवस्था को अस्थिर करने, जनता को भड़काने, वित्तीय और वैचारिक तारतम्यता को बाधित करने में सक्रिय है। ऑपरेशन-पेअर्स की पहुंच राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक संरचनाओं के कई

स्तरों तक फैली हुई है। इस सुनियोजित षडयंत्र के बुनकर अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए मीडिया, गैर सरकारी संगठनों, चरमपंथी तत्वों और जनता के लोलुप-चरित्रहीन तबकों का उपयोग कर रहे हैं।

बाइडेन-कमला प्रशासन, एंटनी ब्लिंकन, बराक ओबामा, जॉर्ज सोरोस, बिल-हिलेरी क्लिंटन और हंटर बाइडेन की सक्रिय भागीदारी के साथ डीप स्टेट ने बांग्लादेश में शेख हसीना और भारत में नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटाने के कुत्सित लक्ष्य के साथ 2021 में ऑपरेशन-पेअर्स शुरू किया। इस जघन्य साजिश के प्रमुख सहयोगी बाइडेन सरकार के दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू, कनेक्टिकट से सीनेटर क्रिस मर्फी और यूएस स्टेट डिपार्टमेंट में पॉलिसी एंड प्लानिंग अधिकारी सुमोना गुहा थे। इस ऑपरेशन को इंटरनेशनल रिपब्लिकन इंस्टीट्यूट (आईआरआई) ने अंजाम दिया, जो यूएस स्टेट डिपार्टमेंट एनजीओ, नेशनल एंडोमेंट फॉर डेमोक्रेसी (एनईडी) का हिस्सा है। आईआरआई की बांग्लादेश में 2001 से उपस्थिति है और एनईडी कई एनजीओ के साथ-साथ समाचार पोर्टलों को करोड़ों डॉलर प्रदान करता रहा है। एनजीओ और मीडिया संस्थानों ने ऑपरेशन-पेअर्स के सहयोगी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आईआरआई और एनईडी के साथ भारत में एनजीओ और मीडिया आउटलेट्स के साथ-साथ कई पत्रकार, ▶10पर

अमेरिका पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का हुआ भव्य स्वागत

मोदी के आते ही ब्लेयर हाउस पर लगा भारत का झंडा

वाशिंगटन, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी फ्रांस यात्रा समाप्त करने के बाद गुरुवार को तड़के वाशिंगटन डीसी में ज्वाइंट बेस एंड्रयूज पर उतरे। सर्दी और बारिश के बीच पीएम मोदी के स्वागत के लिए बड़ी तादाद में प्रवासी भारतीय पहुंचे। भारतीय समुदाय ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पीएम नरेंद्र मोदी अमेरिका यात्रा के दौरान, प्रतिष्ठित ब्लेयर हाउस में ठहरेंगे, जिसे दुनिया का सबसे विशिष्ट होटल भी कहा जाता है। ब्लेयर हाउस राष्ट्रपति का अतिथि गृह है। इसका उपयोग मुख्य रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति से मिलने आने वाले गणमान्य व्यक्तियों और मेहमानों की मेजबानी के लिए राज्य अतिथि गृह के रूप में किया जाता है।

बारिश के बावजूद बड़ी तादाद में पहुंचे प्रवासी भारतीय

कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर होगी मोदी और ट्रंप की मंत्रणा

पीएम मोदी के ब्लेयर हाउस पहुंचने से पहले अमेरिकी झंडे की जगह भारतीय झंडे को ले लिया गया। मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात और द्विपक्षीय वार्ता पर पूरी दुनिया की नजर लगी हुई है। मोदी अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेने के बाद मिलने वाले अंतरराष्ट्रीय नेताओं में दूसरे हैं। इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इससे पहले ट्रंप से मिले थे। पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप द्विपक्षीय वार्ता के पहले सेट के लिए मुलाकात करेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को वाशिंगटन डीसी में संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड से मुलाकात की। मोदी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ▶10पर

पीएम मोदी और तुलसी गबार्ड की बीच हुई अहम वार्ता

वाशिंगटन, 13 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस के अपने सफल दौरे के बाद अमेरिका पहुंच गए हैं। वाशिंगटन पहुंचने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी का अमेरिका के राष्ट्रपति के गेस्ट हाउस पर भारतीय-अमेरिकी प्रवासी समुदाय के लोगों ने जोरदार स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। अपने अमेरिका दौरे की शुरुआत पीएम नरेंद्र मोदी ने अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड से मुलाकात कर की। ▶10पर

पेश हुआ वक्फ संशोधन विधेयक, राज्यसभा ने स्वीकार किया

बिल पेश होते ही दोनों सदन में विपक्ष ने किया हंगामा

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

संसद के बजट सत्र के अंतिम दिन गुरुवार 13 फरवरी को जगदंबिका पाल की अगुवाई वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने वक्फ संशोधन विधेयक पर अपनी रिपोर्ट सदन में पेश की। इसको लेकर विपक्षी दलों ने जोरदार हंगामा और नारेबाजी की। इसके बाद लोकसभा की कार्रवाई दोपहर के लिए स्थगित कर दी गई।

भाजपा सांसद मेधा विश्राम कुलकर्णी ने वक्फ पर जेपीसी रिपोर्ट राज्यसभा में पेश की। उच्च सदन ने रिपोर्ट को स्वीकार भी

कुछ लोग देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने की मंशा रखते हैं: नड्डा

कर लिया है। विपक्षी सदस्यों ने वक्फ बिल को वापस लेने की मांग करते हुए इसे अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर हमला बताया। रिपोर्ट पेश होने के बाद राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इससे कई सदस्य असहमत हैं। खड़गे ने जेपीसी की रिपोर्च को फर्जी और अलोकतांत्रिक करार दिया। उन्होंने कहा कि बाहर से सदस्यों को आमंत्रित कर बयान दर्ज किए जा रहे हैं। ऐसी असंसदीय रिपोर्ट को सदन की कार्यवाही का हिस्सा नहीं बनाया जाना चाहिए। ▶10पर

सांसदों का अधिकार छीन रहे कांग्रेसी : ओम बिरला

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को सदन में हंगामा कर रहे कांग्रेस सांसदों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा, आपकी पार्टी ने देश में लंबे समय शासन किया है। अब आप ही नियोजित तरीके से हंगामा करके सदस्यों का अधिकार छीनना चाहते हैं। सदन में प्रश्नकाल शुरू होते ही कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के सदस्य नारेबाजी करने लगे। ओम बिरला ने उनसे नारेबाजी बंद करने और सदन चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा, आप प्रश्नकाल के दौरान नियोजित तरीके से गतिरोध करते हैं, यह अच्छी परंपरा नहीं है। आपने इतने साल शासन किया है, आप सदन में व्यवधान पैदा करना करते हैं।

खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट के बाद गृह मंत्रालय का फैसला

दलाई लामा और संबित पात्रा को जेड श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा और भाजपा सांसद एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा को अब जेड श्रेणी की सीआरपीएफ सुरक्षा मिलेगी। गृह मंत्रालय ने खुफिया एजेंसी (आईबी) की रिपोर्ट के बाद यह फैसला लिया है। लगभग 30 सीआरपीएफ कमांडो की एक टीम दलाई लामा को सुरक्षा प्रदान करेगी। इसके अलावा पुरी से सांसद संबित पात्रा को भी मणिपुर में जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। पात्रा मणिपुर में भाजपा के प्रभारी हैं। मणिपुर में आज से लागू राष्ट्रपति शासन को देखते हुए मणिपुर के प्रभारी संबित पात्रा को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की वीआईपी सुरक्षा शाखा को 89 वर्षीय नेता दलाई लामा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने का निर्देश दिया है। दलाई लामा को देश के सभी हिस्सों में सीआरपीएफ कमांडो के जेड-श्रेणी सुरक्षा कवर द्वारा सुरक्षित किया जाएगा। अभी तक दलाई लामा के पास हिमाचल प्रदेश पुलिस का एक छोटा सा सुरक्षा कवर था। जब वह दिल्ली या किसी अन्य स्थान की यात्रा करते थे तो स्थानीय पुलिस द्वारा उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाती थी। ▶10पर

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया है। राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के बाद राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की सिफारिश की थी। राष्ट्रपति शासन लागू होने की अधिसूचना जारी होने के पहले आज मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला और अर्धसैनिक बल के अधिकारियों ने राजभवन में आवश्यक बैठक की। मणिपुर में अफीम की खेती और ड्रग सिंडिकेट के वर्चस्व को लेकर मैतेई और कुकी समुदायों के बीच चल रही हिंसा राजनीतिक प्रशासनिक अस्थिरता की वजह बनी हुई है।

वित्त मंत्री ने लोकसभा में पेश किया आयकर विधेयक-2025

63 साल पुराना आयकर कानून बदलने की पहल

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में आयकर विधेयक 2025 पेश किया। बहुप्रतीक्षित नया आयकर विधेयक संसद से पास होने के बाद 63 साल पुराने आयकर अधिनियम 1961 की जगह लेगा।

नए आयकर विधेयक में कर निर्धारण और वित्तीय वर्ष जैसी शब्दावली को आसानी से समझ में आने वाले कर वर्ष से बदला गया है। इस विधेयक में आयकर की भाषा को सरल बनाने के साथ-साथ गैरजरूरी प्रावधानों और स्पष्टीकरणों को भी हटाने का भी प्रस्ताव है। नया विधेयक 622 पन्नों का है और इसमें 536 धाराएं, 23 अध्याय और 16 अनुसूचियां हैं। यह विधेयक नए करों का प्रस्ताव नहीं करता है, बल्कि मौजूदा आयकर अधिनियम 1961 की भाषा को आसान बनाता है, जिसमें 298 धाराएं और 14 अनुसूचियां हैं। नए आयकर बिल की सरल भाषा से आयकर से जुड़े विवादों को कम करने में मदद करेगी। इससे करदाताओं और कर विभाग दोनों को समान रूप से लाभ होगा। बिल में इस्तेमाल की गई भाषा मौजूदा अधिनियमों की तुलना में सरल है, जिसे समझना कभी-कभी मुश्किल हो जाता है और कभी-कभी एक ही चीज की अलग-अलग व्याख्याएं होने लगती है। नए कानून में अमल में आने के बाद इससे बहुत हद तक निजात मिलेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से लोकसभा में पेश किया गया यह नया विधेयक ऐसे बदलाव लाने का प्रयास है जो व्यक्तियों, व्यवसायों और गैर-लाभकारी संगठनों सहित करदाताओं की विभिन्न श्रेणियों को प्रभावित करते हैं। नए आयकर विधेयक को सरसरी तौर पर पढ़ने के बाद मुझे लगता है ▶10पर

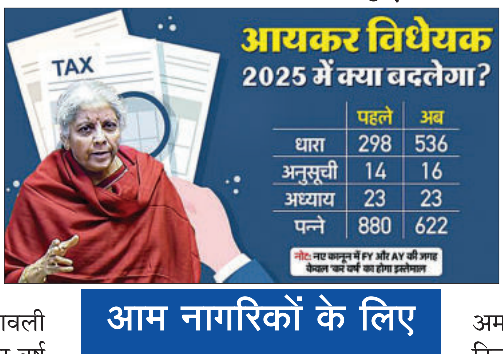

आम नागरिकों के लिए सरल बनाया जा रहा आयकर कानून

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 21^0

संभल प्रकरण में सामने आई मेजर जनरल ए कनिंघम की रिपोर्ट

150 साल पुरानी सर्वे रिपोर्ट में मिले मंदिर के सबूत

मंदिर को तोड़ा और मूर्तियों को नीचे मोड़ा

मुरादाबाद, 13 फरवरी (एजेंसियां)। 1874 की भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की रिपोर्ट मिलने से संभल प्रकरण में कई महत्वपूर्ण सूचनाएं उजागर हुई हैं। 150 साल पुरानी सर्वे रिपोर्ट से संभल की जामा मस्जिद को लेकर यह जानकारी सामने आई है कि वहां मस्जिद नहीं बल्कि मंदिर था। रिपोर्ट में मंदिर होने के साक्ष्य मिले हैं। रिपोर्ट में लिखा है कि गुंबद का आंतरिक

आकार अंडाकार है और अपनी धुरी पर घूमने वाले अंडाकार दीर्घवृत्त के आधे हिस्से जैसा है। ब्रिटिश इंजीनियर और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के जनक कहे जाने वाले मेजर जनरल ए कनिंघम की देखरेख में यह रिपोर्ट तैयार हुई थी।

आर्केयोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के अंतर्गत 1874-75 में ब्रिटिश पुरातत्ववेत्ता कैरलेइल ने इसे तैयार किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस इमारत का बेहतरीन गुंबद अपनी तरह का अनूठा है। यह की-स्टोन से लेकर जमीन तक एक स्पष्ट खोखला खोल है। इसका आकार एक विशाल थिंबल के अंदर के खोखले जैसा है। लगता है कि इमारत को मस्जिद में बदलने के लिए मोहम्मदी विंग जोड़े गए, जो कि छोटी ईंटों से बने हैं। जहां भी दीवारें प्लास्टर से रहित थीं, मैंने पाया कि ईंटें छोटी थीं और मिट्टी के गारे में लगी थीं। पुराने हिंदू काम और आधुनिक मोहम्मदी काम के बीच एक स्पष्ट और अलग अंतर है। पुराने हिंदू मंदिर को मोहम्मदी परिवर्धन से तुरंत अलग किया जा सकता है। चौकोर हिंदू मंदिर में मूल रूप से पूर्वी दीवार में केवल एक द्वार था, जो लगभग आठ फीट चौड़ा था, लेकिन मुसलमानों ने चार और दरवाजे काटे। प्रत्येक दरवाजा छह फीट चौड़ा, चौकोर मंदिर की उत्तरी दीवार में दो और दक्षिणी दीवार में दो, ताकि साइड के गलियारों से संवाद किया जा सके। रिपोर्ट में लिखा है कि गुंबद का आंतरिक आकार अंडाकार है या अपनी धुरी पर घूमने वाले अंडाकार दीर्घवृत्त के आधे हिस्से जैसा है। ▶10पर

2020 के बेंगलुरू दंगे पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

एनआईए की जांच में कोई हस्तक्षेप नहीं होगा

बेंगलुरु, 13 फरवरी (एजेंलसियां)।

कर्नाटक के बेंगलुरू में वर्ष 2020 में इस्लामिक कट्टरपंथियों और वामपंथियों द्वारा किए गए दंगे की जांच कर रही एनआईए के मामले में हस्तक्षेप करने से सुप्रीम कोर्ट ने आज इन्कार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत की मांग कर रही वामपंथियों की स्टूडेंट विंग एसडीपीआई से जुड़े कई आरोपियों के मामले पर आज सुनवाई की। इसी दौरान सुप्रीम अदालत ने यह फैसला सुनाया।

मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने देश में यूएपीए मामले की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों की कमी का हवाला दिया और हाई कोर्ट और राज्य सरकारों को तीन माह के भीतर इस तरह की अदालतों का गठन करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने ये भी कहा कि इस मामले की सुनवाई में देरी की एक वजह अदालतों की कमी है।

ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी की जरूरत नहीं: एस. हरीश

जल्द से जल्द हो बीबीएमपी चुनाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु उत्तर जिला के भाजपा अध्यक्ष एस. हरीश ने कहा कि ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी के गठन का भाजपा विरोध करेगी। इस संबंध में आवश्यक संघर्ष किया जाएगा। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने मांग की कि बीबीएमपी चुनाव तुरंत कराए जाएं।

उन्होंने कहा कि ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी के जरिए बेंगलूरु को नहीं बचाया जा सकता। वे इसे आपके लिए हमारी ओर से उपहार के रूप में विज्ञापित करते हैं। वे इसे हमारा बेंगलूरु कहना पसंद नहीं करते। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि सरकार को केवल बेंगलूरु से प्राप्त राजस्व की आवश्यकता है। मुंबई नगर निगम को सालाना 25,000 करोड़ रुपये मिलते हैं। वहां मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज की पढ़ाई होती हैं। लेकिन बीबीएमपी के माध्यम से एकत्रित धन का एक भी रुपया नहीं आएगा। हमें हर बार सरकार के पास जाकर अनुदान मांगना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार बीबीएमपी चुनाव स्थगित करने के लिए हलफनामा दायर करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रेटर बेंगलूरु के निर्माण के लिए विधेयक का मसौदा तैयार करने और उसे मंजूरी देने के लिए चर्चा शुरू हो गई है। नादप्रभु केम्पेगौड़ा द्वारा निर्मित बेंगलूरु का एक विशेष इतिहास है। बीसी-सीआई 1949 में अस्तित्व में आया। इसके बाद देवेगौड़ा ने 1996 में बीसीसी, जिसमें 87 डिवीजन थे, को बढ़ाकर 100 वार्ड कर दिया। उन्होंने कहा कि 2007 में जब हमारी गठबंधन सरकार थी, तब तत्कालीन मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने 7 सीएमसी, 1 टीएमसी और 110 गांवों को मिलाकर 198 वार्ड बनाकर बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका का गठन किया था। प्रशासक अभिशाप के रूप में बीबीएमपी के पास आता है। अगले चुनाव के लिए कानूनी लड़ाई अपरिहार्य है। कांग्रेसजन स्थानीय निकायों को अधिक शक्ति और महत्व देना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण समिति के अध्यक्ष हैं। जिले के प्रभारी मंत्री उपाध्यक्ष हैं। कई मंत्रियों को सदस्य बनाया गया है। हमारे विधायकों और सांसदों को भी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। जो लोग हमेशा संविधान की बात करते हैं, उन्होंने ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी में विधायकों, सांसदों और नगरसेवकों को वोटिंग का अधिकार नहीं दिया है। यह हमारे संविधान के विरुद्ध है। उन्होंने इस पर आपत्ति जतायी कि यह 74वें संशोधन के विरुद्ध है। इस समिति में पूर्व महापौर, पूर्व उप महापौर या बीबीएमपी के पूर्व सदस्य शामिल नहीं हैं। अधिकारी समिति में हैं। सिद्धरामैया ने 2018 में मुख्यमंत्री रहते हुए बेंगलूरु महानगर योजना आयोग का गठन किया था। ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी कमेटी का हर व्यक्ति इसका सदस्य था। मुख्यमंत्री इसके अध्यक्ष थे। उन्होंने शिकायत की कि इसकी स्थापना के बाद से इसकी एक भी बैठक नहीं हुई है। बीबीएमपी अधिनियम के तहत एक भी चुनाव नहीं हुआ है। करोड़ों खर्च करने के बाद, उन्होंने सभी बोर्ड बदल दिए। कांग्रेस सरकार ने एक और परिसीमन किया है। 225 वार्ड बनाये गये। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि सभी बोर्डों पर नये नंबर लिखे गये थे। क्या बेंगलूरु में तुगलक दरबार लग रहा है? उन्होंने कहा कि बोर्ड बदलने के बावजूद प्रशासन में कोई सुधार नहीं हुआ है। बेंगलूरु की आबादी एक करोड़ है। वहाँ यातायात की समस्या है। कई वर्षों के बाद भी 110 गांवों को अभी तक पेयजल उपलब्ध नहीं कराया गया है। बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना संभव नहीं है। यदि हम आगे बढ़ते हैं, तो हमें रियल एस्टेट डेवलपर्स को सड़क, सीवर और स्ट्रीट लाइटिंग सुविधाएं प्रदान करनी होंगी।

नेत्रदान महादान को किया सार्थक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित आयाम नेत्रदान के अंतर्गत तेरापंथ युवक परिषद राज-ाजीनगर की सजगता एवं मांडोत परिवार के सदस्यों की जागरूकता से नेत्रदान महादान को सार्थक किया गया। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा बुधवार को मदारिया ओसवाल साजनान समाज के अध्यक्ष ललित मांडोत के मल्लेश्वरम स्थित निवास स्थान पर उनके पिता मीठालाल का स्वर्गवास हो गया, जिनका परिषद की सजगता एवं परिवार की जागरूकता से शहर के डॉ. राजकुमार आई बैंक द्वारा नेत्रदान करवाया गया।

इस अवसर पर अभातेयुप द्वारा प्राप्त श्रद्धांजलि पत्र मल्लेश्वरम स्थानक में राजाजीनगर परिषद परिवार द्वारा मांडोत परिवारजन को प्रदान किया गया।

कित्तूर राणी चेन्नम्मा आवासीय विद्यालय का उद्घाटन

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के वन, पर्यावरण और जीव विज्ञान मंत्री तथा बीदर जिले के प्रभारी ईश्वर बी. खंड्रे ने कर्नाटक आवासीय शैक्षणिक संस्थान संघ, बीदर जिला प्रशासन, जिला पंचायत और अनुसूचित जाति कल्याण के संयुक्त तत्वावधान में बीदर तालुक के अलीयम्बर गांव में 25 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित, सुसज्जित कित्तूरु राणी चेन्नम्मा आवासीय विद्यालय का उद्घाटन किया। मंत्री ने कहा कि सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों को सभी सुविधाओं और कौशल के साथ शिक्षा प्रदान करने के लिए कित्तूर राणी चेन्नम्मा आवासीय विद्यालय का निर्माण किया है और छात्रों को इसका लाभ उठाना चाहिए। मंत्री ने लड़कियों से न केवल रानी चेन्नम्मा के साहस और बलिदान के बारे में जानने का आह्वान किया, बल्कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने और अच्छे व्यक्तित्व का विकास करने का भी आह्वान किया। वन मंत्री ईश्वर बी. खंड्रे ने बीदर शहर में 12 करोड़ रुपये की लागत से डॉ. बी.आर. अंबेडकर पोस्ट मैट्रिक बालक एवं बालिका छात्रावास, बीदर शहर में वर्ष 2022-23 के लिए केकेआरडीबी माइक्रो प्रोजेक्ट के तहत 2.5 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित जिला केंद्रीय पुस्तकालय का नया भवन, जिला अस्पताल परिसर में 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित क्षयरोग कार्यालय का भी उद्घाटन किया। इसके अलावा, उन्होंने उप-क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र के लिए बस सुविधा का उद्घाटन किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। डॉ. शिवकुमार स्वामी समाज सेवा ट्रस्ट द्वारा बसवेश्वरा नगर स्थित नेताजी खेल मैदान में शॉर्ट पिच क्रिकेट स्पर्धा शिवकुमार स्वामी कप का आयोजन किया गया। जिसमें 10 से भी ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने शिव कुमार स्वामी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपने वक्तव्य में कहा स्वस्थ रहने के लिए खेलकूद एवं व्यायाम अति आवश्यक है। खेलकूद से शारीरिक मानसिक एवं व्यक्तित्व विकास होता है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

उदयगिरी की घटना में पुलिस को निर्दोषों को परेशान नहीं करना चाहिए: पूर्व मंत्री

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नरसिंहराजा के विधायक और पूर्व मंत्री तनवीर सैत ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने पुलिस से उदयगिरी पुलिस स्टेशन के बाहर हुए उपद्रव के संबंध में मामले की जांच करते समय निर्दोषों को परेशान नहीं करने को कहा है। पुलिस को इस घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की पूरी छूट है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा मेरी पुलिस से केवल यही अपील है कि वे सुनिश्चित करें कि निर्दोषों को परेशानी न हो। मैंने उनसे दोषियों का पता लगाने का अनुरोध किया है। अब इस घटना का विश्लेषण करने का कोई मतलब नहीं है। कानून से बड़ा कोई नहीं है और पुलिस कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी। पत्थरबाजी की घटना में पुलिस की जांच पर सवाल नहीं उठाए जाने की बात कहते हुए विधायक ने कहा कि पुलिस को उपद्रव भड़काने वाले लोगों को सजा देनी चाहिए। मैंने वकीलों की एक टीम से मामले में गिरफ्तार लोगों की मदद करने को कहा है। माता-पिता हमारे पास आते हैं और हमें बताते हैं कि उनके बच्चे निर्दोष हैं।

बेंगलूरु मेट्रो किराया वृद्धि में हमारी कोई भूमिका नहीं: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि हाल ही में बेंगलूरु मेट्रो के किराए में हुई बढ़ोतरी में राज्य सरकार की कोई भूमिका नहीं है और यह निर्णय एक स्वतंत्र समिति द्वारा लिया गया है।

शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा हमारी कोई भूमिका नहीं है। किराए तय करने के लिए एक समिति है। हमने अपनी राय व्यक्त कर दी है, लेकिन समिति ही अंतिम निर्णय लेगी। उनका यह बयान किराए में वृद्धि और यात्रियों पर इसके प्रभाव पर सार्वजनिक बहस के बीच आया है। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) केंद्र और कर्नाटक सरकारों के बीच एक संयुक्त उद्यम है, जिसमें दोनों की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एक बयान के अनुसार, केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के अधिकारी प्रबंध निदेशक और निदेशक के पद पर हैं। चूंकि बीएमआरसीएल एक स्वायत्त इकाई है, इसलिए राज्य सरकार का इस पर पूरा नियंत्रण नहीं है। चूंकि 2017 से कोई किराया संशोधन नहीं हुआ था, इसलिए संशोधन का अनुरोध करने के लिए केंद्र सरकार से संपर्क किया।

अगर राज्य सरकार के पास किराया निर्धारित करने का अधिकार होता, तो बीएमआर-सीएल हमसे अनुमोदन क्यों मांगता? कर्नाटक के सीएमओ की ओर से जारी बयान में बताया गया कि इसके जवाब में केंद्र सरकार ने मद्रास उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश आर. थरानी की अध्यक्षता में किराया संशोधन समिति बनाई, जिसमें केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के प्रतिनिधि शामिल थे। समिति का गठन 16 सितंबर, 2024 को किया गया था और उसे अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने के लिए तीन महीने का समय दिया गया था। बयान में बताया गया इन तीन महीनों के दौरान, समिति ने न केवल बीएमआरसीएल अधिकारियों के साथ परामर्श किया, बल्कि अपने मेट्रो रेल निगमों के अधिकारियों के साथ किराया संरचना और संचालन पर चर्चा करने के लिए दिल्ली और चेन्नई की यात्रा भी की। समिति ने जून 2017 में निर्धारित किराया संरचनाओं का अध्ययन किया, यात्रियों की प्रतिक्रिया एकत्र की और बीएमआरसीएल की वित्तीय स्थिति की समीक्षा की। 16 दिसंबर, 2024 को समिति ने अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की। जून 2017 में, जब बीएमआर-सीएल ने किराया तय किया, तो मेट्रो के पहले चरण का केवल 42.3 किमी ही चालू था। अब, चरण 2 के आंशिक रूप से पूरा होने के साथ, मेट्रो नेटवर्क का विस्तार हुआ है।

दिसंबर 2026 तक, मेट्रो कॉरिडोर (2, 2ए और 2बी) पूरी तरह से पूरा हो जाएगा, जिससे नेटवर्क 175.55 किमी तक बढ़ जाएगा। समिति ने बेंगलूरु मेट्रो से संबंधित सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद 10 अध्यायों में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसने देश भर में अन्य मेट्रो प्रणालियों के किराया ढांचे का भी अध्ययन किया।

वर्तमान में, बेंगलूरु मेट्रो का न्यूनतम किराया 10 रुपये और अधिकतम किराया 60 रुपये है, जबकि मुंबई मेट्रो का न्यूनतम किराया 10 रुपये और अधिकतम किराया 80 रुपये है।

विजयेंद्र ने महाकुंभ में लगाई डुबकी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने गुरुवार को प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेले में भाग लिया। उन्होंने कहा मैं प्रयागराज में कुंभ मेले के त्रिवेणी संगम पर था, जो 144 वर्षों के बाद हो रहा है, और दुनिया भर के धर्मनिरपेक्षतावादियों को सुई की तरह अपनी ओर खींच रहा है। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें नवीनीकरण का अहसास हुआ। मैंने वैश्विक शांति, देश के कल्याण और लोगों की भलाई के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि वह ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि प्रयागराज में चल रहे कुंभ मेले में अंतिम दिन 28 फरवरी तक उमड़ने वाला श्रद्धालुओं का सागर धन्य हो

तथा कोई दुर्घटना न घटे। उन्होंने कहा कि पूज्य ऋषियों के आशीर्वाद से नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

बिजनेस रेफरल ग्रुप वी. कनेक्ट की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर द्वारा आयोजित जेबीएन वी. कनेक्ट ने अपनी तीसरी कार्यकाल की बैठक बुधवार को राजाजीनगर स्थित जीतो ऑफिस में की।

इस अवसर पर जे.एल.डब्ल्यू की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना भी उपस्थित रहीं। बैठक के मुख्य वक्ता मानसी के. पनानी, जो एक अनुभवी सॉफ्ट स्किल ट्रेनर हैं और वर्तमान में ब्लूम लर्निंग एंड वेलबीइंग संगठन से जुड़ी हुई हैं, ने नेटवर्किंग के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि प्रभावी बातचीत और संचार के माध्यम से हम अपने व्यक्तित्व को कैसे निखार सकते हैं और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं। इसके बाद, मीनू जैन ने अपने व्यवसाय प्राणलिविंग पर एक 8 मिनट की प्रस्तुति दी।

उन्होंने अपने होम फर्निशिंग शोरूम और विशेष रूप से अपने प्राकृतिक गद्दों के स्वास्थ्य लाभों के बारे में विस्तार से बताया। शैक्षणिक सत्र में जीया जैन ने रेफरल के महत्व को समझाया और बताया कि एक-दूसरे को व्यवसाय देने से सामूहिक प्रगति कैसे होती है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर मैं आपको व्यवसाय देती हूँ, तो आप भी मुझे स्वचालित रूप से व्यवसाय देंगे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष सीमा शाह, उपाध्यक्ष मीना जैन और मंत्री लीला पितलिया ने की। सभी जेबीएन सदस्यों को 30 सेकेंड की पिच साझा करने का अवसर मिला। इस दौरान बेस्ट 30 सेकेंड पिच का पुरस्कार किरण जैन को मिला, सबसे ज्यादा बिजनेस देने के लिए केजल जैन को सम्मानित किया गया और सबसे ज्यादा रेफरल देने के लिए जीया जैन को पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अलावा, एक नए सदस्य को समूह में इंडक्ट किया गया, जिससे नेटवर्क का विस्तार और मजबूत हुआ। बैठक के आँकड़ों ने समूह की सामूहिक उपलब्धियों को उजागर किया।

तेजस्वी सूर्या ने एचएएल निर्मित स्वदेशी प्रशिक्षण विमान में भरी उड़ान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने गुरुवार को बेंगलूरु में चल रहे एयरो इंडिया-2025 एयर शो में स्वदेशी रूप से निर्मित प्रशिक्षण विमान एचटीटी-40 उड़ाया। तेजस्वी सूर्या ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा निर्मित विमान में करीब 30 मिनट तक उड़ान भरकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। बाद में मीडिया से बात करते हुए भाजपा सांसद ने एचएएल की प्रशंसा

करते हुए इसे बेंगलूरु और भारत का गौरव और भारत की विमानन प्रगति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा मुझे हमारे अपने एचएएल निर्मित एचटीटी 40 में उड़ान भरने का अवसर मिला। एचएएल भारत का गौरव है। यह बेंगलूरु का गौरव है। 2012 में यूपीए सरकार ने एक स्विस कंपनी से प्रशिक्षण जेट खरीदे थे। इससे घरेलू विमान निर्माण कार्यक्रम को बड़ा झटका लगा था। हालांकि, 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद एचएएल को बढ़ावा मिला।

बेंगलूरु डिवीजन ने विभिन्न दक्षता शील्ड हासिल की

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। हुब्बल्ली में रेलवे ऑफिसर्स क्लब में आयोजित दक्षिण पश्चिम रेलवे के 69वें रेलवे सप्ताह समारोह में बेंगलूरु डिवीजन ने कई दक्षता शील्ड हासिल की।

दपरे के महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव मुख्य अतिथि थे और उन्होंने योग्य कर्मियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार (वीआरएसपी) 2024 और रेल सेवा पुरस्कार (आरएसपी) 2024 प्रदान किए। कुल 42 रेलवे कर्मचारियों ने विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि 21 कर्मियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और समर्पण के लिए रेल सेवा पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, वर्ष 2023-24 में उनके अनुकरणीय प्रदर्शन के

लिए विभिन्न विभागों, डिवीजनों, स्टेशनों और कार्यशालाओं को 26 दक्षता शील्ड प्रदान की गईं। बेंगलूरु डिवीजन ने इंजीनियरिंग दक्षता शील्ड, मैकेनिकल दक्षता शील्ड, कार्मिक दक्षता शील्ड, अंतर-विभागीय राजभाषा रो-लिंग शील्ड आदि प्राप्त की।

मेट्रो में किराया वृद्धि असामान्य

सीएम ने बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन से किराया कम करने की अपील की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नम्मा बेंगलूरु मेट्रो में किराया वृद्धि को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) से किराया वृद्धि कम करने की अपील की।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार को टिकट की कीमतों में भारी वृद्धि को लेकर हर तरफ से आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें आम जनता भी शामिल है। कीमत वृद्धि के बाद, शहर में नम्मा मेट्रो की सवारियों की संख्या में करीब 80,000 की कमी आई है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने जिस तरह से बेंगलूरु मेट्रो किराया संशोधन को लागू किया है, उससे विसंगतियां पैदा हुई हैं, कुछ खंडों में किराया दोगुना से भी अधिक हो गया है। उन्होंने आगे कहा मैंने बीएमआरसीएल के एमडी से इन मुद्दों को तत्काल हल करने और उन जगहों पर किराया कम करने को कहा है, जहां वृद्धि असामान्य है। यात्रियों के हितों की रक्षा की जानी चाहिए।

बीएमआरसीएल ने पिछले शनिवार को मेट्रो टिकट की कीमतों में संशोधन की घोषणा की थी। बीएमआरसीएल की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि नई टिकट कीमतें 0 से 2 किलोमीटर की दूरी के लिए 10 रुपये, 2 से 4 किलोमीटर के लिए 20 रुपये, 4 से 6 किलोमीटर के लिए 30 रुपये, 6 से 8 किलोमीटर के लिए 40 रुपये, 8 से 10 किलोमीटर के लिए 50 रुपये, 10 से 15 किलोमीटर के लिए 60 रुपये, 15 से 20 किलोमीटर के लिए 70 रुपये, 20 से 25 किलोमीटर के लिए 80 रुपये और 25 से 30 किलोमीटर के लिए 90 रुपये तय की गई हैं। 30 किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए टिकट की कीमत 90 रुपये ही रहेगी। मेट्रो किराया वृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मेट्रो के एमडी एम. महेश्वर राव से मुलाकात की और इसे देश में मेट्रो किराए में सबसे बड़ी वृद्धि बताया। बेंगलूरु के विधायक रवि सुब्रमण्यम ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह जनता पर कई बार किराया बढ़ाकर बोझ डाल रही है और मेट्रो किराए में 46 प्रतिशत की वृद्धि कर रही है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मेट्रो स्टेशनों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा मेट्रो जनता के लिए है। लाभ को प्राथमिकता देना सही तरीका नहीं है। इस परियोजना को बेंगलूरु के यातायात की भीड़ को कम करने के लिए लागू किया गया था और यहां तक कि केंद्र सरकार ने इसके लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की है। किराए में वृद्धि अनुचित है। इससे पहले, सिद्धरामैया ने विपक्षी भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी गलत जानकारी फैलाकर जनता को गुमराह कर रही है। 2017 से मेट्रो किराए में संशोधन नहीं किया गया है। इसे देखते हुए, बीएमआरसीएल ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर किराया संशोधन का अनुरोध किया था। अगर राज्य सरकार के पास मेट्रो किराए पर पूरा अधिकार होता, तो बीएमआरसीएल सीधे राज्य सरकार को संबोधित करने के बजाय केंद्र सरकार को क्यों पत्र लिखती?

पुलिस स्टेशन पर हमले में शामिल किसी को भी नहीं बख्शा जाएगा: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि उन्होंने मैसूरु पुलिस को उदयगिरी पुलिस स्टेशन पर हमले में शामिल संदिग्धों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान कर ली है और उन सभी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा हम हिंसा में शामिल किसी को भी नहीं बख्शेंगे। मैंने मैसूरु पुलिस को घटना को गंभीरता से लेने और सीसीटीवी फुटेज में पहचाने गए लोगों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। हम उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू करेंगे। परमेश्वर ने अपने विभाग का बचाव करते हुए कहा कि स्थिति को संभालने में पुलिस की ओर से कोई विफलता नहीं थी। उन्होंने कहा जब उन्होंने पुलिस स्टेशन पर हमला किया और पुलिस वाहनों को नुकसान पहुंचाया, तो हम उन्हें कैसे बख्श सकते हैं। इस बीच, भद्रावती विधायक बी के संगमेश के बेटे बी एस बसवेश द्वारा एक महिला अधिकारी को कथित तौर पर गाली-गलौज और धमकी देने तथा एफआईआर से अपना नाम हटाने की मांग करने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए गृह मंत्री ने कहा

कि उन्होंने डीएसपी से घटना पर रिपोर्ट मांगी है। परमेश्वर ने कहा अगर उनकी (बसवेश की) संलिप्तता साबित होती है, तो पुलिस उनका नाम एफआईआर में जोड़ देगी और मैंने पुलिस उपाधीक्षक को घटना पर तुरंत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। इससे पहले उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने उदयगिरी पुलिस स्टेशन पर भीड़ के हमले के बाद पुलिस की भूमिका का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। दूसरों का क्या कहना है, यह महत्वपूर्ण नहीं है। मैं कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री के रूप में यह दावा करता हूं कि मैसूरु उदयगिरी पुलिस स्टेशन की घटना में पुलिस ने कोई गलती नहीं की है। उदयगिरी पुलिस स्टेशन पर भीड़ के हमले को लेकर पुलिस के खिलाफ आलोचना के बारे में मैसूरु में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए शिवकुमार ने यह बात कही। हमले की प्रतिक्रिया में पुलिस की कार्रवाई का बचाव करते हुए शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने स्थिति को संभालने में अपना कर्तव्य अच्छी तरह से निभाया है। उन्होंने कहा भले ही कुछ पुलिस कर्मियों, जिनमें कुछ उच्च अधिकारी भी शामिल हैं, को चोटें आई हों, लेकिन उन्होंने समय पर कार्रवाई की है। मैं अपनी पुलिस के साथ हूं। मंगलवार रात टी नरसीपुर कस्बे में त्रिवेणी संगम में 13वें कुंभ मेले में भाग लेने के बाद मैसूरु में मौजूद शिवकुमार ने एक सवाल के जवाब में कहा पत्थरबाजी करने वाले मुस्लिम युवा थे, नाबालिग, 14 से 15 वर्ष की आयु के। वे धार्मिक नेताओं की भी नहीं सुनते। नेताओं और वरिष्ठों ने भीड़ को नियंत्रित करने की पूरी कोशिश की। कम से कम पुलिस के पास कुछ सुरक्षा उपकरण तो थे। लेकिन, वहां मौजूद लोग असहाय थे। पुलिस हमलावरों का पता लगा रही है।

बजट से सभी वर्गों के लोगों को मिला लाभ: प्रशांत जीएस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के वित्त प्रकोष्ठ के राज्य समन्वयक प्रशांत जी.एस. ने कहा कि नए केंद्रीय बजट पर पूरे देश में विश्लेषण और चर्चा हो रही है। इसी तरह कर्नाटक के सभी जिलों और मंडल केंद्रों में चर्चा आयोजित की जाएगी। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने 8वां बजट पेश किया है। उन्होंने कहा कि इससे सभी वर्गों के लोगों को लाभ मिला है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव 15 तारीख को बेंगलूरु आएंगे। उस दिन वह राज्य पार्टी कार्यालय में बजट पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। बाद में, वह शांगरी-ला होटल में सामुदायिक नेताओं को संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि इसमें चार्टर्ड अकाउंटेंट, डॉक्टर और व्यवसायी सहित प्रमुख हस्तियां भाग लेंगी। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को केन्द्रीय बजट से होने वाले लाभों के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि इसके बाद पार्टी नेता, सांसद और विधायक जिलों में चर्चा करेंगे और बजट के उचित उपयोग के बारे में जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि नियुक्त केन्द्रीय मंत्री विभिन्न स्थानों पर केन्द्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेंगे।

आम जनता को एयर शो देखने की मिली अनुमति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जनता को गुरुवार से यलहंका में आयोजित एयरो इंडिया एयर शो देखने का अवसर मिला और वे धातु के पक्षियों की दहाड़ सुनकर मंत्रमुग्ध हो गए। बल्लारी रोड पर यातायात बढ़ गया है तथा हजारों लोग एयर बेस के आसपास जमा हो गए हैं। पहले तीन दिन केवल आमंत्रण पर ही प्रवेश थे, लेकिन गुरुवार और शुक्रवार जनता को एयरो इंडिया का पूरा लाभ उठाने की अनुमति है। ढाई हजार का टिकट खरीदने वालों को पूरा एयरो इंडिया देखने का मौका मिलेगा। सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 2:30 बजे से शाम 5 बजे तक एयर शो में सूर्यकिरण, अमेरिकी एफ-35, रूसी एसयू-57, तेजस और हैगर लड़ाकू हेलीकॉप्टरों के प्रदर्शन ने सबका ध्यान खींचा। 2500 और 5000 रुपये की टिकट खरीदने वालों के लिए अंदर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। 1000 रुपये में पार्किंग उपलब्ध है। टिकट खरीदने वालों के लिए जक्कुर और जीकेवीके में पार्किंग की सुविधा होगी। वहां से एयरो शो क्षेत्र तक बस सेवा की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, एयरबेस के आसपास की बस्तियों के पास भी भारी भीड़ जमा हो गई है। सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़ रही है, खासकर बच्चे, जश्न मनाते नजर आएं।

नया विधेयक भारत के करदाताओं का जीवन बहुत आसान बना देगा: सांसद तेजस्वी सूर्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा सांसद तेजस्वी सूर्या ने गुरुवार को नए आयकर विधेयक की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह कानून भारत के करदाताओं के जीवन को बहुत आसान बना देगा। दक्षिण बेंगलूरु से भाजपा सांसद ने कहा कि भारत की प्रत्यक्ष कराधान प्रणाली को आधुनिक, सरल, तर्कसंगत और अधिक अनुपालन-अनुकूल बनाने के लिए इसमें सुधार किया जाएगा। सूर्या ने कहा लगभग 60 वर्षों तक, भारत के आयकर अधिनियम की समीक्षा नहीं की गई थी।

कई अन्य क्षेत्रों की तरह जहां पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार ने जबरदस्त सुधार किए हैं, भारत की प्रत्यक्ष कराधान प्रणाली को भी आधुनिक, सरल, तर्कसंगत और अधिक अनुपालन-अनुकूल बनाने के लिए इसमें सुधार किया जाएगा। हमने जीएसटी के माध्यम से भारत की अप्रत्यक्ष कराधान प्रणाली के लिए भी यही किया। आम आदमी के दृष्टिकोण से, इसने वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में कमी लाई है, जो पहले वैट व्यवस्था के तहत नहीं थी। नया आयकर विधेयक भारत के करदाताओं के जीवन को बहुत आसान बनाने जा रहा है। वक्फ बिल पर जेपीसी रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा जेपीसी ने सभी हितधारकों के साथ व्यापक रूप से विस्तृत चर्चा की है। यह (वक्फ बिल) वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में बहुत अधिक पारदर्शिता और व्यावसायिकता लाएगा। जेपीसी का संचालन अत्यंत पारदर्शी और लोकतांत्रिक तरीके से किया गया। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को लोकसभा में नया आयकर विधेयक पेश किया गया। सरकार विधेयक पर विस्तृत विचार-विमर्श के लिए उत्सुक है और इसे आगे की जांच के लिए एक प्रवर समिति को भेजे जाने की संभावना है। पिछले सप्ताह केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नए आयकर विधेयक को मंजूरी दे दी थी। सीतारमण ने पहले संकेत दिया था कि विधेयक को जांच के लिए संसदीय समिति के पास भेजा जाएगा। उन्होंने कहा था प्रक्रिया यह है कि समिति अपनी सिफारिशें देती है, वापस आती है और फिर सरकार, कैबिनेट के माध्यम से, इस पर निर्णय लेती है कि इन संशोधनों को अपनाया जाना है या नहीं। जुलाई 2024 के बजट में, सरकार ने आयकर अधिनियम 1961 की व्यापक समीक्षा का प्रस्ताव रखा। इसका उद्देश्य अधिनियम को संक्षिप्त और स्पष्ट बनाना और विवादों और मुकदमेबाजी को कम करना था। सीतारमण ने 1 फरवरी को अपने बजट भाषण में कहा था कि विधेयक जल्द ही संसद में पेश किया जाएगा। पिछले 10 वर्षों में, हमारी सरकार ने करदाताओं की सुविधा के लिए कई सुधार लागू किए हैं, जैसे (1) फेसलेस असेसमेंट, (2) करदाता चार्टर, (3) तेज रिटर्न, (4) लगभग 99 प्रतिशत रिटर्न स्व-मूल्यांकन पर होना, और (5) विवाद से विश्वास योजना। इन प्रयासों को जारी रखते हुए, मैं कर विभाग की पहले विश्वास करो, बाद में जांच करो' की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती हूँ। मैं अगले सप्ताह नया आयकर विधेयक पेश करने का भी प्रस्ताव करती हूं।

विजयेंद्र ने हलक्की लोक कलाकार पद्मश्री सुकरी के निधन पर जताया शोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने करवार जिले की 'गायन चिड़िया' और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित सुकराजजी बोम्मागौड़ा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा बोम्मागौड़ा ने बचपन में अपनी मां से लोकगीत सीखे थे। लोकगीत, हलक्की ने वोक्कालिगा जनजाति के पारंपरिक संगीत गीतों को संरक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने कहा कि वह न केवल गीतों बल्कि विभिन्न सामाजिक संघर्षों में भी अग्रणी थी। भारत सरकार ने उनकी अद्भुत गायन प्रतिभा को पहचानते हुए उन्हें पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि उन्हें कई सम्मान प्राप्त हुए हैं, जिनमें स्थानीय जनजातियों की संस्कृति को संरक्षित करने के लिए कर्नाटक सरकार से मिला पुरस्कार, जनपद श्री पुरस्कार, कन्नड़ विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया 'नादोजा' सम्मान और 2009 में संदेश कला पुरस्कार और अल्वा का नुडीसी पुरस्कार शामिल हैं। ईश्वर उनके परिवार को इस बिछड़ने का दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

बस चालक के नियंत्रण खोने से पेड़ से टकराई, 20 से अधिक घायल

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

मांड्या जिले के कृष्णराजपेट ग्रामीण पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत एक घटना में राज्य परिवहन बस (केएसआरटीसी) के चालक के नियंत्रण खो देने के बाद पेड़ से टकराने से 20 से अधिक लोग घायल हो गए। सभी घायलों को के.आर. पेट सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि उनमें से पांच की हालत गंभीर है और उन्हें आगे के इलाज के लिए मैसूरु भेजा गया है। सुबह के समय, जब केएसआरटीसी की बस एलेनाहल्ली से के.आर.पेट की ओर आ रही थी, चालक ने नियंत्रण खो दिया और के.आर.पेट तालुक में कुंदाहल्ली के पास सड़क के किनारे एक बड़े पेड़ से टकरा गई। इनमें से अधिकांश स्कूली और कॉलेज के छात्र हैं, और कई लोगों के हाथ और पैर टूटने के साथ गंभीर चोटें आई हैं। मांड्या के पुलिस अधीक्षक ने कहा कृष्णराजपेट ग्रामीण पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक राज्य परिवहन बस के पेड़ से टकरा जाने से पांच लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। मांड्या जिले के केआर पेट तालुक में कुंदनहल्ली गेट के पास हुई राज्य परिवहन बस दुर्घटना में स्कूली बच्चों सहित पच्चीस से अधिक यात्रियों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर सुनकर मुझे गहरा सदमा लगा। मैंने तुरंत इस पर प्रतिक्रिया दी और जिला चिकित्सा अधिकारी से बात की, विस्तृत जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिया कि घायलों को आवश्यक आपातकालीन उपचार दिया जाए। गंभीर रूप से घायलों को मैसूरु अस्पताल में भर्ती कराया गया है और मैंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया है कि उन सभी को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान किया जाए। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने और सुरक्षित घर लौटने की कामना करता हूं।

शुभ लाभ DAILY

मेंगलूरु में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया गया

जागरूकता बढ़ाने के लिए एक नुक्कड़ नाटक

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर की यातायात पुलिस और परिवहन विभाग ने गुरुवार को फिजा बाय नेक्सस मॉल में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 मनाया। हालांकि आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 1 जनवरी से 31 जनवरी तक मनाया जाता है, लेकिन इस दिन यह आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने तुलु फिल्म अभिनेता अरविंद बोलर के साथ किया। इस अवसर पर बोलते हुए अरविंद बोलर ने इस बात पर जोर दिया कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं मानवीय लापरवाही के कारण होती हैं। उन्होंने कहा जबकि अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है, हमें सड़क पर दूसरों के प्रति भी सचेत रहना चाहिए। दोपहिया वाहन चलाते समय, हम अक्सर यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं, जैसे कि बाइक पर तीन लोग सवार होते हैं। जुर्माने से बचने के लिए, कुछ लोग पुलिस को देखते ही गलत दिशा में गाड़ी चलाते हैं। देश ने हमें क्या दिया है, इस पर सवाल उठाने के बजाय, हमें इस बात पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है कि हमने इसमें क्या योगदान दिया है। उन्होंने ट्रैफिक वार्डन की निस्वार्थ सेवा पर भी प्रकाश डाला, एक सेवानिवृत्त पेशेवर का हवाला देते हुए जो पडुआ में यातायात का प्रबंधन करना जारी रखता है, इसे एक महान सेवा कहा जो समर्थन के योग्य है। अरविंद ने आगे कहा जब हम विदेश यात्रा करते हैं, तो हम कारों को सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए देखते हैं, लेकिन भारत में, वाहन अक्सर बिना किसी अंतर के एक दूसरे से चिपके रहते हैं। हम अक्सर गड्ढों के बारे में शिकायत करते हैं और अधिकारियों को दोष देते हैं, लेकिन यह हमारी जिम्मेदारी भी है कि हम कार्रवाई करें और इन मुद्दों को संबोधित करें, न कि केवल उंगली उठाएं। पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करते समय जिम्मेदार और सतर्क रहने का आग्रह किया। उन्होंने जागरूकता कार्यक्रमों के प्रयासों पर प्रकाश डाला जो 8,000 से अधिक छात्रों तक पहुँच चुके हैं, फिर भी यातायात से संबंधित मौतों की संख्या अधिक है। उन्होंने कहा हमारे देश में, हम हर साल सड़क दुर्घटनाओं के कारण सैकड़ों हजारों मौतें देखते हैं। इस बीच, सेंट एग्नेस कॉलेज के छात्रों ने यातायात सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक नुक्कड़ नाटक किया। नेक्सस मॉल द्वारा फिजा के प्रबंधन ने पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल, तुलु अभिनेता अरविंद बोलर और कई ट्रैफिक वार्डन को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया।

बेंगलूरु की झील में महिला का शव मिला, ऑनर किलिंग का संदेह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु शहरी जिले में बुधवार को 21 वर्षीय युवती के साथ कथित तौर पर ऑनर किलिंग की घटना सामने आई है। हेब्बागोडी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता सहाना का शव संदिग्ध रूप से बेंगलूरु के बाहरी इलाके में अनेकल शहर के पास हुस्कुर झील में मिला। दावा किया गया कि जब वह अपने पिता राममूर्ति के साथ स्कूटर पर पीछे बैठी थी, तो वाहन झील में गिर गया। हालांकि, प्रेमी नितिन ने आरोप लगाया है कि सहाना के पिता ने अपनी बेटी को बचाने की जहमत नहीं उठाई और सीधे पुलिस स्टेशन पहुंच गए। नितिन ने आर-ोप लगाया कि सहाना ऑनर किलिंग का शिकार हुई। नितिन और सहाना एक साल से रिलेशनशिप में थे। सहाना के माता-पिता को दो दिन पहले प्रेम संबंध के बारे में पता चला था। सहाना के पिता ने नितिन को अपने दोस्त के घर बातचीत के लिए बुलाया था। चर्चा के दौरान, राममूर्ति ने कथित तौर पर अपनी बेटी के साथ मारपीट की और कहा कि वह किसी भी कीमत पर अपनी बेटी के रिश्ते को स्वीकार नहीं करेगा। नितिन की मां ने जब राममूर्ति से प्रेम विवाह के लिए राजी होने की विनती की, तब भी वह राजी नहीं हुआ। उसने उनसे दो दिन का समय मांगा था। आरोप है कि पीड़िता के पिता ने सहाना को झील में धकेल दिया और उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने कहा कि सहाना नितिन से शादी करने पर अड़ी थी। लेकिन, उसका परिवार उसकी शादी अपने किसी रिश्तेदार से करने की योजना बना रहा था। सहाना ने इसका कड़ा विरोध किया और अपने पिता से झगड़ा किया। पुलिस ने कहा कि वे पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं और मामले की जांच शुरू कर दी है। 8 फरवरी को कर्नाटक के बीदर जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जिसमें एक पिता ने अपनी बेटी की हत्या कर दी, क्योंकि उसने रिश्ता खत्म करने की उसकी सलाह ठुकरा दी थी।

30 जनवरी को गदग जिला और सत्र न्यायालय ने ऑनर किलिंग के एक मामले में चार लोगों को दोषी पाते हुए मौत की सजा सुनाई। इन लोगों ने अंतरजातीय विवाह करने वाले दंपत्ति रमेश मदारा और गंगम्मा राठौड़ पर बेरहमी से हमला किया और उनकी हत्या कर दी थी।

मां ने मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर रोक लगाई तो लड़की ने 20वीं मंजिल से छलांग लगा दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के बाहरी इलाके में कडुगोडी पुलिस स्टेशन की सीमा में बुधवार को एक 15 वर्षीय लड़की द्वारा अपने अपार्टमेंट की 20वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या करने की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतक की पहचान 10वीं कक्षा की छात्रा अवंतिका चौरसिया के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, लड़की का परिवार मध्य प्रदेश का रहने वाला था। मृतक लड़की के पिता इंजीनियर हैं और मां गृहिणी हैं। मृतक लड़की एक निजी स्कूल में पढ़ती थी और एक टेस्ट में उसके कम अंक आए थे। चूंकि वार्षिक परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होने वाली हैं, इसलिए लड़की अपने मोबाइल फोन के साथ समय बिताती पाई गई। यह देखने के बाद, लड़की की मां ने इस पर आपत्ति जताई और उसे मोबाइल फोन पर समय बिताने से मना किया और जोर देकर कहा कि उसे इसके बजाय पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। पुलिस को संदेह है कि इससे नाराज होकर लड़की ने अपार्टमेंट की 20वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। कडुगोडी पुलिस मौके पर पहुंची और घटना के बारे में जानकारी जुटाई। माता-पिता की ओर से आधिकारिक बयान दर्ज होना बाकी है और मामले के बारे में और जानकारी सामने आनी बाकी है। लड़की व्हाइटफील्ड इलाके में एक सीबीएसई स्कूल में पढ़ती थी।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि लड़की ने यह कदम उसी समय उठाया जब उसकी मां ने उसे परीक्षा के समय मोबाइल का इस्तेमाल न करने के लिए डांटा था। पुलिस ने अप्राकृतिक मृत्यु रिपोर्ट (यूडीआर) का मामला दर्ज किया है। इससे पहले 4 फरवरी को, बेंगलूरु विश्वविद्यालय की 24 वर्षीय स्नातकोत्तर छात्रा ज्ञान भारती परिसर में अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गई। लड़की कन्नड़ में एमए की पढ़ाई के साथ तीसरे सेमेस्टर में पढ़ रही थी और एच.डी. कोटे शहर के पास एक गांव की मूल निवासी थी। केरल की 19 वर्षीय नर्सिंग छात्रा ने 6 फरवरी को बेंगलूरु के पड़ोसी जिले रामनगर में अपने छात्रावास के कमरे में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मृतक अनामिका विनीत बीएससी नर्सिंग की प्रथम वर्ष की छात्रा थी। मृतक लड़की के माता-पिता ने कॉलेज प्रबंधन पर दबाव डालने का आरोप लगाया था।

अन्न भाग्य के तहत लाभार्थियों के खाते में अक्टूबर से जमा नहीं हुआ पैसा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के पास धन की कमी के कारण अन्न भाग्य लाभार्थियों को सरकार से मिलने वाले 170 रुपये प्रति परिवार का भुगतान पिछले अक्टूबर से नहीं किया गया है। 5 किलो चावल के बदले सरकार लाभार्थियों के खाते में 170 रुपये भेज रही है।

अन्न भाग्य कांग्रेस सरकार द्वारा लागू किए गए पांच वादों में से एक था। 2023 के राज्य विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने घोषणा की थी कि गरीबी रेखा से नीचे के नागरिकों को 10 किलो चावल दिया जाएगा, लेकिन सरकार बीपीएल कार्ड धारकों को वितरित किए जाने वाले अतिरिक्त 5 किलो चावल प्राप्त करने में असमर्थ थी। इसके लिए सरकार ने सभी कार्ड धारकों को 34 रुपये प्रति किलो चावल के हिसाब से 170 रुपये नकद 5 किलो देने का फैसला किया। चित्रदुर्ग शहर के उप्पू नीरू बावी इलाके की बीपीएल लाभार्थी सुशीलम्मा ने कहा कि अक्टूबर से उनके खाते में पैसे जमा नहीं हुए हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार को तुरंत पैसे जारी करने चाहिए। राज्य सरकार ने सितंबर तक 34 रुपए प्रति किलो चावल देने की गारंटी दी थी, लेकिन अब यह बंद हो गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि पिछले दो महीने से गृहलक्ष्मी योजना के तहत उनके खाते में 2,000 रुपए जमा नहीं हुए हैं। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के संयुक्त निदेशक मधुसूदन ने कहा हमने सितंबर तक 5 किलो चावल के बदले प्रत्येक बीपीएल लाभार्थी को 170 रुपए देने की अनुमति दी है।

अक्टूबर महीने का भुगतान एक दो दिन में कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अनुदान जारी होते ही लाभार्थियों के खातों में पैसा जमा हो जाएगा। इस बीच, राज्य सरकार पर हमला करने वाले दावणगेरे जिला भाजपा अध्यक्ष राजशेखर नागप्पा ने कहा राज्य सरकार का खजाना खाली है। इसलिए वे अपने वादे पूरे नहीं कर पा रहे हैं। इसके कारण अन्नभाग्य योजना और गृहलक्ष्मी का पैसा लाभार्थियों के खातों में जमा नहीं हुआ है। राज्य की जनता अब कांग्रेस शासन का असली चेहरा देख रही है। हालांकि केंद्र सरकार ने 22.50 रुपये प्रति किलो की दर से अतिरिक्त 5 किलो चावल उपलब्ध कराने की पेशकश की है, लेकिन परिवर्तनीय लागत (उठाना, परिवहन, परिवहन के दौरान नुकसान, ढेर लगाना और बाद में पुनर्वितरण) अधिक होगी। विभाग के सूत्रों ने कहा कि 34 रुपये प्रति किलो उपलब्ध कराने का विकल्प बेहतर है। इसके अलावा, अगर अतिरिक्त 5 किलो उपलब्ध कराया जाता है, तो इससे पीडीएस चावल के वितरण में कालाबाजारी और अन्य अनुचित व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा मिल सकता है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि केंद्र सरकार ने हाल ही में कर्नाटक सरकार को 22.50 रुपये प्रति किलो की दर से चावल उपलब्ध कराने की पेशकश की थी, जिससे राज्य सरकार नकदी के बजाय चावल वितरित कर सकेगी। उन्होंने कहा कि कार्ड धारकों को चावल उपलब्ध कराने से राज्य सरकार को मासिक 190 करोड़ रुपये और सालाना 2,280 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने अतिरिक्त चावल की आपूर्ति के लिए केंद्र से संपर्क किया था। फिर सूखे के कारण चावल की कमी हो गई। चावल की कीमत 34 रुपये थी। बाद में यह घटकर 28 रुपये प्रति किलो हो गई। अब केंद्र के पास पर्याप्त स्टॉक है। हम राज्य सरकार को परिवहन शुल्क सहित 22.50 रुपये प्रति किलो की दर से चावल उपलब्ध कराने के लिए तैयार हैं।

महिला पर गाड़ी चलाते समय लैपटॉप इस्तेमाल करने पर लगाया जुर्माना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आरटी नगर ट्रैफिक पुलिस ने गाड़ी चलाते समय लैपटॉप पर काम कर रही एक महिला पर जुर्माना लगाया।

आरटी नगर पुलिस स्टेशन की सीमा में गाड़ी चलाते समय लैपटॉप पर काम कर रही महिला का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में दिख रही गाड़ी की नंबर प्लेट के आधार पर पुलिस ने महिला का पता लगाया और कार्रवाई की। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि बुधवार को तेज गति से गाड़ी चलाने और लापरवाही से गाड़ी चलाने के लिए उस पर 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इस घटना पर टिप्पणी करते हुए, उत्तर डिवीजन के डीसीपी (ट्रैफिक) ने लोगों को सलाह दी कि वे गाड़ी चलाते समय अपनी कार से काम करने के बजाय घर से काम करें।

हलक्की लोक कलाकार पद्मश्री सुकराजजी का निधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लोक कलाकार और पद्मश्री प्राप्तकर्ता सुकरी बोम्मागौड़ा (88), जिन्हें शराब विरोधी प्रदर्शन के लिए भी जाना जाता है, ने गुरुवार को कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला तालुक के बडगेरी गांव में अपने आवास पर अंतिम सांस ली। सुकराजजी के नाम से मशहूर, वह पिछले कुछ महीनों से ठीक नहीं थीं और हाल ही में मेंगलूरु के एक निजी अस्प-ताल में इलाज कराने के बाद घर लौटीं। 12 फरवरी को थोड़ा ठीक होने के बाद उन्होंने पूरा दिन अपने परिजनों से बातचीत में बिताया। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि गुरुवार की सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। सुकराजजी हलक्की लोकगीत गाने के लिए जानी जाती थीं। उन्होंने अपने गांव में शराब की समस्या के खिलाफ आंदोलन चलाया था। उन्हें 2006 में नादोजा पुरस्कार सहित कई पुरस्कार मिले थे। 2017 में उन्हें केंद्र सरकार द्वारा पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

माइक्रोफाइनेंस संकट से उत्पीड़ित लोगों को अधिक सुरक्षा मिलेगी: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा माइक्रोफाइनेंसिंग संस्थानों (एमएफआई) पर नियंत्रण के लिए अध्यादेश को मंजूरी दिए जाने के बाद, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार शाम को कहा कि यह कानून तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। सिद्धरामैया ने घोषणा की कि ऋण वसूली के बहाने माइक्रोफाइनेंस कंपनियों, निजी वित्तीय संस्थानों या व्यक्तियों द्वारा किए गए उत्पीड़न, मानसिक शोषण और गैरकानूनी, अमानवीय कार्यों को विनियमित और प्रतिबंधित करने के लिए, हमने कर्नाटक माइक्रोलोन और लघु ऋण (जबरदस्ती उपायों का निषेध) अध्यादेश - 2025 लागू किया है, जो कानून के रूप में तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को माइक्रोफाइनेंस ऋण लेने के बाद उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है, वे पुलिस में शिकायत दर्ज करा सकते हैं और उन्हें इस नए कानून के तहत अधिक सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा मुझे विश्वास है कि यह पहल राज्य में माइक्रोफाइनेंस संस्थानों, वित्तप-ोषकों और साहूकारों द्वारा उत्पीड़न और जबरदस्ती को समाप्त कर देगी। इससे पहले, कर्नाटक के राज्यपाल ने माइक्रोफाइनेंसिंग संस्थानों (एमएफआई) के खतरे से निपटने के लिए कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा प्रख्यापित अध्यादेश को मंजूरी दे दी थी। इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए, मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने कहा कि सरकार ने राज्यपाल द्वारा मांगे गए स्पष्टीकरण के साथ माइक्रोफाइनेंस से संबंधित अध्यादेश को राजभवन भेज दिया है। सीएमओ ने कहा अब राज्यपाल ने अध्यादेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इसके साथ ही, कर्नाटक माइक्रो लोन और स्मॉल लोन (जबरदस्ती कार्रवाई की रोकथाम) अध्यादेश, 2025 लागू हो जाएगा। इससे पहले, राज्यपाल ने अध्यादेश को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि 10 साल की सजा और 5 लाख रुपये का जुर्माना अत्यधिक है। राज्यपाल ने यह भी सुझाव दिया था कि पुलिस मौजूदा कानूनों का इस्तेमाल करके स्थिति को नियंत्रित कर सकती थी। राज्यपाल ने कहा कि इस अध्यादेश से माइक्रोफाइनेंस पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है, जिसका असर गरीबों पर पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने तब कहा था कि वह अध्यादेश के संबंध में राज्यपाल द्वारा दिए गए सुझावों को शामिल करने के लिए तैयार है। कांग्रेस सरकार ने अध्यादेश जारी करने में देरी की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि माइक्रोफाइनेंस कंपनियों को अदालत में कानून को चुनौती देने का अवसर न मिले, जिससे सरकार को झटका लग सकता है।

शिवमोग्गा जिले में अराजकता: हरथलु हलप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष हरथलु हलप्पा ने कहा कि शिवमोग्गा जिले में अराजकता की स्थिति है। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि विधायक के बेटे बसवेश को गिरफ्तार नहीं किया गया है। मैंने मीडिया में देखा कि तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने पूछा कि जिला प्रभारी मंत्री क्या कर रहे हैं? क्या आपने पिछड़े वर्ग की एक महिला अधिकारी से इसी तरह बात नहीं की थी? मंत्रीगण, मीडिया, सब छाये हुए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या प्रभारी मंत्री के तौर पर उन्होंने महिला अधिकारी को सांत्वना दी थी। उन्होंने इस बात की आलोचना की कि मामले को कुछ मोड़ देने का प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान कॉल रिकॉर्ड की जांच करने से कॉल का पूरा विवरण मिल जाएगा। यदि उनके परिवार की महिलाओं के बारे में ऐसा कहा होता तो क्या होता?

विदेश की हस्तियों को मिले पीएम मोदी के उपहारों में झलकता भारत

राजनयिक परंपरा का बेहतरीन संस्कारिक स्पर्श

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

उपहार देना हमेशा से राजनयिक संबंधों का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है, जो सांस्कृतिक विरासत और साझा मूल्यों को प्रतिबिंबित करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस परंपरा को अपनाते हुए भारत की समृद्ध कला और शिल्प कौशल को प्रदर्शित करने का अनूठा तरीका अपनाया है। वे विशेष रूप से ऐसे उपहार चुनते हैं, जो गहरे प्रतीकात्मक महत्व के होते हैं और भारत की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण यह है कि उनके उपहार न केवल भारतीय शिल्प की उत्कृष्टता को दर्शाते हैं, बल्कि वोकल फॉर लोकल और वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट जैसे अभियानों को भी बढ़ावा देते हैं। ये उपहार भारत की विविध कलात्मक परंपराओं और हस्तनिर्मित कारीगरी का प्रतीक होते हैं, जो स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित करने और भारत की पहचान को वैश्विक मंच

पर प्रस्तुत करने में सहायक होते हैं।

हाल ही में, प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस में आयोजित एआई एक्शन समिट के दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, प्रथम महिला ब्रिजिट मैक्रों और अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के परिवार को विशेष रूप से तैयार किए गए उपहार भेंट किए। प्रत्येक उपहार को भारत की कलात्मक उत्कृष्टता, स्थायी शिल्प कौशल और पारंपरिक ज्ञान को उजागर करने के लिए चुना गया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति मैक्रों को छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध डोकरा धातु-कास्टिंग कला से बनी पारंपरिक संगीतकारों की मूर्ति भेंट की। यह कला प्राचीन लॉस्ट-वैक्स तकनीक से बनाई जाती है और पीतल व तांबे से निर्मित होती है।

इस उपहार के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय जनजातीय धरोहर को सम्मान दिया और संगीत को एक सार्वभौमिक सांस्कृतिक माध्यम के रूप में प्रस्तुत किया। ब्रिजिट मैक्रों को राजस्थान की पारंपरिक धातु-कला से बनी एक हस्तनिर्मित चांदी की टेबल मिरर भेंट की गई। इस दर्पण पर सुंदर पुष्प और मोर की आकृतियां उकेरी गई हैं, जो भारतीय कारीगरी की समृद्ध परंपरा को दर्शाती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति के पुत्र विवेक वेंस को पारंपरिक भारतीय शिल्प कौशल से निर्मित लकड़ी का रेलवे टॉय सेट भेंट किया। यह प्राकृतिक लकड़ी से बना है और हल्दी, चुकंदर, नील और नीम से बने प्राकृतिक रंगों से रंगा गया है, जो बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

इवान ब्लेन वेंस को एक विशेष जिग्सॉ पजल भेंट किया गया, जिसमें भारत की प्रसिद्ध लोक चित्रकला शैलियां जैसे कालीघाट, संथाल और मधुबनी चित्रकला सम्मिलित थीं। इस उपहार के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने बच्चों को भारत की विविध कला परंपराओं से परिचित कराने का एक रचनात्मक अवसर प्रदान किया।

मिराबेल रोज वेंस के लिए लकड़ी का अल्फाबेट सेट चुना गया, जो भारत की हस्तनिर्मित लकड़ी के खिलौनों की परंपरा को दर्शाता है। यह पर्यावरण के अनुकूल और हानिकारक रसायनों से मुक्त है, जिससे बच्चों का संज्ञानात्मक विकास होता है। इन उपहारों की सुंदरता और कलात्मकता से परे, वे भारत की धरोहर, स्थिरता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। प्रत्येक चयन सावधानीपूर्वक भारत की कलात्मक परंपराओं का प्रतिनिधित्व करता है और इसके कारीगरों की प्रतिभा को प्रदर्शित करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इन सार्थक उपहारों के माध्यम से वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करते हुए अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की परंपराओं को प्रस्तुत किया।

राजनयिक उपहार केवल औपचारिक आदान-प्रदान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान और शिल्प कौशल का प्रतिबिंब होते हैं। यह एक प्रभावशाली कूटनीतिक साधन है, जो संबंधों को मजबूत करने और भारतीय कला को वैश्विक पहचान दिलाने में सहायक होता है।

टेलिकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ने की बड़ी कार्रवाई

टेलिमार्केटिंग के लिए बैन हुए 10 अंकों वाले सिम

स्पैम कॉल से नागरिकों को निजात दिलाने की कवायद

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

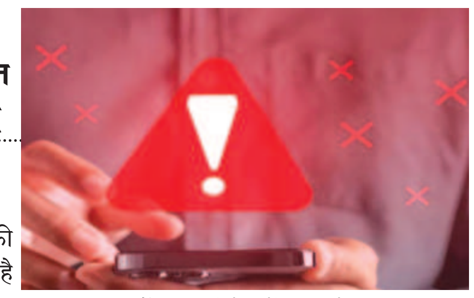

भारत में स्पैम कॉल की समस्या लगातार बढ़ रही है और देशभर में मोबाइल फोन यूजर्स इससे परेशान हैं। टेलिकॉम कंपनियां कई बार अपने-अपने स्तर पर इस व्यापक समस्या से निपटने की कोशिश कर रही हैं। टेलिकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) की तरफ से भी कई बार स्पैम कॉल व मैसेज की समस्या हल करने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं। अब दूरसंचार संसाधनों के गलत इस्तेमाल को रोकने और कंज्यूमर प्रोटेक्शन को बढ़ाने के लिए, भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने संशोधित टेलीकॉम कमर्शियल कम्युनिकेशंस प्रेफरेंस रेगुलेशंस (टीसीसीसीपीआर) के तहत सख्त नियम पेश किए हैं। इन संशोधनों का उद्देश्य ट्रांसपेरेंट फ्रेमवर्क के साथ वैध मार्केटिंग गतिविधियों को सुनिश्चित करना और अनचाहे कमर्शियल कम्युनिकेशन से निपटना है।

संशोधित नियम, टेलीकॉम चैनल में सेंध लगाकर विकसित हो रही टेलीमार्केटिंग प्रैक्टिसेज के जवाब में आए हैं। यह कदम 28 अगस्त 2024 को शुरू की गई एक परामर्श प्रक्रिया के बाद आया, जब ट्राई ने की रेगुलेटरी गैप्स पर इंडस्ट्री की प्रतिक्रिया मांगी थी। नए संशोधन में उन टेलीमार्केटर्स (यूटीएम) के खिलाफ कड़े नियम बनाने पर ध्यान दिया गया है जो रजिस्टर्ड नहीं हैं। मार्केटिंग के लिए 10-डिजिट वाले नंबरों के दुरुपयोग को रोकने, उपभोक्ता शिकायत तंत्र को बढ़ाने और सेंडर एवं सर्विस प्रोवाइडर के लिए जवाबदेही बढ़ाने पर केंद्रित है।

ट्रांसपेरेंसी को बेहतर करने के लिए ट्राई ने 10 अंकों वाले मोबाइल नंबर के जरिए कमर्शियल कम्युनिकेश पर रोक लगा दी है। इसकी जगह एक स्पेसिफिक नंबर सीरीज इस्तेमाल होगी। प्रमोशनल कॉल के लिए 140 जबकि ट्रांजैक्शनल और सर्विस कॉल के लिए नई दी गई 1600 सीरीज का इस्तेमाल होगा। कंज्यूमर्स अब अनरजिस्टर्ड कंपनियों से आने वाले स्पैम मैसेज और कॉल की शिकायत अपने कम्युनिकेशन प्रेफरेंस के बिना भी दर्ज करा सकेंगे। ट्राई ने शिकायत प्रक्रिया को भी सरल बना दिया है - जिस शिकायत में सभी जरूरी डिटेल्स होंगी, उसे वैध माना जाएगा।

दिल्ली में आपा सरकार की नियुक्तियों की समीक्षा शुरू

100 दिन के काम का रोडमैप बनाने की भाजपा की तैयारी

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद नई सरकार की प्रक्रिया तेज हो गई है। इस बीच भाजपा के घोषणा-पत्र के वादों को पूरा करने के लिए विकसित दिल्ली संकल्प पत्र 2025 के अनुरूप 100 दिन का रोडमैप तैयार किया जा रहा है। इस संबंध में दिल्ली के प्रमुख सचिव धर्मेंद्र की अध्यक्षता में 24 अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें पहले 15 दिन, फिर महीनावार और अंत में 100 दिन का रोडमैप तैयार करने के लिए कहा गया।

बैठक में स्वास्थ्य सेवा, नागरिक सुविधाओं, बुनियादी ढांचे और शासन सुधारों पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही गई। साथ ही आयुष्मान भारत को तुरंत

लागू करने, जलभराव और सीवेज की समस्याओं का तत्काल समाधान खोजने का काम सौंपा गया है। नागरिक प्रशासन को सुव्यवस्थित करने के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के लिए एनडीएमसी क्षेत्र में एक एकीकृत दिल्ली नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को आपा सरकार द्वारा तैयार की गई अध्यक्षों और सदस्यों की नियुक्तियों की सूची तैयार करने के लिए भी कहा है। बता दें कि आम आदमी पार्टी की सरकार पर नियमों को दरकिनार कर पार्टी कार्यकर्ताओं को विभिन्न गैर-आधिकारिक पदों पर नियुक्त करने के आरोप लगे थे। सभी अधिकारियों से इस संबंध में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन देने के लिए कहा गया है।

पुलवामा की छठी बरसी पर महसूस हो रहा आतंकी खतरा

उपराज्यपाल ने बुलाई जरूरी बैठक

जम्मू, 13 फरवरी (ब्यूरो)।

कश्मीर में पुलवामा हमले की छठी बरसी की पूर्व संध्या पर उपराज्यपाल (एलजी) मनोज सिन्हा ने क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के लिए गुरुवार को जम्मू में एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

इस बैठक में जम्मू-कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरएफपी) के शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया। दरअसल सूत्रों का कहना था कि प्रदेश में आतंकी हिंसा के बढ़ने की सुगबुगाहट है क्योंकि पाकिस्तानी सेना पिछले एक सप्ताह से एलओसी पर हलचल और हमले बढ़ा चुकी है।

जानकारी के लिए 14 फरवरी के लिए दिन पर पुलवामा हमले की छठी बरसी पर कश्मीर में रेड

अलर्ट जारी किया गया है। वर्ष 2019 में 14 फरवरी को जम्मू कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतिपोरा इलाके में आतंकियों ने केरिपुब के काफिले को निशाना बनाते हुए आत्मघाती हमला किया था। इसमें केरिपुब के 40 से ज्यादा जवान शहीद हो गए थे। घटना में इस्तेमाल किया गया विस्फोटक इतना शक्तिशाली था कि उसकी आवाज 10-12 किमी दूर सुनाई दी थी। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 2500 से अधिक कर्मी 78 वाहनों के काफिले में जा रहे थे। इनमें से अधिकतर अपनी छुट्टियां बिताने के बाद अपनी ड्यूटी पर लौट रहे थे। तभी एक आत्मघाती आतंकी ने विस्फोटक से भरी अपनी कार जवानों की बस से भिड़ा दी थी।

सुरक्षा बैठक का मुख्य फोकस जम्मू में विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना था। चर्चा किए गए प्रमुख विषयों में निगरानी बढ़ाना, खुफिया जानकारी साझा करने के तंत्र में सुधार करना और आतंकवाद विरोधी अभियानों को मजबूत करना शामिल था। एलजी मनोज सिन्हा ने जम्मू संभाग में मौजूदा सुरक्षा उपायों की व्यापक समीक्षा की और आतंकी घटनाओं को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने पर जोर दिया। नियंत्रण रेखा (एलओसी) और भीतरी इलाकों में सुरक्षा कड़ी करने पर विशेष ध्यान दिया गया, साथ ही संभावित खतरों के खिलाफ सतर्कता बढ़ाई गई।

यह बैठक बुधवार को श्रीनगर में एलजी द्वारा की गई सुरक्षा समीक्षा के बाद हुई है, जिसमें उन्होंने आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने और आतंकवाद का समर्थन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के सख्त निर्देश जारी किए थे। बैठक के दौरान एलजी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर के लिए व्यापक दृष्टिकोण को दोहराया और क्षेत्र में शांति और समृद्धि की दिशा में हो रही प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने क्षेत्र की सुरक्षा को बनाए रखने के लिए आतंकवाद विरोधी अभियानों में खुफिया समन्वय और सटीकता की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर बल दिया।

सुरक्षा से परे, बलों के कल्याण पर भी चर्चा की गई, जिसमें एलजी ने काम करने की स्थिति में सुधार और आतंकवाद विरोधी अभियानों में लगे कर्मियों के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया। सुरक्षा गतिशीलता को ध्यान में रखते हुए, एलजी सिन्हा ने सभी एजेंसियों को किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए प्रयासों को तेज करने का निर्देश दिया है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जम्मू-कश्मीर मौजूदा चुनौतियों का सामना करते हुए सुरक्षित और स्थिर बना रहे।

खेलों के प्रोत्साहन का भी मंच बना प्रयागराज महाकुंभ

महाकुंभ नगर, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत अपने परम्परागत खेलों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। 2036 में भारत में आयोजित होने जा रहे ओलंपिक खेल भी इसको मंच प्रदान करेंगे। प्रयागराज महाकुंभ में खेल महाकुंभ के समापन पर 2036 के ओलम्पिक खेलों में इन्हें शामिल करने का संकल्प लिया गया है। खेल महाकुंभ के समापन खेल महाकुंभ संवाद संगम में उत्तर प्रदेश के खेल मंत्री गिरीश यादव की मौजूदगी में यह संकल्प हुआ है।

प्रयागराज महाकुंभ में आयोजित खेल महाकुंभ भारत के स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने और युवा प्रतिभाओं को निखारने का एक शानदार मंच साबित हुआ है। महाकुंभ नगर के सेक्टर 10 में चल रहे 8 दिवसीय खेल महाकुंभ का गुरुवार को समापन हो गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश यादव ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि

यूपी सरकार खिलाड़ियों के उत्थान के लिये प्रतिबद्ध है। हम एक तरफ तमाम खेलों की आधारभूत संरचना को मजबूत कर रहे हैं तो दूसरी तरफ खिलाड़ियों के पोषण का, खिलाड़ियों के आर्थिक पक्ष का और सामाजिक स्वीकार्यता का भी ध्यान रख रहे हैं, हमारी सरकार मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को नौकरी और आर्थिक सहयोग दे रही है। ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को निखारने के लिये उनके गांव में ही खेल मैदान बनाया जा रहा है। देश के परंपरागत खेलों को 2036 के ओलंपिक खेलों में शामिल कराने के लिए भी हम संकल्पित हैं।

भारत के पारंपरिक खेलों के प्रति समर्पित संस्था क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित खेल महाकुंभ में 800 से अधिक युवा एथलीट और दिग्गज खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया ।

इसके अलावा पारंपरिक खेलों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक ले जाने के विचार विमर्श में जिन लोगों ने प्रोत्साहन दिया उसमें मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर , प्रसिद्ध एथलीट योगेश्वर दत्त, खेल रत्न दीपा कर्माकर, पद्मश्री पैरालंपिक दीपा मलिक , कोच विश्वेश्वर नंदी , इंटरनेशनल रेसलर संग्राम सिंह , विश्व चैंपियन बॉक्सर मैरी कॉम , पर्वतारोही नरेंद्र यादव , खेल प्रशासक स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के डीडीजी मयंक श्रीवास्तव, इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन की संयुक्त सचिव डॉ अलकनंदा समेत धर्मगुरुओं, फिटनेस मंत्र बताने वाले डॉक्टरों, क्रीड़ा भारती के देश भर से आये पदाधिकारियों और नीति निर्धारक शामिल हैं। खेल महाकुंभ में ड्रीम स्पोर्ट्स फाउंडेशन की तरफ से 200 से ज्यादा कोच की ट्रेनिंग और खिलाड़ियों की वैज्ञानिक तरीके से फिटनेस चैक कराई गई खेल महाकुंभ में हुए खेलों में बालक और बालिका वर्ग में विजेता को 51 हजार की राशि और उपविजेता को 25 हजार की राशि और अन्य पारितोषिक प्रदान किए गए। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अवनीश सिंह ने आखिरी दिन पारंपरिक खेलों को सरकार के साथ मिलकर आगे बढ़ाने के संकल्प को दोहराया।

स्नान संपन्न, अब फिर शुरू होंगी सांस्कृतिक गतिविधियां

फाल्गुन में होगा संस्कृति, पर्यावरण और बर्ड फेस्टिवल

लखनऊ/महाकुंभ नगर, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने महाकुंभ-2025 को अद्वितीय, अविस्मरणीय व अभूतपूर्व बना दिया है। इसमें माघ पूर्णिमा तक के स्नान सम्पन्न हो चुका है। इसके उपरांत फाल्गुन मास में भी त्रिवेणी तट पर संस्कृति, पर्यावरण व बर्ड फेस्टिवल का संगम होगा। एक तरफ यहां त्रिवेणी, सरस्वती व यमुना पंडाल पर शुक्रवार से सांस्कृतिक गतिविधियां प्रारंभ होंगी तो वहीं 16 फरवरी को जलवायु सम्मेलन होगा। इस दिन से ही त्रिदिवसीय बर्ड फेस्टिवल भी आयोजित किया जाएगा। गंगा पंडाल पर गुरुवार से सांस्कृतिक आयोजन प्रारंभ हो गए। महाकुंभ के मुख्य पंडाल गंगा में अभी बॉलीवुड सिंगर कैलाश खेर, मोहित चौहान, कविता सेठ, नवदीप वडाली सरीखे कलाकारों के सुगम संगीत से श्रोता दो-चार होंगे।

माघ पूर्णिमा स्नान के उपरांत फाल्गुन मास में भी सुरमयी सांझ में श्रोता-दर्शक भारतीय संस्कृति का दीदार करेंगे। गंगा पंडाल पर गुरुवार से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ हो गए, जबकि शुक्रवार से त्रिवेणी, यमुना व सरस्वती पंडाल पर कार्यक्रम शुरू होंगे। महाकुंभ की अवधि के दौरान कैलाश खेर, मोहित चौहान, सुचेता भिड़े, कविता सेठ, नितिन मुकेश सरीखे नामचीन कलाकारों की भी प्रस्तुति होगी। इस दौरान शास्त्रीय संगीत, वायलिन, तबला, बांसुरी वादन, ध्रुपद गायन,

भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, कथक, ओडिसी नृत्य आदि विधा के कलाकार महाकुंभ में अपनी प्रतिभा बिखरेंगे।

आस्था के साथ ही महाकुंभ प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण होगा। सीएम योगी के निर्देश पर श्रद्धालुओं के लिए ईको टूरिज्म का विशेष प्लान भी बनाया गया है। 16 से 18 फरवरी तक अंतरराष्ट्रीय बर्ड फेस्टिवल भी होगा, जिसमें लगभग 200 प्रजातियों के पक्षियों का महाकुंभ भी होगा। इसमें लुप्तप्राय इंडियन स्कीमर, फ्लेमिंगो और साइबेरियन क्रेन आदि का दीदार कर सकेंगे। यहां साइबेरिया, मंगोलिया, अफगानिस्तान समेत लगभग एक दर्जन से अधिक देशों से साइबेरियन पक्षी का भी दीदार होगा। फेस्टिवल के दौरान फोटोग्राफी, पेंटिंग, नारा लेखन, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी समेत अनेक प्रतियोगिताएं होंगी, जिनके विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय बर्ड फेस्टिवल भारतीय संस्कृति, प्रकृति प्रेम व वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अनूठा मिश्रण होगा।

यूपी के पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन विभाग की तरफ से महाकुंभ में कुंभ की आस्था व जलवायु परिवर्तन पर जलवायु सम्मेलन भी होगा। इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटना और जलवायु सुधार को लेकर प्रेरित करना है। सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शिरकत करेंगे। साथ ही धर्मगुरु, पर्यावरणविद, अनेक सामाजिक संगठन, उद्योग व व्यापारिक जगत के साथ ही गणमान्य नागरिक भी हिस्सा लेंगे।

महाकुंभ में लगा फिल्मी सितारों का जमघट

फिल्म कलाकारों ने लगाई संगम में डुबकी

पुनीत इस्सर, विवेक ओबेरॉय, विक्की कौशल कई फिल्मी हस्तियां आईं

महाकुंभनगर, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

गंगा-यमुना-सरस्वती का पवित्र त्रिवेणी संगम महाकुंभ 2025 के दौरान न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए धरती के सबसे बड़े केंद्र के तौर पर उतरा है। चाहे राजनीति हो, चाहे उद्योग जगत हो या फिर फिल्म जगत, सभी कलाओं, सभी संस्कृतियों और विश्व के सभी क्षेत्रों के दिग्गजों का संगम स्थल महाकुंभ 2025 बनकर उभरा है। महाकुंभ 2025 में यूं तो हर दिन ही कोई न कोई प्रख्यात शख्सियत संगम पर डुबकी लगाकर खुद को धन्य मानती है और इस दिव्य-भव्य महाकुंभ के आयोजन के लिए योगी सरकार की प्रशंसा करती है मगर गुरुवार का दिन कई मायनों में विशिष्ट रहा। इस दिन फिल्म जगत के बड़े कलाकार विवेक ओबराय व विक्की कौशल ने संगम में डुबकी लगाई। वहीं, महाराष्ट्र की फायरब्रांड नेत्री और पूर्व एक्ट्रेस नवनीत राणा ने भी संगम में स्नान किया। इससे पूर्व, प्रसिद्ध ड्रमर शिवमणि, महाभारत में दुर्योधन का कैरेक्टर प्ले करने वाले पुनीत इस्सर व फेमस मेंटलिस्ट सुहानी शाह समेत कई कलाकार महाकुंभ के महाआयोजन का हिस्सा बनकर खुद को धन्य माना।

शुक्रवार को शिवाजी महाराज के पुत्र सम्भाजी महाराज की जीवनी पर आधारित फिल्म छावा की रिलीज के पहले गुरुवार को एक्टर विक्की कौशल ने तीर्थराज प्रयागराज पहुंचकर संगम में पवित्र डुबकी लगाई और फिल्म की सफलता की कामना की। विक्की कौशल गुरुवार को दोपहर अरैल घाट से क्रूज में सवार होकर संगम स्थल गए जहां उन्होंने पवित्र डुबकी लगाई। उन्होंने मीडिया को दिए संक्षिप्त इंटरव्यू में महाकुंभ का हिस्सा बनने के लिए खुद को सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि वह कई दिन से इस अवसर की प्रतीक्षा में थे और आज जाकर उनकी यह इच्छा पूरी हो सकी। उन्होंने सीएम योगी और स्थानीय प्रशासन द्वारा महाकुंभ के आयोजन और व्यवस्थाओं को लेकर भी हर्ष जताते हुए इसे असाधारण करार दिया।

गुरुवार को ही एक्टर विवेक ओबराय भी महाकुंभ मेला क्षेत में स्थापित परमार्थ निकेतन के शिविर में पहुंचे और सपरिवार उन्होंने संगम में डुबकी लगाते हुए इस पूरे अनुभव को अभूतपूर्व करार दिया। महाकुंभ को लेकर उन्होंने कहा कि पूरा वातावरण आध्यात्मिक उन्नति और शांति से ओतप्रोत है। महाकुंभ को सफल बनाने के लिए सीएम योगी की उन्होंने जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों के लिए प्रबंध करना और विषम परिस्थितियों के बावजूद लोगों को धैर्यपूर्वक संभालने के लिए पुलिस, मेला प्रशासन और इनकी अगुआई कर रहे सीएम योगी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने इस अवसर को अपने बच्चों के अंदर आध्यात्मिक गुणों को विकसित करने और अपने साथ ही परिवार की आध्यात्मिक शक्तियों को जागृत करने का भी माध्यम बताया।

इससे पूर्व, महाराष्ट्र की फायरब्रांड नेता नवनीत राणा ने भी पवित्र संगम में स्नान कर इस अवसर को सनातन के लिए सकारात्मक क्षण बताया। स्थानीय प्रशासन और योगी सरकार की तारीफ करने के साथ ही इस महाआयोजन को लेकर कहा कि सबसे ज्यादा महाकुंभ में युवा पीढ़ी स्नान करने आ रही है जो सनातन की गहरी जड़ों और उज्ज्वल भविष्य का द्योतक है। इसके साथ ही, परमार्थ निकेतन के ही महाकुंभ स्थित शिविर में फेमस ड्रमर शिवमणि ने भी मंत्रमुग्ध कर देने वाले संगीत की उपस्थिति देकर समां बांध दिया। उनसे पूर्व बीआर चोपड़ा कृत महाभारत में दुर्योधन के कैरेक्टर के लिए फेमस हुए एक्टर पुनीत इस्सर व फेमस मेंटलिस्ट सुहानी शाह भी आस्था के महाकुंभ का साक्षात्कार कर चुके हैं। पिछले दो दिनों में पंकज त्रिपाठी व सुनील शेट्टी जैसे दिग्गजों समेत कई कलाकार महाकुंभ में डुबकी लगाकर खुद को धन्य बता चुके हैं।

महाकुंभ 2025 : विदेशी सैलानियों को मिली भारतीय संस्कृति की नई ऊर्जा

महाकुंभ नगर, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 में इस बार विदेशी सैलानियों की रुचि में बड़ा बदलाव देखा गया है। पहले जहां विदेशी पर्यटक नागा साधुओं और उनके रहस्यमय जीवन को जानने के लिए आते थे, वहीं इस बार वे महाकुंभ की स्वच्छता, यातायात व्यवस्था और संपूर्ण आयोजन प्रबंधन का अध्ययन करने भी आ रहे हैं। इस बार मेले में पहले से कहीं ज्यादा विदेशी सैलानी पहुंचे और उन्होंने भारतीय संस्कृति को नजदीक से देखा और अनुभव किया।

अग्नि अखाड़े के सचिव महामंडलेश्वर संपूर्णानंद ने बताया कि इस बार कई देशों से विदेशी पर्यटक प्रयागराज आए हैं। उन्होंने यहां ब्रह्मचारी जीवन और गृहस्थ जीवन के अंतर को करीब से जाना और समझा।

उन्होंने कहा, अब विदेशी सैलानी सिर्फ नागा साधुओं के जीवन को देखने नहीं आ रहे, बल्कि वे महाकुंभ की व्यवस्थाओं और सनातन संस्कृति का गहराई से अध्ययन करने भी आ रहे हैं।

अफ्रीका के घाना देश से आए जितेंद्र सिंह नेगी (उच्चायोग अफेयर्स, घाना) ने बताया कि उनके पूर्वज भारत से घाना गए थे और पहली बार प्रयागराज आकर उन्हें सनातन धर्म की अद्भुत जानकारी मिली। उन्होंने कहा, हमने पहली बार गुरुजी (अग्नि अखाड़ा महामंडलेश्वर संपूर्णानंद) से मुलाकात की और सनातन धर्म के गूढ़ रहस्यों को समझा। हमारे साथ 16 अन्य प्रतिनिधि भी आए, जिन्होंने भारतीय संस्कृति को गहराई से जाना।

इसी क्रम में विदेशी सैलानी अंकिता उपाध्याय ने कहा, हमने महाकुंभ के बारे में जो सुना था, उससे कहीं अधिक यहां आकर देखा और महसूस किया। व्यवस्थाओं की सुगमता और संगम की आध्यात्मिक ऊर्जा ने हमें नई अनुभूति दी है। प्रशासन के अनुसार, महाकुंभ 2025 में अब तक 50 से अधिक देशों के सैलानी आ चुके हैं और आगे भी बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटकों के आने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल और सीएम ने कैबिनेट के साथ संगम में लगाई डुबकी

महाकुंभ नगर, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

देशभर से करोड़ों सनातनी प्रयागराज महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं। वहीं भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों का अपनी अपनी कैबिनेट के साथ त्रिवेणी संगम में स्नान करने का सिलसिला जारी है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान कैबिनेट के बाद अब छत्तीसगढ़ के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के नेतृत्व में 166 सदस्यीय दल त्रिवेणी संगम में स्नान करने पहुंचा।

इसमें विपक्षी दल के विधायक भी बड़ी संख्या में शामिल रहे। मुख्यमंत्री विष्णु देव ने महाकुंभ के दिव्य-भव्य आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। उन्होंने त्रिवेणी में डुबकी लगाने के साथ ही अपने प्रदेश की जनता के कल्याण और सुख-समृद्धि की कामना की। सीएम साय सेक्टर 7 स्थित छत्तीसगढ़ मंडप पहुंचकर अपने प्रदेश के श्रद्धालुओं का कुशलक्षेम जाना और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पत्नी कौशल्या साय के साथ छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, राज्यपाल रमेन डेका, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह, सांसद और विधायकगण महाकुंभ 2025 में पवित्र स्नान के लिए अरैल घाट पहुंचे। यहां सभी ने मिलकर पवित्र संगम स्नान किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आज पूरे राज्य का मंत्रिमंडल, विधायक, सांसद और राज्यपाल संगम में आस्था की डुबकी लगाने आया है। हम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने हमें आमंत्रित किया। उन्होंने स्नान के उपरांत अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा कि आज तीर्थराज प्रयाग के त्रिवेणी संगम में तीन करोड़ छत्तीसगढ़वासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए डुबकी लगाई एवं स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त किया। महाकुंभ सनातन धर्म की दिव्यता और आध्यात्मिक ऊर्जा का महापर्व है, यहां आस्था अमृत बनकर आत्मा को ब्रह्म से जोड़ती है।

छत्तीसगढ़ सीएम ने अपने अगले पोस्ट में लिखा कि कुंभ ऊर्जा का स्रोत है, कुंभ मानवता का प्रवाह है, कुंभ आध्यात्मिक चेतना है, कुंभ आत्मप्रकाश का मार्ग है, कुंभ जीवन की गतिशीलता है, कुंभ सृष्टि में सभी संस्कृतियों का संगम है, कुंभ प्रकृति एवं मानव जीवन का समन्वय है, कुंभ नदियों, वनों एवं ऋषि संस्कृति का प्रवाह है।

वहीं विष्णु देव साय की पत्नी कौशल्या साय ने कहा कि हमने मां गंगा का आशीर्वाद लिया। मैंने छत्तीसगढ़ राज्य की खुशहाली और समृद्धि के लिए गंगा, यमुना और सरस्वती मां से प्रार्थना की।

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ सौभाग्यशाली है कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में, राज्यपाल सहित हम सभी सत्तारूढ़ दल और विपक्ष के विधायक महाकुंभ में पवित्र स्नान के लिए आए हैं, ताकि छत्तीसगढ़ की खुशहाली, शांति और समृद्धि बनी रहे। उन्होंने कहा कि केवल सौभाग्यशाली लोग ही 144 वर्षों बाद महाकुंभ में पवित्र स्नान का अवसर प्राप्त करते हैं। महाकुंभ 2025 ने एक बार फिर दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में अपनी विशेष पहचान बनाई है। योगी सरकार ने इस विराट आयोजन के लिए विशेष तैयारियां की थीं, जिससे श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा और स्नान की सुविधा मिल सकी। सुरक्षा, स्वच्छता और प्रबंधन के शानदार प्रयासों ने महाकुंभ को ऐतिहासिक बना दिया है। न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के सनातन संस्कृति प्रेमियों को इस महाआयोजन ने एक सूत्र में बांधने का कार्य किया।

संगम में स्नान करना मोक्ष प्राप्ति जैसा अनुभव : ज्योतिरादित्य

देश की कई दिग्गज हस्तियों ने त्रिवेणी में किया पुण्य स्नान

महाकुंभ नगर, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रयागराज की पावन धरा स्थित त्रिवेणी संगम स्थली पर आयोजित हो रहे अबतक के सबसे बड़े धार्मिक-सांस्कृतिक समागम में 48 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। माघी पूर्णिमा के दूसरे दिन भी महाकुंभ में स्नान के लिए आने वाले आस्थावानों का अटूट रेला देखा गया।

इसके अलावा देश की दिग्गज हस्तियां भी मां गंगा, यमुना और पवित्र सरस्वती के संगम में स्नानकर पुण्य बटोर रही हैं। इसी क्रम में गुरुवार को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी संगम स्नान कर लोक कल्याण की कामना की। उन्होंने स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हुए कहा कि संगम में स्नान करना मोक्ष प्राप्ति जैसा अनुभव है। महाकुंभ में प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का कुंभ कलश भेंट कर स्वागत किया।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस दिव्य और भव्य आयोजन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि युगों से पीढ़ियों को ऐसे क्षण का इंतजार रहता है, जब पूरी दुनिया के लोग संगम में आस्था की डुबकी लगाने आते हैं। उन्होंने 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की भागीदारी को अलौकिक अनुभव बताया और महाकुंभ में की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। सिंधिया ने प्रयागराज से अपने पूर्वजों के ऐतिहासिक संबंध का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके पूर्वजों ने इस क्षेत्र को मुगल शासन से मुक्त कराकर आध्यात्मिक शक्तियों और मंदिरों के पुनर्निर्माण का कार्य किया था, जिससे यह स्थान उनके लिए भावनात्मक रूप से विशेष है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और राजस्थान के टोंक से कांग्रेस विधायक सचिन पायलट ने भी गुरुवार को संगम में पुण्य की डुबकी लगाई। स्नान के उपरांत उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर तस्वीरें शेयर करते हुए महाकुंभ को श्रद्धा और आस्था का प्रतीक बताया। उन्होंने देश-प्रदेश की प्रगति एवं खुशहाली की कामना की। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने गुरुवार को एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए प्रयागराज महाकुंभ में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं की जमकर सराहना की।

उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए लिखा कि महाकुंभ में आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला, जहां पूरी दुनिया ने बिना किसी शिकायत, भ्रम या मांग के ऐतिहासिक धार्मिक समागम देखा।

जावड़ेकर ने लिखा कि पिछले हफ्ते, हमारे परिवार ने महाकुंभ में पवित्र स्नान किया। प्रयागराज में एक मानव सागर उमड़ पड़ा। हर ओर केवल हर हर गंगे के जयघोष गूंज रहे थे। योगी सरकार द्वारा की गई अतुलनीय व्यवस्थाओं के कारण कोई भी प्यासा, भूखा या आश्रय के बिना नहीं रहा। यह सब प्रेम, देखभाल और भक्ति से भरा हुआ था।

गुजरात के गृह, उद्योग, परिवहन, युवा एवं खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हर्ष सांघवी भी गुरुवार को महाकुंभ के महासमागम का अंग बनने प्रयागराज पहुंचे। त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाने के साथ ही हर्ष सांघवी ने यहां बाकायदा विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। इस दौरान प्रसिद्ध एक्टर विक्की कौशल भी उनके साथ उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, हर्ष सांघवी ने सतुआ बाबा और जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरी से मुलाकात कर उनका सानिध्य व आशीर्वाद प्राप्त किया।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री ने परिवार सहित संगम में किया पवित्र स्नान

महाकुंभ नगर, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 के पावन अवसर पर त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने गुरुवार को अपने परिवार सहित संगम में पवित्र स्नान कर पुण्य अर्जित किया। मुख्यमंत्री ने मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

स्नान के बाद मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने कहा, आज महाकुंभ, प्रयागराज में स्नान करने का सौभाग्य मिला। पवित्र जल, दिव्य ऊर्जा और आध्यात्मिक माहौल ने इसे अविस्मरणीय अनुभव बना दिया। महाकुंभ की आध्यात्मिक ऊर्जा और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को करीब से अनुभव करना उनके लिए विशेष रहा। मुख्यमंत्री डॉ. साहा ने बताया कि उन्होंने माँ गंगा से त्रिपुरा राज्य की सुख-समृद्धि और शांति की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि संगम का पवित्र स्नान जीवन को शुद्ध करता है और आत्मिक शांति प्रदान करता है।

अनमोल वचन

स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेना सबसे श्रेष्ठ और महानतम विजय होती है

प्लेटो

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है

अमरीकी कहावत

सम्पादकीय

क्यों जरुरी हो गया है इनकम टैक्स कानूनों में बदलाव

नया इनकम टैक्स बिल 2025 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में पेश कर दिया है। इसी के साथ सदन की कार्यवाही को आगामी 10 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसके साथ ही केंद्र सरकार इनकम टैक्स से जुड़े मौजूदा क़ानून में नए स्तर पर बदलाव करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ गई। इनकम टैक्स बिल 2025 दरअसल इनकम टैक्स एक्ट-1961 में होने वाला एक बड़ा बदलाव है, जिस पर सभी की नजरें हैं। वैसे प्रतिवर्ष आम बजट के बाद इनकम टैक्स से जुड़े बदलावों को इनकम टैक्स एक्ट में शामिल कर दिया जाता है, परन्तु यह दशकों बाद हो रहा, जबकि इनकम टैक्स से जुड़े क़ानूनों में बदलाव की पहल सरकार द्वारा की गई है। नए इनकम टैक्स बिल की खासियत के बारे में बात करें तो कह सकते हैं कि इसके जरिये इनकम टैक्स से जुड़े प्रावधानों की व्याख्या को सरल बनाया गया है। इसका उद्देश्य भी यही बताया गया है कि प्रावधानों की व्याख्या के कारण उत्पन्न होने वाली जटिलताओं और क़ानूनी मामलों को कम करना है। इनकम टैक्स बिल-2025 में इनकम टैक्स एक्ट-1961 की 823 पेज में की गई व्याख्या को खासा कम करते हुए 622 पेज में समेटा गया है। इसमें दोराय नहीं कि वर्तमान इनकम टैक्स कानून में ऐसे अनेक जटिल प्रावधान मौजूद हैं, जिन्हें आम करदाता तो क्या कई दफा तो विषय विशेषज्ञ सीएम और वकील भी इसे समझ नहीं पाते थे और इस कारण प्रावधानों की कई व्याख्याएं सामने आ जाती थीं और कानूनी मामले पैदा हो जाते थे। इनकम टैक्स बिल 2025 के प्रावधानों में इनकम टैक्स से जुड़े क़ानूनों को सरल बनाने के प्रयास किए गए हैं, ताकि आमकर दाता भी इसे आसानी से समझ सके। केंद्र सरकार ने देश में पारदर्शी, दक्ष और बिजनेस-फ्रेंडली वातावरण तैयार करने के उद्देश्य को लेकर नए इनकम टैक्स बिल 2025 को लाने का फैसला लिया है। यह बिल संसद में पेश होने के साथ ही इस पर चर्चा और विचार-विमर्श और संसदीय प्रक्रिया से गुजरने के बाद पुराने इनकम टैक्स कानून, 1961 की जगह लेने की स्थिति में आ जाएगा। मौजूदा इनकम टैक्स कानून बार-बार संशोधनों के कारण काफी पेचीदा हो चुका है। इसे ध्यान में रखते हुए नए इनकम टैक्स बिल 2025 में सुधारों और कानून को सरल बनाने पर जोर दिया गया है। इसमें सेक्शन की संख्या 819 से घटाकर 536 कर दी गई है। साथ ही अनावश्यक छूटों को समाप्त करने और कुल शब्द संख्या को 5 लाख से घटाकर 2.5 लाख करने का प्रस्ताव रखा गया है। भारतीय टैक्स नीति में एक बड़ा बदलाव 2017-18 में शुरू हुआ था, जब कई कटौतियों को समाप्त करते हुए कॉर्पोरेट टैक्स दरों को कम कर दिया गया। इस कदम ने प्रणाली को निष्पक्ष बना दिया, जिससे छोटे व्यवसायों को लाभ हुआ जो पहले जटिल टैक्स संरचनाओं से जूझ रहे थे। अनावश्यक टैक्स इंसेंटिव को समाप्त करके और एक सरल टैक्स स्ट्रक्चर की ओर बढ़ते हुए, सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी करदाता लूपहोल का उपयोग किए बिना अपना योगदान दे सकें। इससे भारत का टैक्स बेस जहां मजबूत होगा वहीं लंबे समय में आय स्थिरता में सुधार भी होगा। यह कानून भारत के टैक्स सिस्टम को वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के करीब भी लाता है। नए इनकम टैक्स बिल 2025 की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें टेक्नोलॉजी से संचालित असेसमेंट पर ध्यान केंद्रित किया गया है। जैसे-जैसे डिजिटल उपकरण अधिक उन्नत होते जा रहे हैं, टैक्स जांच और फाइलिंग स्वचालन और एआई-संचालित आकलन की ओर बढ़ा जा रहा है, जिससे टैक्स प्रशासन को अधिक कुशल बनाया जा सके और टैक्स चोरी को कम किया जा सके। अधिक स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए नए इनकम टैक्स बिल में व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए टैक्स प्रावधानों को समझाने के लिए तालिकाएं, उदाहरण और सूत्र भी शामिल किए गए हैं। टैक्स कानूनों को सरल बनाकर सरकार की कोशिश है कि बिजनेस अपना ध्यान वृद्धि पर लगाए, न कि टैक्स प्लानिंग पर। इससे उम्मीद जागी है कि देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह बिल करदाताओं को एक पारदर्शी और आधुनिक टैक्स प्रणाली प्रदान करेगा, जिससे वे बिना किसी जटिलता के अपने टैक्स का भुगतान कर सकें। यह कदम भारत को एक निवेशक-अनुकूल देश बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। अंतत: सकारात्मक सोच और बेहतर उम्मीद रखते हुए कहा जा सकता है कि सरकार का यह प्रयास न केवल करदाताओं की सहूलियत बढ़ाएगा बल्कि आर्थिक सुधारों को भी गति प्रदान करेगा।

चिंतन-मनन

भगवान की नज़र में हर इनसान बराबर है

इतिहास के पन्नों को उलट करके देखेंगे तो पाएंगे कि आज जितना ऊंच-नीच एवं अमीर-गरीब का भेद-भाव है वह वैदिक काल के आरंभ में नहीं था। उस समय सामाजिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए कर्म के अनुसार वर्ग विभेद किया गया। लेकिन बाद में व्यवस्थाओं में जटिलता आती गयी और भेद-भाव बढ़ता गया। लेकिन यह भेद-भाव ऊपरी स्तर पर है। मूल में कहीं भेद-भाव नहीं है। मूल ईश्वर है और ऊपरी दुनिया वह है जहां हम मनुष्य और जीव-जन्तु विचरण करते हैं। भगवान की नज़र में सभी एक समान हैं। ईश्वर की दृष्टि में न तो जात-पात है और न लिंग भेद। श्री रामानंदाचार्य ने कहा है जात-पात पूछे न कोई। हरि को भजे सो हरि का होई।। भगवान कभी किसी के साथ किसी आधार पर भेद-भाव नहीं करते हैं। केवट ने भगवान से प्रेम किया तो भगवान बिना किसी भेद-भाव के केवट की नैया में बैठे और केवट की जीवन नैया को पार लगा दिया। श्री राम के चरण रज को पीकर केवट परम पद पाने में सफल हुआ। भगवान की दृष्टि में सभी बराबर हैं इसका उदाहरण भक्त सबरी के जीवन की एक घटना है। सबरी भील जाति की एक महिला थी। राम की भक्ति इनके मन में ऐसी बसी की राम में ही खुद को अर्पित कर दिया। एक बार सबरी मार्ग में झाड़ू लगा रही थी उस समय साधुओं का एक समूह मार्ग से गुजरा। अनजाने में सबरी का स्पर्श साधुओं से हो गया। साधु इससे नाराज हुए कि एक भीलनी उससे स्पर्श कर गयी। भगवान को यह बात अच्छी नहीं लगी। साधुओं को जात-पात के भेद-भाव की नासमझी को दूर करने के लिए भगवान ने एक लीला की। साधुगण जिस सरोवर में स्नान करते थे। उस सरोवर में जैसे ही साधुओं ने प्रवेश किया सरोवर का जल दूषित हो गया। सरोवर के जल से बदबू आने लगी। साधुओं ने सरोवर के जल को शुद्ध करने के लिए कई हवन और यज्ञ किया लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। एक दिन सीता की खोज करते हुए भगवान राम जब सबरी की कुटिया में पधारे तब साधुओं को अपने ऊपर काफी ग्लानि हुई। उन्हें समझ में आ गया कि सबरी की भक्ति उनकी भक्ति भावना से बढ़कर है। सभी साधु सबरी की कुटिया में पधारे। भगवान राम के दर्शनों के पश्चात साधुओं ने राम से प्रार्थना की, कि सरोबर के जल को निर्मल करने का उपाय बताएं। भगवान राम ने साधुओं से कहा कि आप सबरी के पैरों को धोएं और उस जल को ले जाकर सरोबर में मिलाएं। इस उपाय को करने से सरोबर का जल निर्मल हो जाएगा। साधुओं ने ऐसा ही किया और सरोवर का जल सुगंधित और स्वच्छ हो गया।

दिल्ली में आपदा की विदाई और भाजपा आई

दिल्ली में जब चुनावी डुगडुगी बजी तो भाजपा और आप दोनों ही दलों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। पहले केजरीवाल दिल्ली के चुनावों में हमेशा नरेटिव बनाया करते थे और विपक्ष उसकी काट नहीं ढूंढ पाता था लेकिन इस बार भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी जीत के लिए एक सशक्त प्रचार रणनीति अपनाई।

हर्षवर्धन पाण्डे

दिल्ली की राजनीति में भाजपा की हालिया जीत और आम आदमी पार्टी की हार ने मौजूदा दौर में कई सवाल खड़े किए हैं। दिल्ली में जब चुनावी डुगडुगी बजी तो भाजपा और आप दोनों ही दलों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। पहले केजरीवाल दिल्ली के चुनावों में हमेशा नरेटिव बनाया करते थे और विपक्ष उसकी काट नहीं ढूंढ पाता था लेकिन इस बार भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी जीत के लिए एक सशक्त प्रचार रणनीति अपनाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी रैलियों में आप-दा ने दिल्ली का पैसा लूट लिया का बेहतर नरेटिव बनाकर भाजपा को प्रचार में आगे किया और केजरीवाल की रेवडी के नहले पर बड़ी रेवड़ी का दहला मारकर आप-दा पार्टी के कामकाज पर सवाल उठाए और दिल्ली की जनता से यह वादा किया कि भाजपा सरकार बनने पर विकास के नए आयाम स्थापित किए जाएंगे। मोदी और अमित शाह का प्रचार अभियान बड़े पैमाने पर था, जो स्थानीय मुद्दों को लेकर जनता से जुड़ा हुआ था।

आप पार्टी के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि उसने पिछले कुछ वर्षों में जिन विकास कार्यों को सबसे बड़ी सफलता के रूप में प्रस्तुत किया था, वे अब जनता के लिए उतने प्रभावी नहीं रहे। शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली-पानी के मुद्दों पर भले ही आप ने दिल्ली के लोगों को आकर्षित किया हो लेकिन यह महसूस किया गया कि अब कुछ नया नहीं है। लोगों ने यह देखा कि आप की सरकार दिल्ली में कुछ बड़े मुद्दों को सुलझाने में विफल रही जैसे रोजगार, महिला सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण। इसके साथ ही यमुना की साफ़ सफाई नहीं हो सकी। आप पार्टी में आंतरिक कलह और नेतृत्व की कमी भी हार का एक बड़ा कारण बनकर सामने आई। पार्टी के भीतर लगातार आपसी विवाद और संगठन के भीतर असंतोष ने आम आदमी पार्टी की छवि को प्रभावित किया। रही सही कसर शराब घोटाले और उसकी टॉप लीडरशिप के जेल जाने ने पूरी कर दी।

अरविंद केजरीवाल का नेतृत्व इस बार उतना प्रभावी नहीं था, जितना पहले था।दिल्ली में भाजपा ने एक बड़ी रणनीति के तहत पूर्वांचल समुदाय के लोगों के वोट बैंक के साथ महिला वोट बैंक और कुछ झुग्गियों के वोट बैंक को अपने पाले में खींचने में सफलता हासिल की।

भाजपा ने अपनी रैलियों में स्थानीय मुद्दों को बेहतर तरीके से उठाया और यह संदेश देने की कोशिश की कि केवल वे ही दिल्ली के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली के कुछ क्षेत्रों में यह रणनीति काम आई, क्योंकि भाजपा ने हर वर्ग को आकर्षित करने के लिए अपनी विचारधारा को मजबूती से प्रस्तुत किया इसमें कोई संदेह नहीं है कि केजरीवाल को मात देने हेतु भारतीय जनता पार्टी और संघ ने पूरा दम लगाया। उसने धारणा के स्तर पर केजरीवाल की कट्टर ईमानदार की छवि भंग कर दी थी और माइक्रो मैनेजमेंट किया।

अरविंद केजरीवाल अन्ना की टोपी पहनकर ईमानदारी की राजनीति करके सत्ता में आए थे। दिल्ली की जनता उनसे संपूर्ण ईमानदारी की उम्मीद कर रहा था। तभी शराब नीति से जुड़े घोटाले में नाम आने और जांच शुरू होने के साथ ही अगर वे इस्तीफा देते तो यह उनका बड़ा मास्टर स्ट्रोक साबित हो सकता था लेकिन कुर्सी से चिपके रहना उन्होनें पसंद किया। वह जेल में रहकर दिल्ली की सत्ता में बने रहना चाहते थे जिसने लोगों के मन में उनके प्रति धारणा बदली। जेल से छूट गए तो खुद को सीएम के रूप में मतदाताओं के बीच प्रोजेक्ट करने लगे इससे सीएम की बनने की उनकी महत्वाकांक्षाएं फिर से जगी। जेल जाकर सीएम बने रहना उनको भारी पड़ गया और शराब घोटाले में उन पर गंभीर आरोप लगे जो प्रकरण अभी भी न्यायालय में विचाराधीन है और वह बेल पर हैं। केजरीवाल के जेल जाने से दिल्ली पूरी तरह से ठहर सी गई। अरविन्द ने पिछले वर्ष के बजट में महिलाओं को नकद पैसे देने की घोषणा की थी लेकिन इस साल फरवरी के चुनाव तक महिलाओं को कोई पैसा नहीं मिला। उल्टा ये देखा गया महिलाओं से जो फार्म भरवाए गए वो कूड़े के ढेर में पाए जाने के वीडियो खूब वायरल हो गए। मैंने दिल्ली के रामलीला मैदान में अन्ना आंदोलन के दौर को करीब से देखा था। तब समाज के हर तबके ने अन्ना के आंदोलन में प्रतिभाग किया था और अरविन्द की पार्टी आप ने भी समाज के हर तबके को अपनी फ्री की रेवड़ियों के द्वारा आकर्षित किया था लेकिन शराब घोटाले के बाद दिल्ली में हर वर्ग में उनको लेकरअसंतोष बढ़ने लगहै। खासकर उन लोगों को निराशा हुई जो केजरीवाल एक माध्यम से व्यवस्था परिवर्तन की बड़ी उम्मीदें लगाए बैठे थे। दो साल पहले एमसीडी में बहुमत के बाद भी दिल्ली की बिजली , पानी, सड़क जैसी बुनियादी समस्याएं दुरुस्त नहीं हो पाई। जगह- जग कूड़े के ढेर, सीवर की समस्याओं और बढ़ते प्रदूषण से लोग त्रस्त हो गए। उनके जेल में होने से पांच महीने तक सारे कामकाज ठप्प रहे। पार्टी ने जिस तरह से लोगों की बुनियादी को नजरअंदाज किया, उससे जनता में आप के खिलाफ बड़ी निराशा फैली।आम आदमी पार्टी की दिल्ली में हार, एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम के रूप में उभरी है, जिसने न केवल दिल्ली की राजनीति को प्रभावित किया है बल्कि देशभर में इसके असर को महसूस किया जा रहा है। यह हार उस समय हुई जब पार्टी की उम्मीदें और राजनीतिक ताकत अपने उच्चतम बिंदु पर थी और एक मजबूत चुनावी आधार पर खड़ी थी। दिल्ली में आप और कांग्रेस का गठबंधन नहीं होने से उनका कुछ वोट कांग्रेस के पास चला गया जिससे आप को बड़ा नुकसान झेलना पड़ा। केजरीवाल ने अपने पुराने कई साथियों की टिकट काट दी और दूसरे दलों से आये उम्मीदवारों को पैसा लेकर जमकर टिकट बांटी जिसका उनको बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। जिन 27 नए लोगों को टिकट दी थी उनमें से 20 लोग चुनाव हार गए। केजरीवाल ने अपने 10 साल की सफलता का पैमाना मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, महिलाओं को मुफ्त बस मान लिया। उन्होंने दिल्ली के विकास से कोई सरोकार नहीं रखा और आये दिन केंद्र और उप राज्यपाल को निशाने पर लेते रहे जिसकी कीमत उन्हें चुकानी पड़ी। अरविंद केजरीवाल ने आज से ठीक 5 साल पहले एक जनसभा में कहा था मुझे 5 साल का समय दे दो। अगर 2025 में मैं यमुना साफ न कर पाऊं तो मुझे वोट मत देना। असल में यही दावा केजरीवाल पर भारी पड़ गया। रही सही कसर केजरीवाल के यमुना में जहर को लेकर केजरीवाल के बयान ने पूरी कर दी जब चुनावों से पहले उन्होंने कह डाला हरियाणा से यमुना नदी में जहर मिलाया जा सकता है।

वैलेंटाइन डे प्यार के उत्सव का नया बाजार

वैलेंटाइन के चकाचौंध पर अगर दृष्टि डालें तो इस सम्बन्ध में कई किस्से प्रचलित हैं। रोमन कैथोलिक चर्च की मानें तो यह वैलेंटाइन अथवा वलेंतिनस नाम के तीन लोगों को मान्यता देता है जिसमें से दो के सम्बन्ध वैलेंटाइन डे से जोड़े जाते है लेकिन बताया जाता है इन दो में से भी संत वैलेंटाइन खास चर्चा में रहे। कहा जाता है संत वैलेंटाइन प्राचीन रोम में एक धर्म गुरु थे। उन दिनों वहाँ पर क्लाउडियस दो का शासन था। उसका मानना था अविवाहित युवक बेहतर सैनिक हो सकते हैं क्योंकि युद्ध के मैदान में उन्हें अपनी पत्नी या बच्चों की चिंता नहीं सताती।

हर्षवर्धन पाण्डे

पिछले कुछ समय से ग्लोबलाइज्ड समाज में प्यार भी ग्लोबल ट्रेंड का हो गया है। आज जहाँ इजहार और इकरार करने के तौर तरीके बदल गए हैं वहीं इंटरनेट के मौजूदा दौर में प्यार भी बाजारू हो चला है। पहली बार शहरी चकाचौंध से इतर प्यार का यह उत्सव एक बड़ा बाजार को अपनी गिरफ्त में ले चुका है। हर जगह वैलेंटाइन की संस्कृति पसरती जा रही है। आज युवा भी इसकी गिरफ्त में पूरी तरह से नजर आते है तभी तो शहरों से लेकर कस्बों तक वैलेंटाइन का जलवा देखते ही बनता है। आलम यह है ये बड़ा उत्सव बन चुका है जो भारतीयों में तेजी से अपनी पकड़ बना रहा है। वैलेंटाइन के चकाचौंध पर अगर दृष्टि डालें तो इस सम्बन्ध में कई किस्से प्रचलित हैं। रोमन कैथोलिक चर्च की माने तो यह वैलेंटाइन अथवा वलेंतिनस नाम के तीन लोगों को मान्यता देता है जिसमें से दो के सम्बन्ध वैलेंटाइन डे से जोड़े जाते है लेकिन बताया जाता है इन दो में से भी संत वैलेंटाइन खास चर्चा में रहे। कहा जाता है संत वैलेंटाइन प्राचीन रोम में एक धर्म गुरू थे। उन दिनों वहाँ पर क्लाउडियस दो का शासन था। उसका मानना था अविवाहित युवक बेहतर सैनिक हो सकते हैं क्योंकि युद्ध के मैदान में उन्हें अपनी पत्नी या बच्चों की चिंता नहीं सताती। अपनी इस मान्यता के कारण उसने तत्कालीन रोम में युवकों के विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया।

किन्दवंतियो की मानें तो संत वैलेंटाइन के क्लाउडियस के इस फेसले का विरोध करने का फैसला किया। बताया जाता है कि वैलेंटाइन ने इस दौरान कई युवक युवतियों का प्रेम विवाह करा दिया। यह बात जब राजा को पता चली तो उसने संत वैलेंटाइन को 14 फरवरी को फाँसी की सजा दे दी। कहा जाता है संत के इस त्याग के कारण हर साल 14 फरवरी को उनकी याद में युवा वैलेंटाइन डे मनाते हैं। 1260 में संकलित की गई ऑरिया ऑफ जैकोबस डी वॉराजिन नामक पुस्तक में भी सेंट वेलेंटाइन का वर्णन मिलता है। इसके अनुसार रोम में तीसरी शताब्दी में सम्राट क्लॉडियस के अनुसार विवाह करने से पुरुषों की शक्ति और बुद्धि कम होती है। उसने फरमान जारी किया कि उसका कोई सैनिक या अधिकारी विवाह नहीं करेगा। संत वेलेंटाइन ने इस क्रूर आदेश का विरोध किया। उन्हीं के आह्वान पर अनेक सैनिकों और अधिकारियों ने विवाह किए। कैथोलिक चर्च की एक अन्य मान्यता के अनुसार एक दूसरे संत वैलेंटाइन की मौत प्राचीन रोम में ईसाईयों पर हो रहे अत्याचारों से उन्हें बचाने के दरमियान हो गई। यहाँ इस पर नई मान्यता यह है कि ईसाईयों के प्रेम का प्रतीक माने जाने वाले इस संत की याद में ही वैलेंटाइन डे मनाया जाता है। एक अन्य किंदवंती के अनुसार वैलेंटाइन नाम के एक शख्स ने अपनी मौत से पहले अपनी प्रेमिका को पहला वैलेंटाइन संदेश भेजा जो एक प्रेम पत्र था। उसकी प्रेमिका उसी जेल के जेलर की पुत्री थी जहाँ उसको बंद किया गया था। उस वेलेंनटाइन नाम के शख्स ने प्रेम पत्र लिखा फ्रॉम यूअर वेलेंनटाइन । आज भी यह वैलेंटाइन पर लिखे जाने वाले हर पत्र के नीचे लिखा रहता है। क्लॉडियस ने 14 फरवरी को संत वेलेंटाइन को फांसी पर चढ़वा दिया। तब से उनकी स्मृति में प्रेम दिवस मनाया जाता है। कहा जाता है कि सेंट वेलेंटाइन ने अपनी मृत्यु के समय जेलर की नेत्रहीन बेटी जैकोबस को नेत्रदान किया व जेकोबस को एक पत्र लिखा, जिसमें अंत में उन्होंने लिखा था तुम्हारा वेलेंटाइन। 14 फरवरी के बहाने जिसे बाद में इस संत के नाम पूरे विश्व में नि:स्वार्थ प्रेम से मनाया जाने लगा। यही नहीं वैलेंटाइन के बारे में कुछ अन्य बातें भी है। इसके अनुसार तर्क यह दिए जाते हैं कि प्राचीन रोम के प्रसिद्ध पर्व ल्युपरकेलिया के ईसाईकरण की याद में मनाया जाता है। यह पर्व रोमन साम्राज्य के संस्थापक रोम्योलुयास और रीमस की याद में मनाया जाता है। इस आयोजन पर रोमन धर्मगुरु उस गुफा में एकत्रित होते थे जहाँ एक मादा भेड़ियों ने रोम्योलुयास और रीमस को पाला था इस भेड़िये को ल्युपा कहते थे और इसी के नाम पर उस त्यौहार का नाम ल्युपर केलिया पड़ गया। इस अवसर पर वहां बड़ा आयोजन होता था। लोग अपने घरो की सफाई करते थे, साथ ही अच्छी फसल की कामना के लिए बकरी की बलि देते थे। कहा जाता है प्राचीन समय में यह परम्परा खासी लोकप्रिय हो गई। एक अन्य किंदवंती यह कहती है 14 फरवरी को फ्रांस में चिडियों के प्रजनन की शुरुआत मानी जाती थी जिस कारण खुशी में यह त्यौहार वहा प्रेम पर्व के रूप में मनाया जाने लगा। प्रेम के तार रोम से भी सीधे जुड़े नजर आते हैं। वहाँ पर क्यूपिड को प्रेम की देवी के रूप में पूजा जाने लगा जबकि यूनान में इसको इरोश के नाम से जाना जाता था। प्राचीन वैलेंटाइन संदेश के बारे में भी लोगो में एकरूपता नजर नही आती। कुछ ने माना है कि यह इंग्लैंड के राजा ड्यूक ने लिखा जो आज भी वहां के म्यूजियम में रखा हुआ है। आज युवाओं में वैलेंटाइन की खुमारी सर चढ़कर बोल रही है। इस दिन के लिए सभी पलके बिछाये बैठे रहते हैं। भईया प्रेम का इजहार जो करना है ? वैलेन्टाइन प्रेमी इसको प्यार का इजहार करने का दिन बताते है। यूँ तो प्यार करना कोई गुनाह नहीं है लेकिन जब प्यार किया ही है तो इजहार करने मे देर नही होनी चाहिए लेकिन अभी का समय ऐसा है।

भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त की हैं असाधारण उपलब्धियां

प्रहलाद सबनानी

दिनांक 31 जनवरी 2025 को देश की राष्टपति आदरणीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने लोक सभा एवं राज्य सभा के संयुक्त अधिवेशन को अपने सम्बोधन में, हाल ही के समय में, भारत में विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त की गई उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा है कि भारत की विकास यात्रा के इस अमृतकाल को आज मेरी (केंद्र) सरकार अभूतपूर्व उपलब्धियों के माध्यम से नई ऊर्जा दे रही है। तीसरे कार्यकाल में तीन गुना तेज गति से काम हो रहा है। आज देश बड़े निर्णयों और नीतियों को असाधारण गति से लागू होते देख रहा है। और, इन निर्णयों में देश के गरीब, मध्यम वर्ग, युवा, महिलाओं, किसानों को सर्वोच्च प्राथमिकता मिली है। आदरणीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिए गए उक्त भाषण में अंशों को जोड़कर इस लेख में यह बताने का प्रयास किया गया है कि किस प्रकार भारत में गरीब वर्ग, युवाओं, मातृशक्ति, किसानों, आदि के लिए विभिन्न योजनाएं सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं। आज आम नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं रोटी, कपड़ा और मकान के साथ साथ स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समस्त परिवारों को आवास सुविधा उपलब्ध कराने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का विस्तार करते हुए तीन करोड़ अतिरिक्त परिवारों को नए घर देने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए 5 लाख 36 हजार करोड़ रुपए की राशि का खर्च किए जाने की योजना है। इसी प्रकार, गांव में गरीबों को उनकी आवासीय भूमि का हक देने के उद्देश्य से स्वामित्व योजना के अंतर्गत अभी तक 2 करोड़ 25 लाख सम्पत्ति कार्ड जारी किए जा चुके हैं। साथ ही, पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत लगभग 11 करोड़ किसानों को पिछले कुछ महीनों में 41,000 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया गया है। जनजातीय समाज के पांच करोड़ नागरिकों के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान प्रारंभ हुआ है। इसके लिए अस्सी हजार करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। आज मध्यम वर्ग को मकान/फ्लैट खरीदने के लिए लोन पर सब्सिडी भी दी जा रही है एवं रेरा जैसा कानून बनाकर मध्यम वर्ग के स्वयं के मकान सम्बंधी सपने को सुरक्षा दी गई है। देश के नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से आयुषमान भारत योजना चलाई जा रही है। अब इस योजना के अंतर्गत 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा देने का निर्णय लिया गया है। इन वरिष्ठ नागरिकों को प्रत्येक वर्ष में पांच लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा आज युवाओं की शिक्षा और उनके लिए रोजगार के नए अवसर तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा में वित्तीय सहायता देने के लिए पीएम विद्यालक्ष्मी योजना शुरू की गई है। एक करोड़ युवाओं को शीर्ष पांच सौ कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर भी दिये जाएंगे। पेपर लीक की घटनाओं को रोकने और भर्ती में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए नया कानून लागू किया गया है।सहकार से समृद्धि की भावना पर चलते हुए सरकार ने 'त्रिभुवन' सहकारी यूनिवर्सिटी की स्थापना का प्रस्ताव स्वीकृत किया है। जब देश के विकास का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी मिलने लगता है तभी विकास सार्थक होता है। गरीब को गरिमापूर्ण जीवन मिलने से उसमें जो सशक्तिकरण का भाव पैदा होता है, वो गरीबी से लड़ने में उसकी मदद करता है। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत बने 12 करोड़ शौचालय, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत निशुल्क दिए गए 10 करोड़ गैस कनेक्शन, 80 करोड़ जरूरतमंदों को राशन, सौभाग्य योजना, जल जीवन मिशन जैसी अनेक योजनाओं ने गरीब को ये भरोसा दिया है कि वो सम्मान के साथ जी सकते हैं।

बच्चों को कैसी विरासत सौंप रहे, आप देखिए

संपन्न परिवारों में पले-बढे.किशोरों-नौजवानों के बारे में हम अक्सर यही पढ़ते-सुनते हैं कि किसी ने मदहोशी के आलम में फुटपाथ पर सोए गरीबों के ऊपर अपनी गाड़ी दौड़ा डाली, तो दौलत के मद में डूबे किसी युवा के हाथ सरकारी मुलाजिम के गिरेबान तक पहुंच गए। इस तरह की खबरों ने धनाढ्य युवाओं की एक ऐसी छवि बना दी है, मानो वे सभी निर्मम, दुगुर्णों की खान हैं। समाज और मीडिया ने इनके लिए 'बिगड़े रईसजादे' या 'बिगडैल अमीरजादे' जैसे जुमले गढ़ लिए हैं। मगर नहीं! यह सच नहीं है। जस कालरा जैसे नौजवान इसके बड़े प्रमाण हैं। अमीर घरों के युवा भी करुण, सेवाभावी होते हैं, बल्कि पूरी मानवता के प्रेरणा-पुंज बन सकते हैं।जस के पिता रवि कालरा तो इतने साधारण परिवार में पैदा हुए थे कि कभी-कभी उनके पास बस भाड़ा देने तक के पैसे नहीं होते थे। दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक रवि शिक्षा के जरिये जब खुद को साबित नहीं कर पाए, तो उन्होंने ताइक्वांडो का प्रशिक्षण प्राप्त किया और उसकी ट्रेनिंग देने को अपना करियर बना लिया। वह पुलिस बटालियन और सैन्य बलों को मार्शल आर्ट सिखाया करते थे। फिर ऐसा संयोग बना कि बतौर गुप्तचर उन्हें दुनिया के विभिन्न देशों में काम करने का मौका मिला और एक दिन अमेरिकी फौज ने उनके साथ एक ऐसा अनुबंध किया, जिसके तहत उन्हें युद्धग्रस्त देशों में अमेरिकी फौज के साथ काम करने के लिए लोगों की भर्तियां करनी थीं। रवि ज्यादातर नेपाल की रॉयल आर्मी से स्वैच्छिक तौर पर सेवानिवृत्त होने वाले फौजियों की इसमें भर्तियां करने लगे। इस काम से उन्होंने काफी पैसे कमाए। दौलत इतनी बरसी कि वह जूते खरीदने मिलान (इटली), सिंगापुर, हांगकांग तक चले जाते थे।दिसंबर 2007 में रवि कालरा किसी काम से दिल्ली में कहीं जा रहे थे। उनकी महंगी कार एक लाल बत्ती पर रुकी। अचानक उनकी नजर एक दृश्य पर अटक गई। उस दृश्य में उन्होंने कचरे के ढेर से एक छोटे बच्चे और कुत्ते को साथ-साथ कुछ उठाकर खाते देखा। गरीबी और अमीरी के दो ध्रुवों को जी चुके रवि को झटका लगा- मेरी हैसियत क्या है? ऊपर जब जाऊंगा, तो क्या जवाब होगा मेरे पास? ड्राइवर को गाड़ी किनारे लगाने को बोल वह उस यतीम बच्चे के पास पहुंचे, उसकी फौरी मदद की और वहां से वह सीधे श्मशान घाट चले गए, चिता भस्म का तिलक लगाया और उसी दिन से अपने लिए जीना छोड़ दिया। चंद महीनों में ही 'द अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन' वजूद में आ गया था।इतने संपन्न परिवार की स्नेहिल छांव में पले-बढे. जस कालरा की जिंदगी में पिता रवि कालरा का वह कायांतरण बहुत सुखद मोड़ लेकर नहीं आया, क्योंकि मां को यह बदलाव मंजूर न था। वह जस और उनकी बहन जिया को लेकर घर से निकल गई थीं। जस का ननिहाल पक्ष भी समृद्ध कारोबारी घराना है। जाहिर है, बिछोह के उन दिनों में भी जस और उनकी बहन की अच्छी तालीम जारी रही। अच्छी बात यह भी हुई कि जस और जिया जब बडे.हुए, तो पिता से मिलने आने लगे, बल्कि उनके सेवा कार्यों में भी उनकी दिलचस्पी बढ़ती गई। जस जब भी पिता के साथ आश्रम जाते, तो वहां रह रहे सैकड़ों बीमार, बेसहारा बुजुर्गों-महिलाओं-बच्चों की आंखों में उनके लिए प्रेम व कृतज्ञता देखकर अभिभूत हो उठते। उनके मन में उन्हीं दिनों यह बात कहीं गहरे पैठ गई कि आगे चलकर वह भी पिता के सेवा मार्ग को अपनाएंगे। मेलबर्न यूनिवर्सिटी से 'क्रिमिनोलॉजी ऐंड साइकोलॉजी' में स्नातक करने के बाद जब जस गुड़गांव लौटे, तो पिता ने एक दिन उनका मन टटोला। जस ने तत्काल आश्रम-सेवा से जुड़ने के बारे में सोचा नहीं था। 21 साल के युवा के आगे सारा संसार खुला होता है। फिर जस तो मेलबर्न में एक अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल लीग के सेंटर प्लेयर रह चुके थे। उन्होंने पिता से कहा, 'पापा, मेरी इतनी एजुकेशन हो चुकी है, मेरा बिजनेस एक्सपोजर भी इतना हो चुका है कि मैं सालाना 70-80 लाख कमा लूंगा। आप मुझसे शर्त लगा लो।' पिता खुश हुए और बोले, 'बेटे, यह तो बहुत अच्छी बात है, पर एक बात बताओ, ऊपर तो एक दिन सबको जाना है। जब आप जाओगे, तब भगवान जी को अपना बैंक स्टेटमेंट दिखाओगे या अपने कर्मों का हिसाब दोगे?' पिता की वह बात बेटे के भीतर उतर गई और अगस्त 2021 में नौजवान जस जिंदगी की सारी रंगीनियों का न्योता ठुकरा सेवा की दुनिया में उतर गए।अपने अंतरराष्ट्रीय पेशेवर उद्यम को संभालने के साथ-साथ जस ने 'द अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन' के उपाध्यक्ष की हैसियत से गुड़गांव के बंधवाड़ी व मंडावर गांव स्थित आश्रमों में सेवा का काम शुरू कर दिया। पिता के साथ दीन-दुखियों की तिमारदारी करके उन्हें काफी सुकून मिलता। मगर अंदाजा न था कि पिता इतनी जल्दी अपनी सारी जिम्मेदारी उन्हें सौंप देंगे। दिसंबर 2021 की एक सुबह महज 53 साल की उम्र में वह इस दुनिया को अलविदा कह गए। जस के पास शोक मनाने का भी अवकाश न था, क्योंकि अगले दिन से ही संस्था के प्रेसिडेंट की हैसियत से सैकड़ों लोगों की सारी जिम्मेदारी उनकी थी। जस ने पिता की अपेक्षाओं को कभी मायूस नहीं किया। उन्हें निराश्रितों के घाव साफ करने या लावारिश लाशों की अंतिम क्रिया करने में कभी कोई हिचक नहीं हुई।पिछले ही महीने उम्र के 25वें साल में कदम रखने वाले जस कालरा ने अब तक करीब 3,000 शवों को सद्गति दी है, 1,500 परित्यक्त बुजुर्गों का उद्धार किया है। इनमें से कई को उनके परिवार ने दोबारा अपना लिया। जस के आश्रमों में लगभग 1,200 लावारिस बच्चे, परित्यक्त बुजुर्ग व मानसिक रूप से अक्षम लोग रह रहे हैं, जिनके हर सुख-दुख का वह ख्याल रखते हैं। ऐसे सहृदय, सेवाभावी नौजवान के लिए भला कौन दुआ नहीं करेगा?

खास बात

रोहिंग्याई बच्चों की शिक्षा की चिंता

इंसान को इंसान समझने और मानवता का पाठ पढ़ाने में भारत का दुनिया के अन्य देशों में कोई मुकाबला नहीं। भारत ही है जहां के कारागार भी सुधारगृह होते हैं, जो अपराध से तो घृणा करना सिखाते हैं, लेकिन अपराधी को सद्कर्मी बनाने पर भरोसा करते हैं। ऐसा ही सुप्रीम कोर्ट भी करने को कहता है। दरअसल राहिंग्याओं के बच्चों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, कि रोहिंग्या शरणार्थी बच्चों के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भेदभाव नहीं होना चाहिए। एक एनजीओ की याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि बिना आधार कार्ड या नागरिकता के भी इन बच्चों को स्कूलों में दाखिला मिलना चाहिए। हालांकि, कोर्ट ने राहत देने से पहले उनके निवास स्थान का प्रमाण मांगा है। इस प्रकार अदालत ने शिक्षा के अधिकार को भी प्रतिपादित कर दिया है, जिसे बिना भेद-भाव के सभी को समझना होगा।

अमानतुल्लाह को अब डर सताने लगा

आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान ने गिरफ्तारी से बचने के लिए कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। पुलिस उन्हें एक पुराने मामले में तलाश रही है, लेकिन अमानतुल्लाह का कहना है कि उन्हें झूठे मामले में फंसाया जा रहा है। पुलिस उनकी तलाश में छापेमारी कर रही है। इसे देखते हुए विरोधी कह रहे हैं कि जो पहले शेर की तरह दहाड़ रहे थे अब वो भी जेल जाने से डर गए हैं और बचाव में अदालत का दरबाजा खट-खटा रहे हैं। वैसे अमानतुल्लाह के राजनीतिक शुभचिंतक तो यही कह रहे हैं कि यह सियासी खुन्नस है, जिसे इस तरह से निकाला जा रहा है। बात जो भी हो, लेकिन कानून तो अपना काम करेगा ही।

ट्रंप और पुतिन की बातचीत

विश्व राजनीतिक पटल पर बदलाव का दौर जारी है, ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत कर संदेश दे दिया है कि युद्ध और नहीं चाहिए, जो भी हो शांति से बातचीत करके हल निकाल लिया जाए। खास बात यह है कि ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी चर्चा की है। उन्होंने यूक्रेन को भी युद्ध रोकने और शांति वार्ता को आगे बढ़ाने की इच्छा जताई है। बातचीत में सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और तकनीकी क्षमताओं पर भी चर्चा हुई, जिसका खास अर्थ है। इससे हटकर जानकार तो यही कह रहे हैं कि यूक्रेन अपने आप को ठगा महसूस कर रहा है, क्योंकि उसे न तो नाटो का सहयोग मिला और अब अमेरिका ने भी पल्ला झाड़ने जैसी बात कर दी है। अब वक्त आ गया है जबकि रुस और यूक्रेन मिलकर विचार करें कि उन्हें इस युद्ध से आखिर हासिल क्या हुआ।

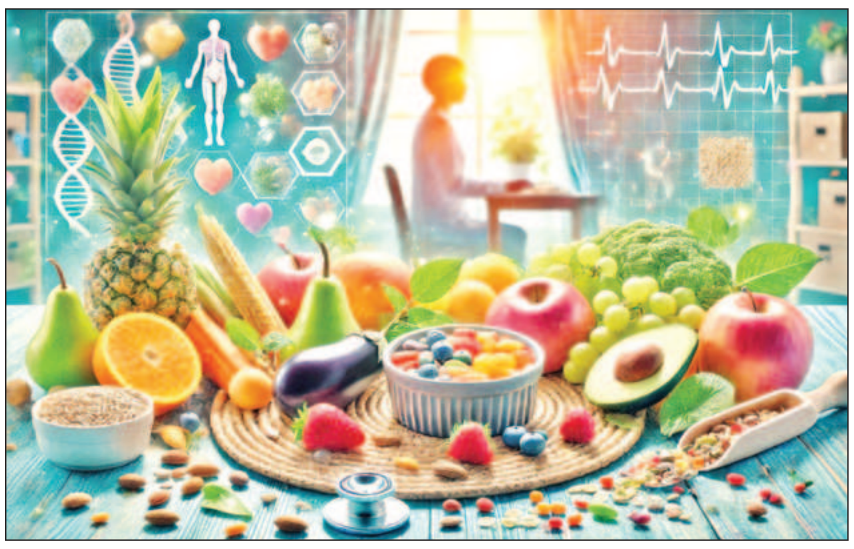

पेट में सही चीजें नहीं हैं, तो यह मूड पर डाल सकता है गहरा असर

न्यूयार्क, 13 फरवरी (एजेंसियां) । आपको जानकर हैरानी होगी कि खराब मूड का कारण अक्सर हमारी हेल्थ में परेशानी हो सकती है। अगर पेट में सही चीजें नहीं हैं, तो यह हमारे मूड पर गहरा असर डाल सकता है। इससे चिड़चिड़ापन, गुस्सा और तनाव की स्थिति पैदा हो सकती है।

अमेरिकी जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में की गई एक स्टडी में दावा किया गया है कि जिन लोगों ने विटामिन डी से भरपूर डाइट ली, वे डिप्रेशन और एंजायटी का शिकार होने से बच गए। विटामिन डी की कमी वाले लोगों में चिड़चिड़ापन और गुस्से के लक्षण ज्यादा देखे गए। हार्वर्ड मेडिकल इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के मुताबिक मसाले भारतीय भोजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं और इन्हें मूड को बेहतर बनाने के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। मसालों में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो मस्तिष्क को फ्री रेडिकल्स से मुक्त करते हैं और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाते हैं। विशेष रूप से हल्दी का सेवन मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी होता है। इसके अलावा फर्मेंटेड फूड जैसे दही, छाछ, और योगर्ट आंतों के लिए फायदेमंद होते हैं। इन्हें खाने से आंतों के फंक्शन में सुधार होता है और यह एंजाइटी जैसी समस्याओं को कम करने में मदद करते हैं। एक्सपर्ट्स की मानें तो डार्क चॉकलेट खाने से भी मूड बेहतर हो सकता है और मेंटल हेल्थ दुरुस्त हो सकती है। डार्क चॉकलेट आयरन का एक बेहतरीन स्रोत है, जो न्यूरॉन्स की सुरक्षा करती है और मस्तिष्क में रसायनों के संतुलन को ठीक रखती है। 2019 में हुए एक अध्ययन के अनुसार डार्क चॉकलेट खाने वालों में डिप्रेशन के लक्षण कम पाए गए। इसके अलावा एवोकाडो में मैग्नीशियम की प्रचुर मात्रा होती है, जो मस्तिष्क के कार्य को बेहतर बनाता है।

मेडिकल साइंस में लंबे समय से मैग्नीशियम का उपयोग डिप्रेशन के इलाज के लिए किया जा रहा है और यह मानसिक स्थिति को स्थिर रखने में मदद करता है। एवोकाडो को ऑलिव ऑयल के साथ मिलाकर खाने से इसके फायदे और भी बढ़ जाते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि बादाम और अन्य नट्स, जैसे अखरोट, मूंगफली और खुबानी मस्तिष्क की कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए जाने जाते हैं। इनमें एंटीऑक्सीडेंट्स और ओमेगा 3 फैटी एसिड्स होते हैं, जो मस्तिष्क को सक्रिय रखते हैं और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करते हैं। बता दें कि कई बार लोगों को गुस्सा आ जाता है और पलभर में उनका मूड खराब हो जाता है। मूड खराब हो जाए, तो पूरा दिन बर्बाद हो जाता है और लोगों का कामकाज प्रभावित होता है।

न्यूज ब्रीफ

मार्च में धरती पर वापस लौटेगी सुनीता विलियम्स, नासा ने बता दी तारीख

वाशिंगटन। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर जल्द ही धरती पर वापस आने वाले है। नासा ने बताया कि मार्च के बीच में उन्हें वापस लाया जाएगा। दोनों अंतरिक्ष यात्री बीते 8 महीने से स्पेस स्टेशन में फंसे हुए हैं।

इसके पहले दोनों अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी के लिए मार्च अंत या अप्रैल की समय सीमा तय की गई थी। उन्हें स्पेसएक्स के कैप्सूल से वापस लाया जाएगा। सुनीता पिछले साल 5 जून को बुच विल्मोर के साथ आईएसएस पर पहुंची थीं। उन्हें एक सप्ताह के बाद लौटना था। दोनों बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल के टेस्ट के लिए गए थे, लेकिन इसमें खराबी आने के बाद दोनों आईएसएस पर ही रुक गए। इसके बाद से दोनों वहीं फंसे हुए हैं। इसके पहले नासा ने सुनीता और विल्मोर को फरवरी 2025 में एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से वापस लाने की जानकारी दी थी। हालांकि ऐसा नहीं हो सका। मस्क अंतरिक्ष में फंसी सुनीता को वापस लाएंगे अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने स्पेस एक्सके मस्क से अंतरिक्ष में फंसी सुनीता और उनके सहयोगी बुच विल्मोर को वापस लाने का काम सौंपा है। दोनों वैज्ञानिक पिछले साल जून से अंतरिक्ष में फंसे हुए हैं।

खतरनाक सब्जी साबित हो सकती है ब्रोकली

वॉशिंगटन। अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने बाजार में उपलब्ध ब्रोकली के सैंपल में लिष्येरिया मोनोसाइटोजेनेस बैक्टीरिया का संक्रमण पाया है और इसे वापस मंगवाने के आदेश दिए हैं। अमेरिका में इस सब्जी को लेकर एक गंभीर चेतावनी जारी की गई है, क्योंकि इसमें एक घातक बैक्टीरिया पाया गया है, जो विभिन्न बीमारियों का कारण बन सकता है, और कभी-कभी यह जानलेवा भी हो सकता है। लिष्येरिया मोनोसाइटोजेनेस एक खतरनाक बैक्टीरिया है जो फूड प्रोडक्ट्स में घुसने के बाद गंभीर बीमारियां उत्पन्न कर सकता है। यह बैक्टीरिया खासतौर पर गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और नवजात बच्चों के लिए अत्यधिक खतरनाक है। यह शरीर के इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है, जिससे व्यक्ति गंभीर संक्रमणों का शिकार हो सकता है। लिष्येरिया मोनोसाइटोजेनेस का संक्रमण मेनिनजाइटिस, इंसिफलाइटिस और सेप्टिसीमिया जैसी खतरनाक बीमारियों को जन्म दे सकता है, जो जीवन के लिए संकट उत्पन्न कर सकती हैं। सबसे घातक बात यह है कि यह बैक्टीरिया न केवल गर्मी में बल्कि ठंडे तापमान में भी जीवित रह सकता है। कुछ लोग ब्रोकली को कच्चा या हल्का गर्म करके सलाद के रूप में खाते हैं, जो इस बैक्टीरिया के संपर्क में आने का एक और तरीका बन सकता है। इसके संक्रमण के प्रारंभिक लक्षण पेट में दर्द, बुखार, सिरदर्द और ऐंठन हो सकते हैं। जैसे ही उल्टी और मतली जैसे लक्षण नजर आते हैं, यह संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है। प्रेग्नेंट महिलाओं में यह बैक्टीरिया गर्भपात का कारण भी बन सकता है।

सिंगापुर के दौरे पर सीएम सरमा, 8 सेमीकंडक्टर कंपनियों को असम आने का दिया न्यौता

सिंगापुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा 10 फरवरी को सिंगापुर पहुंचे। यहां सीएम सरमा ने सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शणमुगर्तनम से रणनीतिक सहयोग पर चर्चा हुई। हिमंता का एयरपोर्ट पर सिंगापुर में भारत के हाईकमिश्नर डॉ. शिल्पाक अंबुले ने स्वागत किया था। मुलाकात के दौरान हिमंता और शणमुगर्तनम ने इंडो-सिंगापुर कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप की चर्चा हुई। असम सीएम ने बताया कि असम 2.0 के रोडमैप में सिंगापुर का अहम योगदान रहेगा है। असम के मुख्यमंत्री ने सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालकृष्णन से भी मुलाकात की और भारत की ईस्ट एशिया पॉलिसी के तहत दोनों देशों के मजबूत संबंध पर जोर दिया। इतना ही नहीं असम के मुख्यमंत्री सरमा ने 8 सेमीकंडक्टर कंपनियों के प्रमुखों से बात की। हिमंता ने इन कंपनियों को राज्य की इलेक्ट्रॉनिक सिटी जागीरोड में संभावनाएं तलाशने और सेमीकंडक्टर का इकोसिस्टम तैयार करने के लिए न्यौता दिया। हिमंता ने एक टाउनशिप के सीईओ से असम में चल रहे प्रोजेक्ट्स को लेकर भी चर्चा की।

बांग्लादेश में जून 2026 तक आम चुनाव की संभावना!

ढाका, 13 फरवरी (एजेंसियां) । बांग्लादेश के निर्वाचन आयोग ने कहा कि वह दिसंबर 2025 से जून 2026 के बीच देश में आम चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है।

चुनाव आयुक्त अबुल फजल मोहम्मद सनाउल्लाह ने यहां कहा, (अंतरिम सरकार के) मुख्य सलाहकार ने पिछले साल 16 दिसंबर को अपने भाषण में उल्लेख किया था कि यदि चुनाव न्यूनतम सुधारों और राजनीतिक सहमति के साथ कराए जाने हैं, तो वे दिसंबर 2025 तक हो सकते हैं। हालांकि, यदि अधिक व्यापक सुधारों की आवश्यकता है, तो चुनाव जून 2026 तक हो सकते हैं।

वह ढाका में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) सहित 18 विकास भागीदार देशों के राजदूतों और प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

बांग्लादेश के प्रमुख बंगाली दैनिक प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, सनाउल्लाह ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में आयोग किसी अन्य चुनाव की तैयारी नहीं कर रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यदि सरकार निर्णय लेती है, तो आयोग राष्ट्रीय चुनावों से पहले स्थानीय सरकार के चुनाव आयोजित करने के लिए तैयार है।

पिछले साल अगस्त में एक बड़े राजनीतिक तख्तापलट में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के अनौपचारिक रूप से देश छोड़ने को वैश्विक स्तर पर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

हालांकि, शेख हसीना को हटाने के बाद 8 अगस्त 2024 को मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन किया गया था, लेकिन बांग्लादेश में हुई सामूहिक हिंसा ने न केवल उसके कमजोर लोकतंत्र को झटका दिया, बल्कि एक धर्मनिरपेक्ष राज्य होने की संभावना को भी धक्का पहुंचाया।

अंतरिम सरकार को कट्टरपंथी और चरमपंथी इस्लामी संगठनों को आश्रय देने के लिए भी भारी आलोचना का सामना करना पड़ा है। पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश में किसी भी तरह के असंतोष को सबसे क्रूर तरीके से दबाया गया है। देश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं के उत्पीड़न की कई घटनाएं सामने आई हैं।

पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्हाइट हाउस में वापसी ने भी मौजूदा शासन के लिए कठिन समय का संकेत दिया है। ट्रंप 2.0 प्रशासन ने लोकतांत्रिक और चुनावी सुधारों पर अपना रुख पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया है।बांग्लादेश में अमेरिकी प्रभारी ट्रेसी जैकबसन ने मंगलवार को स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में यूनुस से मुलाकात की। वाशिंगटन ढाका को एक स्थिर और लोकतांत्रिक भविष्य की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है।

रूस से लौटे मार्क फोगेल ने की राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात, जेल से छुड़ाने के लिए जताया आभार

वाशिंगटन। रूस में जेल से रिहाई के बाद अमेरिका लौटे शिक्षक मार्क फोगेल अपने घर पहुंच गए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलकर मार्क बेहद खुश हैं। उनके परिवार, रिश्तेदारों, दोस्तों, शुभचिंतकों और खुद मार्क फोगेल ने इसके लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके राजनयिकों का आभार जताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास द व्हाइट हाउस की वेबसाइट के न्यूज सेक्शन में राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप मार्क फोगेल को घर ले आए शीर्षक से जारी खबर में खुशी जताते हुए लिखा गया है कि वर्षों तक रूसी जेल में गलत तरीके से हिरासत में रहे अमेरिकी नागरिक मार्क फोगेल आखिरकार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन के रिहाई के लिए किए गए अथक प्रयासों के कारण घर आ गए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोगेल की 95 वर्षीय मां माल्फिन से किए गए वादे को पूरा किया है। अपने घर पहुंचे मार्क फोगेल ने प्रतिक्रिया दी है, राष्ट्रपति ट्रंप नायक हैं। मैं हमेशा राष्ट्रपति ट्रंप और स्टीव विटकॉफ का ऋणी रहूंगा। राष्ट्रपति ट्रंप गतिशील व्यक्ति हैं। जब मैं उनसे मिला तो उनके शरीर से ऊर्जा झलक रही थी। उनमें बहुत कुछ कर सकने की भावना है। व्हाइट हाउस के अनुसार, मार्क की रिहाई पर उनके परिवार, अधिकारियों और सांसदों के द्विदलीय समूह ने खुशी जताते हुए राष्ट्रपति ट्रंप की प्रशंसा की है। फोगेल परिवार ने कहा, हम राष्ट्रपति के बहुत आभारी हैं। मार्क फोगेल को घर में पाकर अभिभूत हैं। परिवार के सदस्यों ने राष्ट्रपति ट्रंप का आभार जताया है। परिवार ने कहा है कि अब मार्क फोगेल स्वतंत्र हैं। हमारे जीवन का सबसे अंधकारमय वक्त खत्म हो गया। मार्क की मांग मैल्फिन फोगेल ने कहा है कि वह डोनाल्ड ट्रंप को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहती हैं। उन्होंने मुझसे वादा किया था कि वह उसे बाहर निकालेंगे। उन्होंने अपना वादा निभाया। मैं उनका जितना धन्यवाद दूं, वह कम है।

एआई समिट में भारत का बढ़ रहा प्रभाव, पाकिस्तानी टिप्पणीकार ने की तारीफ

इस्लामाबाद, 13 फरवरी (एजेंसियां) । पीएम नरेंद्र मोदी फ्रांस के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पेरिस में एआई एक्शन समिट में दुनिया को भारत का रुख बताया है। पीएम मोदी की फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से भी बातचीत की है। इस दौरान दोनों देशों में रक्षा सहयोग और व्यापार साझेदारी को बढ़ाने पर चर्चा हुई। पीएम मोदी के दौरे की दुनिया के दूसरे देशों के साथ-साथ पाकिस्तान में भी चर्चा हो रही है। पाकिस्तान के राजनीतिक टिप्पणीकार कमर चीमा ने पेरिस में एआई समिट की बात करते हुए भारत के बढ़ते प्रभाव को माना। उन्होंने भारत के फ्रांस को पिनाका रॉकेट बेचने पर हैरत जताई है। चीमा ने कहा कि जिस तरह से फ्रांस में नरेंद्र मोदी का प्रभाव दिखा है, वो कमाल का है। पेरिस में एआई पर समिट में इस तकनीक के भविष्य पर बात हो रही है। यूरोपीयन यूनियन एआई में बड़े निवेश की घोषणा कर रहा है और भारत इसका अहम हिस्सेदार है। अगला एआई समिट भी भारत में होगा। कमर ने कहा कि एआई समिट में शामिल हुए नेताओं के जो ग्रुप फोटो आए हैं, उसमें मेजबान फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ बीच में नरेंद्र मोदी खड़े हैं। एक और दिलचस्प बात इस फोटो में ये है कि कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो कोने में दिख रहे हैं। इससे साफ है कि दुनिया ने भारत का हाथ पकड़ा है और कनाडा को किनारे कर दिय है। इतना ही नहीं अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को भी मोदी का समर्थन करना पड़ा। पाकिस्तान की स्थिति पर चिंता जताते हुए कमर ने कहा कि भारत आज बहुत ऊंचे स्तर पर खेल रहा है। पाकिस्तान फिलहाल कहीं खेल में भी नहीं दिख है। मोदी पेरिस में एआई पर बात कर रहे हैं। दूसरी ओर पाकिस्तान की हुकूमत में तो कोई इस पर बात करता भी नहीं दिख रहा है। मोदी ने ग्लोबल साउथ लीडर की तरह खुद को पेश किया है। पाकिस्तान को भी इस पर सोचना चाहिए। कमर का मानना है कि यूरोप के देश भारत से नजदीकी चाहते हैं। इसकी एक वजह ये है कि यूरोपियन यूनियन पर डोनाल्ड ट्रंप ने कई प्रतिबंध लगाए हैं।

कहा- भारत आज बहुत ऊंचे स्तर पर खेल रहा, यूरोपीय देशों से बढ़ा रहा नजदीकी

पाक में आतंकियों पर कहर, कभी गोली लगती है तो कभी वाहन रौंदकर मार डालते हैं

पाकिस्तान में आतंकियों पर लगातार मौत का संकट मंडरा रहा है। यहां कभी उन्हे गोलियों से भून दिया जाता तो कभी अज्ञात वाहन उन्हे रौंदकर निकल जाता है। बीते रोज भी एक ऐसा ही हादसा हुआ है। जहां आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों पर अज्ञात मोटरसाइकिल सवारों ने गोलियां दागी थी वहीं अब अज्ञात वाहनों का कहर टूटा है। दो दिनों में लश्कर के दो बड़े आतंकी सरगना सड़क हादसे में मारे गए हैं। मारे गए आतंकी सरगनाओं के नाम फहदुल्लाह गुर्जर और तैमूर बताए गए हैं। लगता है कि पाकिस्तान में आतंकवादी सरगना बुरे दौर से गुजर रहे हैं। पिछले दो दिनों के दौरान दो बड़े आतंकवादी अचानक हुए सड़क हादसे में एक के बाद एक मारे गए। इनमें से एक आतंकवादी लश्कर के एक बड़े आतंकवादी सरगना हाफिज शहजाद का बेटा है। जो संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित लश्कर आतंकवादी मुजामिल हाशमी का सबसे करीबी सहयोगी बताया जाता है।

तीस्ता प्रोजेक्ट में चीन को शामिल करेगा बांग्लादेश भारत के लिए होगा खतरा

भारत को बांग्लादेश पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की जरूरत

ढाका, 13 फरवरी (एजेंसियां) । बांग्लादेश की अंतरिम सरकार तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन से जुड़े बहुउद्देशीय परियोजना में चीन को शामिल करने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है तो यह भारत की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता पैदा कर सकता है, क्योंकि यह इलाका रणनीतिक रूप से संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के बहुत पास है। अगर चीन इस परियोजना में शामिल हो जाता है, तो भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा हो सकती है।

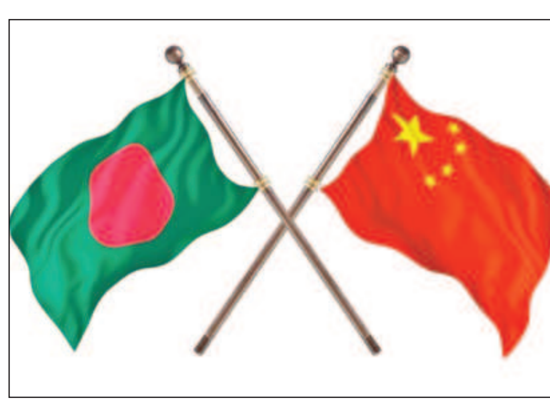

बांग्लादेश में तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन के लिए एक बड़ी परियोजना प्रस्तावित है, जिसमें नदी का ड्रेजिंग और जलाशय निर्माण, जल निकासी प्रणाली का विकास, नदी के किनारों पर तटबंध और सैटेलाइट टाउनशिप का निर्माण, परियोजना की कुल लागत 1 अरब डॉलर, समाप्ति की समय सीमा दिसंबर 2025 तय किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन ने इस प्रोजेक्ट के लिए एक मास्टर प्लान तैयार करने के लिए दो साल का समय मांगा है, जिसे बांग्लादेश सरकार ने मंजूर कर लिया है।

चिकन नेक कॉरिडोर से सिर्फ 100 किमी की दूरी पर यह प्रोजेक्ट तैयार होगा। भारतीय सैन्य अधिकारियों और सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि अगर चीन तीस्ता प्रोजेक्ट में शामिल होता है, तो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है। यह इलाका भारत के लिए बेहद संवेदनशील है क्योंकि यही मार्ग पूर्वोत्तर भारत को अन्य देश से जोड़ता है। 2011 से तीस्ता जल बंटवारे पर विवाद जारी है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने समझौते का विरोध किया था।

पाक पहुंच रहे एर्दोगन, भारत इस यात्रा पर रखेगा पैनी नजर

इस्लामाबाद, 13 फरवरी (एजेंसियां) । तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन पाकिस्तान की यात्रा पर आ रहे हैं। मलेशिया और इंडोनेशिया की यात्रा के बाद उनका अगला पड़ाव इस्लामाबाद होगा। यह यात्रा तब हो रही है जब दोनों देशों के बीच रक्षा और आतंकवाद विरोधी सहयोग मजबूत हुआ है।

तुर्की और पाकिस्तान के बीच रक्षा सहयोग लगातार बढ़ रहा है। हाल ही में पाकिस्तान ने तुर्की से नौसैनिक जहाज खरीदने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसी वर्ष जनवरी में, दोनों देशों ने पूर्वी भूमध्य सागर में एक संयुक्त नौसैनिक अभ्यास किया, जो उनकी बढ़ती रक्षा साझेदारी का प्रतीक है। तुर्की ने पाकिस्तान को टी129 एटीएके हेलीकॉप्टर, क्लास के कोरवेट और अन्य सैन्य उपकरण प्रदान किए हैं।

वहीं तुर्की और पाकिस्तान दोनों ही आतंकवाद से प्रभावित हैं। पाकिस्तान जहां बलूचिस्तान, सिंध और खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवाद से परेशान है, वहीं तुर्की कुर्द अलगाववादियों से जूझ रहा है। दोनों देशों ने आतंकवाद विरोधी सहयोग को मजबूत करने के लिए हाल ही में एक परामर्श बैठक आयोजित की। भारत इस बात पर नजर रखेगा कि यह सहयोग आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कदम उठाने के लिए है या भारत विरोधी गतिविधियों के लिए एक नया मंच तैयार हो रहा है।

तुर्की ब्रिक्स संगठन का सदस्य बनने की महत्वाकांक्षा रखता है, लेकिन इसके लिए भारत की स्वीकृति जरुरी है। इस कारण एर्दोगन ने हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण में कश्मीर का जिक्र नहीं किया, जो पाकिस्तान के लिए एक झटका था। तुर्की अपनी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए पश्चिम के अलावा अन्य विकल्प तलाश रहा है, और ब्रिक्स में शामिल होना उसके लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद साबित हो सकता है।

ट्रंप की योजना पर सहमत नहीं मिस्र और जॉर्डन, अब क्या करेगा अमेरिका, हमास ने भी इस प्रस्ताव को गाजा पर अमेरिकी कब्जे जैसा बताया

वॉशिंगटन। मिस्र और जॉर्डन ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रस्ताव को खारिज किया है, इससे गाजा पट्टी से फिलिस्तीनियों को निकालने और उन्हें अन्य अरब देशों में बसाने की योजना तैयार की थी। मिस्र ने स्पष्ट किया है कि वह क्षेत्र में न्यायपूर्ण शांति बनाए रखने के लिए अमेरिका के साथ सहयोग को तैयार है, लेकिन फिलिस्तीनियों को जबरन गाजा से बाहर करने की नीति का समर्थन नहीं करेगा। ट्रंप की योजना के तहत गाजा के फिलिस्तीनियों को अन्य अरब देशों, विशेष रूप से मिस्र और जॉर्डन में बसाने की बात कही गई थी। हालांकि, दोनों देशों ने ट्रंप की इस योजना को सिरे से खारिज कर दिया है। जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला ने ट्रंप से मुलाकात कर कहा कि उनकी प्राथमिकता उनके देश के नागरिकों की सुरक्षा और स्थिरता है। उन्होंने कहा कि जॉर्डन के पास इसतरह के फैसले लेने का पूरा अधिकार है, जो उनके देश के हित में हों। इसके बावजूद, जॉर्डन ने मानवीय आधार पर गाजा के 2000 बीमार बच्चों को अपने देश में शरण देने का प्रस्ताव दिया है। जॉर्डन, जो अमेरिका का करीबी सहयोगी है, फिलिस्तीनी मूल के शरणार्थियों की बड़ी आबादी वाला देश है। किंग अब्दुल्ला को आशंका है कि यदि और अधिक फिलिस्तीनी शरणार्थी जॉर्डन आए, तब इससे देश की आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है और सत्ता में अस्थिरता पैदा हो सकती है। इतना ही नहीं हमास ने भी ट्रंप के प्रस्ताव को खारिज कर गाजा पर अमेरिकी कब्जे जैसा बताया है। संगठन ने कहा कि वह गाजा के लोगों को जबरन कहीं और स्थानांतरित करने की योजना को कभी स्वीकार नहीं करेगा। इसके अलावा, हमास ने मुद्दे पर अरब देशों के नेताओं से आपातकालीन शिखर सम्मेलन बुलाने की अपील की है, ताकि इस प्रस्ताव के खिलाफ सामूहिक रूप से कदम उठाया जा सके। अब क्या करेगा अमेरिका मिस्र, जॉर्डन और हमास के विरोध के बाद अब सवाल उठ रहा है कि अमेरिका और ट्रंप इस मुद्दे पर आगे क्या कदम उठाएंगे।

राष्ट्रीय खेल : नेटबॉल मिश्रित श्रेणी में रोमांचक मुकाबले, छत्तीसगढ़ और असम ने दिखाया दमखम

देहरादून

यहां जारी 38वें राष्ट्रीय खेलों के नेटबॉल मिश्रित श्रेणी में टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खेल भावना और समन्वय का परिचय दिया। पुरुष और महिला खिलाड़ियों से बनी इन मिश्रित टीमों ने अपने शानदार खेल से दर्शकों को रोमांचित किया।

पूल ए: छत्तीसगढ़ और दिल्ली ने किया प्रभावशाली प्रदर्शन– पूल ए में छत्तीसगढ़ ने अपने जबरदस्त खेल का प्रदर्शन करते हुए हरियाणा को 33–32 से कड़े मुकाबले में मात दी। इसके बाद, टीम ने पुडुचेरी पर 34–27 से शानदार जीत दर्ज कर अपनी दावेदारी मजबूत कर ली। वहीं, दिल्ली ने भी पुडुचेरी को 37–17 से हराकर शानदार शुरुआत की, लेकिन हरियाणा के खिलाफ 30–39 से हार का सामना करना पड़ा।

पूल बी: असम की मजबूत पकड़, तेलंगाना की वापसी – पूल बी में उत्तराखंड ने कर्नाटक को 32–23 से हराकर बढ़त बनाई, जबकि असम ने तेलंगाना को 30–28 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। हालांकि, तेलंगाना ने अगले मुकाबले में उत्तराखंड को 38–31 से हराते हुए जोरदार वापसी की। वहीं, असम ने कर्नाटक को 30–28 से मात देकर अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा।

टूर्नामेंट अंतिम चरण में, पदक की होड़ तेज – नेटबॉल प्रतियोगिता अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है, जहां सभी टीमें स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ अपनी रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। आने वाले मुकाबले रोमांचक होने की उम्मीद है, जहां टीमें अपनी पूरी ताकत झोंकने को तैयार हैं।

ताज डेक्कन में राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में तज्ञ महिलाओं को श्रीमती खुशबू सुंदर से पुरस्कार पुरस्कार प्रदान किये। एचपीआरसी में 23 फरवरी से 2 मार्च, 2025 तक होने वाली विश्व एरिना पोलो चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए अभिनेत्री खुशबू सुंदर को आमंत्रित करते हुए प्रेस स्नैम इंडिया के संपादक मो. शम्सुद्दीन ।

न्यूज ब्रीफ

इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग में सुमित ढेकाले का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। चेन्नई सिंघम्स के कप्तान सुमित ढेकाले ने टेनिस बॉल से खेले जाने वाले 10–10 ओवर के

इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) में शानदार प्रदर्शन किया है। इस टूर्नामेंट में कई उभरते खिलाड़ी उतरते हैं। सुमित के अच्छे प्रदर्शन के बाद भी उनकी टीम को माझी मुंबई ने 24 रनों से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है। मुंबई ने 10 ओवर्स में तीन विकेट पर 122 रन का विशाल स्कोर बनाया पर सिंघम्स 6 विकेट पर 98 रन ही बना सकी। अब क्वालीफायर–1 में मुंबई का सामना फाल्कन राइजर्स हैदराबाद से होगा। सुमित ने 0 मैच में सबसे अधिक 185 रन बनाये हैं। वह सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। 36 साल के सुमित के बारे में खास बात ये है कि उन्होंने पृथ्वी शॉ, यशस्वी जायसवाल, प्रवीण तांबे, स्वप्निल साल्वी, विक्रांत औटी और साईराज पाटिल जैसे खिलाड़ियों के साथ 2019 में मुंबई पैंथर्स के लिए टी–20 मुंबई में भी भाग लिया था।

2034 फीफा विश्व कप: सऊदी अरब में शराब पर प्रतिबंध, राजदूत ने की पुष्टि

लंदन। सऊदी अरब में 2034 फीफा विश्व कप के दौरान शराब की अनुमति नहीं दी जाएगी। ब्रिटेन में सऊदी राजदूत प्रिंस खालिद बिन बंदर अल सऊद ने बुधवार को इस बात की पुष्टि की। एलबीसी रेडियो स्टेशन को दिए गए एक साक्षात्कार में उन्होंने स्पष्ट किया कि सऊदी अरब में कहीं भी शराब नहीं बेची जाएगी। यह फैसला 2022 कतर विश्व कप से अलग है, जहां विशेष प्रशंसक क्षेत्रों और पांच सितारा होटलों में ऊंची कीमतों पर शराब उपलब्ध थी। प्रिंस खालिद ने कहा, फिलहाल, हम शराब की अनुमति नहीं देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सऊदी अरब अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं का सम्मान करते हुए विश्व कप की मेजबानी करेगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा, हर किसी की अपनी संस्कृति होती है। हम अपनी संस्कृति की सीमाओं के भीतर लोगों को समायोजित करने के लिए तैयार हैं, लेकिन हम किसी और के लिए अपनी संस्कृति को बदलना नहीं चाहते। राजदूत ने यह भी स्पष्ट किया कि विश्व कप सिर्फ सऊदी अरब का नहीं, बल्कि एक वैश्विक आयोजन है। उन्होंने कहा, हम उन सभी का स्वागत करेंगे जो इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनना चाहते हैं। सऊदी अरब में 2034 फीफा विश्व कप की मेजबानी को लेकर पहले ही चर्चाएं तेज हैं। यह आयोजन खेल के साथ–साथ सऊदी अरब की संस्कृति और परंपराओं को भी दुनिया के सामने प्रस्तुत करेगा।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में बुमराह की कमी खलेगी : कपिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में

भारतीय टीम को मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी खलेगी। कपिल ने कहा कि बुमराह जैसे बड़े खिलाड़ी के नहीं होने से टीम की मुश्किलें बढ़ सतकी हैं। बुमराह पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए शामिल नहीं किये गये हैं। कपिल ने कहा कि बुमराह ने पिछले 2 साल में अपने अच्छे प्रदर्शन से भारतीय टीम को काफी लाभ पहुंचाया है। मुझे नहीं लगता कि इस बीच दुनिया के किसी अन्य तेज गेंदबाज ने उनसे बहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि बुमराह, रविचंद्रन अश्विन, अनिल कुंबले, जहीर खान जैसे मैच विजेता खिलाड़ियों का चोटिल हो जाना किसी भी टीम के लिए परेशानी का कारण बन सकत है। मैं उनकी शीघ्र वापसी की उम्मीद करता हूं। वहीं कपिल ने स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में चुने जाने को सही बताया है। उन्होंने कहा कि उसके पास योग्यता है और वह अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। जब भी वरुण जैसे कोई गेंदबाज टीम से जुड़ता है तो टीम पर उसका प्रभाव होता है। उसके लिए सबसे अहम बात यह रहेगी कि विरोधी टीम के बल्लेबाज उसकी गेंद को समझने और उन्हें खेलने में कितना समय लगाते हैं। कपिल ने कहा कि पिछले एक या दो साल में उसने जबरदस्त प्रदर्शन किया है वह शानदार है। कपिल ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को रणजी ट्रॉफी खेलने के लिए मजबूर करना सही नहीं था।

राष्ट्रीय खेल टेबल टेनिस : युगल मुकाबलों में महाराष्ट्र और तमिलनाडु का दबदबा

देहरादून, 13 फरवरी (एजेंसियां) ।

उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेल के टेबल टेनिस मुकाबलों में चौथे दिन जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। महिला, पुरुष और मिश्रित युगल स्पर्धाओं में महाराष्ट्र और तमिलनाडु के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

महिला युगल स्पर्धाः

महाराष्ट्र का स्वर्ण पदक पर कब्ज़ा – सेमीफाइनल में महाराष्ट्र की स्वस्तिका घोष और दिया चिताले ने पश्चिम बंगाल की कौशानी नाथ और प्रप्ति सेन को 9–11, 7–11, 11–5, 12–10, 11–8 से हराया। दूसरी ओर, तमिलनाडु की नित्याश्री और काव्याश्री ने पश्चिम बंगाल की अयिहिका मुखर्जी और मौमा दास को 11–2, 8–11, 11–7, 11–13, 11–8 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में महाराष्ट्र की स्वस्तिका घोष और दिया चितले ने जबरदस्त वापसी करते हुए तमिलनाडु की नित्याश्री मणि और काव्याश्री भास्कर को 6–11, 8–11, 11–9, 11–7, 11–6 से हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया।

पुरुष युगल: तमिलनाडु ने दोनों पदक जीते – सेमीफाइनल में तमिलनाडु के साथियन और अमलराज ने महाराष्ट्र के रेगन और सिद्धेश को 4–11, 11–7, 14–12, 11–9 से हराया। दूसरी ओर, अभिनंध और प्रेयश ने पश्चिम बंगाल के आकाश पाल और रोणित भांजा को 7–11, 12–10, 12–10, 11–8 से हराया।

फाइनल मुकाबला तमिलनाडु की दोनों जोड़ियों के बीच खेला गया, जिसमें साथियन ज्ञानशेखरन और अमलराज एंथनी ने अभिनंध पी.बी. और प्रेयश सुरेश राज को 8–11, 11–4, 5–11, 11–6, 11–7 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

मिश्रित युगल: महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन – मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में महाराष्ट्र की दो जोड़ियों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें चिन्मय सोमैया और रीथ रिश्या ने रेगन अल्बुकर्क और स्वस्तिका घोष को 12–10, 11–6, 11–5 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में पश्चिम बंगाल के अनिर्बान घोष और अयिहिका मुखर्जी ने महाराष्ट्र के जैश अमित मोदी और तनीषा संजय कोटेचा को 11–4, 11–9, 11–9 से हराया।

राष्ट्रीय खेल : अनंतजीत सिंह नरुका और गनेमत सेखों ने स्कीट फाइनल में जीता स्वर्ण

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल के स्कीट फाइनल में राजस्थान के अनंतजीत सिंह नरुका और पंजाब की गनेमत सेखों ने शानदार खेल का परिचय दिया और पुरुष और महिला वर्गों में जीत हासिल की। नरुका ने 56 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता और गनेमत सेखों ने 53 अंकों के साथ महिला वर्ग में दबदबा बनाया।

पुरुष वर्ग : पुरुषों के स्कीट क्वालिफिकेशन राउंड में कुल 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें शीर्ष छह निशानेबाज फाइनल में पहुंचे। राजस्थान के अनंतजीत सिंह ने 122 के प्रभावशाली स्कोर के साथ क्वालीफायई किया, उसके बाद तेलंगाना के मुनेक बट्टुला ने 120 के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। मध्य प्रदेश के ऋतुराज सिंह बुंदेला ने 119 के साथ तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि पंजाब के हरमेहर सिंह लाली (118), चंडीगढ़ के परमपाल सिंह गुरोन (117) और पंजाब के भवतेग सिंह गिल (116+4) ने फाइनलिस्ट की सूची पूरी की। पुरुषों के फाइनल मैच में चंडीगढ़ के परमपाल सिंह गुरोन ने खेल में कड़ी टक्कर दी और 51 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया। कांस्य पदक पंजाब के भवतेग सिंह गिल के खाते में गया, उन्होंने 42 अंकों के साथ पदक हासिल किया। महिला वर्ग : महिलाओं के क्वालिफिकेशन राउंड में 17 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें पंजाब की गनीमत सेखों ने 124 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उत्तर प्रदेश की अरीबा खान (114) और हरियाणा की रायजा ढिल्लों (115+4) उनके ठीक पीछे रहीं। राजस्थान की दर्शना राठौर (115+3), तेलंगाना की रश्मि राठौर (112+4) और मध्य प्रदेश की वंशिका तिवारी (116) ने शीर्ष छह में जगह बनाते हुए फाइनल में जगह बनाई।

प्रशंसकों को विराट के चैम्पियंस ट्रॉफी से फार्म हासिल करने की उम्मीद

मुम्बई, 13 फरवरी (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज पिछले काफी समय से खराब फार्म से जूझ रहे हैं।। अब प्रशंसकों को उम्मीद है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी से वह अपना खोया फार्म हासिल कर सकते हैं। इसका कारण है कि विराट आईसीसी टूर्नामेंटों में हमेशा सफल रहे हैं और उन्होंने जमकर रन बनाये हैं। इसमें 2023 एकदिवसीय विश्वकप हो या 2024 टी20 विश्व कप सभी में उनका बल्ला जमकर चला। विराट ने 2008 में एकदिवसीय और 2011 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया। इसके बाद 2019 तक वह जमकर रन बनाते रहे। केवल 2020 में पहली बार उनका औसत 40 से कम हुआ। वहीं 2020 में कोहली 3 टेस्ट मैच में 19.33 के औसत से सिर्फ 74 रन बना सके। विराट ने इसके बाद 2021 में 28.21 के औसत से 536 रन बनाये। वहीं साल 2022 में 265 रन निकले। इसके बाद 2023 में कोहली ने वापसी करते हुए 55.91 के औसत से 671 रन बनाये पर इस साल की शुरुआत से ही वह लगातार विफल होते रहे हैं। इस साल वे 24.52 के औसत से सिर्फ 417 रन बना पाते हैं। इसमें अगर एक शतक को हटा दें तो उनका आंकड़ा और भी खराब नजर आयेगा। कोहली ने एकदिवीसय मैचों में 2020 और 2021 में 40 से अधिक की औसत से रन बनाए। लेकिन 2022 का साल एकदिवसीय में भी कोहली के लिए बुरा साबित हुआ। इस साल वे 11 एकदिवसीय में 27.45.के औसत से सिर्फ 302 रन बना पाते हैं। विराट 2023 में अच्छी वापसी करते हुए टेस्ट और एकदिवसीय में भी जमकर रन बनाते हैं। इसी साल उन्होंने विश्व कप में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। कोहली ने 2023 में 27 एकदिवसीय मैचों में 72.47 की औसत से 1377 रन बनाए।

प्रीमियर लीग फुटबॉल

ब्रिटेन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में एवरटन व लीवरपूल की टीमें खेलती हुईं।

विश्वनाथ, टॉफेल, बोडेन उद्घाटन इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में अंपायरिंग करेंगे

मुंबई, 13 फरवरी । प्रतिष्ठित अंपायर साइमन टॉफेल और बिली बोडेन सर्वकालिक महान गुंडप्पा विश्वनाथ के साथ मिलकर इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन संस्करण में अधिकारी के रूप में काम करेंगे।

टॉफेल की अध्यक्षता में अंपायरों के पैनल में अनुभवी अधिकारी उमेश दुबे और लिंडन एडवर्ड हैनिबल भी शामिल हैं। जी.आर. विश्वनाथ मैच रेफरी के रूप में काम करेंगे। यह प्रतिष्ठित लाइन–अप लीग के दौरान अंपायरिंग के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करेगा।पांच बार आईसीसी के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अंपायर रहे टॉफेल अपने त्रुटिहीन निर्णय लेने और खेल में योगदान के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी शानदार सिग्नलिंग शैली के लिए प्रसिद्ध बोडेन क्रिकेट इतिहास में सबसे पहचाने जाने वाले व्यक्तियों में से एक हैं।

साइमन टॉफेल ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, क्रिकेट ने हमें कई अविस्मरणीय पल दिए हैं और इंटरनेशनल मास्टर्स लीग उन शानदार दिनों को वापस ला रहा है। एक बार फिर मैदान में खड़े होकर सभी समय के कुछ महानतम क्रिकेटरों के मैचों में रेफरी बनना एक बड़ा सम्मान है। प्रशंसक एक बार फिर बेहतरीन एक्शन, सौहार्द और एक ऐसे अनुभव की उम्मीद कर सकते हैं, जिसे वे संजोकर रख सकें।

भारत के पूर्व कप्तान विश्वनाथ ने कहा इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन संस्करण के लिए मैच रेफरी बनना सम्मान की बात है। यह टूर्नामेंट क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों को एक साथ लाता है, और मैं यह सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक हूं कि इन आइकन को फिर से अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए खेल की भावना को बनाए रखा जाए। खेल के प्रति जुनून कभी कम नहीं होता है, और मैं एक ऐसी लीग का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं, जो क्रिकेट के बेहतरीन खिलाडियों की विरासत का जश्न मनाती है।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का पहला सीजन, जिसमें दुनिया भर के महान क्रिकेटर भाग लेंगे, 22 फरवरी से 16 मार्च तक नवी मुंबई, वडोदरा और रायपुर में आयोजित किया जाएगा।

इन प्रतिष्ठित हस्तियों के टूर्नामेंट में शामिल होने से, आईएमएल एक भव्य तमाशा बन रहा है, जिसमें खेल के सबसे प्रसिद्ध नाम फिर से एक्शन में आ रहे हैं। प्रशंसक एक अविस्मरणीय क्रिकेट तमाशे की उम्मीद कर सकते हैं जो खेल के सुनहरे युग को फिर से सबके सामने लाएगा।

भारतीय कोच गौतम गंभीर ने युवा खिलाड़ियों को समर्थन देने पर दिया जोर

अहमदाबाद, 13 फरवरी (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम ने बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में 142 रनों की शानदार जीत दर्ज की। इस जीत में युवा बल्लेबाज शुभमन गिल के शतक ने अहम भूमिका निभाई। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच के बाद गिल की जमकर तारीफ की और युवा खिलाड़ियों को निरंतर समर्थन देने की जरूरत पर जोर दिया।

गिल की शानदार वापसी

गिल ने ऑस्ट्रेलिया दौरे की खराब फॉर्म को पीछे छोड़ते हुए इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में जबरदस्त वापसी की। उन्होंने तीन मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी उपयोगिता साबित की। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच पारियों में मात्र 93 रन बनाने वाले गिल ने अहमदाबाद में अपने शतक से आलोचकों को करारा जवाब दिया।

गंभीर ने गिल की प्रशंसा करते हुए कहा, वह अभी भी युवा बल्लेबाज है और उसमें सभी प्रारूपों में सफल होने की क्षमता है। टेस्ट क्रिकेट कठिन होता है, लेकिन उसने वहां भी अच्छा प्रदर्शन किया है। हमें हर पारी के बाद किसी युवा खिलाड़ी का मूल्यांकन करने की बजाय उन्हें निरंतर समर्थन देना चाहिए। अगर हम ऐसा करेंगे, तो भारतीय क्रिकेट का भविष्य बेहद उवल होगा।

श्रेयस अय्यर का मध्यक्रम में योगदान

श्रेयस अय्यर ने भी इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। विराट कोहली की अनुपस्थिति के

कारण पहले मैच के लिए टीम में शामिल किए गए अय्यर को लेकर गंभीर ने स्पष्ट किया कि उन्हें पूरे दौरे में मौका दिया जाना तय था।

गंभीर ने कहा, श्रेयस को बेंच पर नहीं बैठाया जाना चाहिए था। हमने पहले मैच में यशस्वी जायसवाल को मौका देना चाहा क्योंकि वह ऑस्ट्रेलिया में बेहतरीन फॉर्म में थे। लेकिन हमें पता था कि श्रेयस मध्यक्रम में हमारे लिए एक अहम खिलाड़ी साबित होंगे।

बुमराह की गैरमौजूदगी और गेंदबाजी आक्रमण

टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बड़ा झटका लगा जब तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड के खिलाफ प्रभावी प्रदर्शन किया। गंभीर ने कहा, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह ने बेहतरीन गेंदबाजी की। बुमराह की कमी जरूर महसूस होगी, लेकिन मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी गेंदबाज की मौजूदगी से टीम को फायदा होगा। किसी खिलाड़ी की अनुपस्थिति नए खिलाड़ियों के लिए बड़ा अवसर हो सकती है।

वरुण चक्रवर्ती को टीम में शामिल करने का फैसला

भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है।

गंभीर ने इस फैसले के बारे में कहा, वरुण को टीम में शामिल करने की वजह बीच के ओवरों में विकेट निकालने का विकल्प मजबूत करना है। वह विरोधी टीमों के लिए 'एक्स–फैक्टर' साबित हो सकते हैं, खासकर उन टीमों के लिए जिन्होंने उनके खिलाफ ज्यादा नहीं खेला है।

भारत अब चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों में जुट गया है, जहां टीम को युवा खिलाड़ियों से बड़े प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

सोने की कीमत में गिरावट, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 86,660 रुपये से लेकर 86,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 79,390 रुपये से लेकर 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 99,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 86,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ऑपरेशन पेअर्स ...

सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर और छद्मी तथ्य-जांचकर्ता (फैक्ट-चेकर्स) भी जुड़े हुए हैं। आईआरआई को यूएसएड और एनईडी से भारी अनुदान मिलता है। इसने बांग्लादेश और भारत में शासन परिवर्तन लाने की साजिश को कारगर करने के लिए तमाम जवाबदेही, समावेशिता और जन सहायता कार्यक्रमों को बढ़ावा देकर आम जनता के बीच पैठ बनाने की कोशिश की। इसी के जरिए आईआरआई ने बांग्लादेश में वहां के नागरिकों की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने और सत्ता-विरोधी आवाज को मुखर के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाया। इसने तीन नागरिक समाजों का समर्थन किया, 77 कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया और 43 विशिष्ट नीतिगत मांगों को विकसित करने के लिए 326 नागरिकों को शामिल किया, जिन्हें 65 सरकारी अधिकारियों के समक्ष प्रस्तावित किया गया। कलाकारों, संगीतकारों और कलाकारों को भी षडयंत्र में शामिल किया गया और उन्हें 11 बड़े आर्थिक अनुदान उपलब्ध कराए गए। आईआरआई ने बड़ी मक्कारी से सामाजिक रूप से जागरूक कलाकारों का समर्थन किया और उन्हें अपने एजेंडे में फंसाया। आर्थिक सामाजिक रूप से सिकुड़े नागरिक समुदाय को पहचान कर उन्हें अपने आर्थिक प्रभावक्षेत्र में शामिल किया। कलाकारों और कार्यकर्ताओं के जरिए तथाकथित लोकतांत्रिक और सुधारवादी संदेश व्यापक जनता तक पहुंचाए। हाशिए पर पड़े समुदायों की पहचान कर उन्हें अपने चंगुल में लिया और उन्हें सरकार के खिलाफ भड़काया। अनगिनत लोगों को कार्यक्रमों, पुस्तक विमोचन, कहानी सुनाने के सत्रों, फोटो प्रदर्शनियों, कला शो, थिएटर प्रदर्शन, नृत्य कार्यक्रमों, फिल्म और वृत्तचित्र स्क्रीनिंग और गोलमेज चर्चाओं के जरिए प्रभावित किया गया और इस पर अकूत धन खर्च किया गया। ऐसे कई विशेष कार्यक्रमों में अमेरिकी दूतावास के राजनीतिक और वाणिज्य दूतावास अधिकारी भी शामिल होते रहे। बाइडेन के सुपुत्र हंटर बाइडेन, बाइडेन प्रशासन के अधिकारी डोनाल्ड लू समेत कई लोग इस दरम्यान बांग्लादेश में अत्यधिक सक्रिय रहे। इन गतिविधियों ने 400,000 बांग्लादेशी नागरिकों को सीधे तौर पर प्रभावित किया। ऐसे तमाम हथकंडों का इस्तेमाल कर आईआरआई ने बांग्लादेश में सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर लोगों में गुस्सा और आक्रोश बढ़ाने का काम किया जो आ-खिरकार बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के रूप में सामने आया। इस तरह अब ऑपरेशन पेअर्स के जरिए बांग्लादेश को रसातल में धकेल दिया गया। बांग्लादेश की सत्ता पर अपना पिट्ठू बिठा कर षडयंत्रकारी-सिंडिकेट ने प्रगतिशील राष्ट्र को अपना उपनिवेश बना कर रख लिया।यही हथकंडा भारत पर भी आजमाया जा रहा है। भारत में भी नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास और कई शहरों में इसके वाणिज्य दूतावासों द्वारा इसी तरह की साजिश रची गई, जहां वे विभिन्न समूहों के साथ बैठकें कर रहे थे। वाशिंगटन से संचालित हो रहे ऑपरेशन-पेअर्स के अलमबरदार इस दौरान राहुल गांधी के साथ नियमित संपर्क में रहे। राहुल गांधी की अमेरिका, थाईलैंड और म्यांमार में डोनाल्ड लू और ऑपरेशन-पेअर्स के अन्य प्रमुख व्यक्तियों के बीच कई गुप्त बैठकें भी हुईं। इसके अलावा, राहुल गांधी अमेरिकी षडयंत्रकारी धनपशु जॉर्ज सोरोस और उसके बेटे एलेक्स सोरोस के साथ भी बैठकें कर रहे थे, जहां उन्हें न केवल आवश्यक निर्देश और सुझाव मिले, बल्कि सैकड़ों मिलियन डॉलर भी मिले।ऑपरेशन-पेअर्स के तहत, षड्यंत्रकारियों ने प्रमुख व्यापारिक समूहों को निशाना बनाकर भारत की अर्थव्यवस्था, नौकरी के क्षेत्रों और शेयर बाजारों को नष्ट करने की साजिश रची। इस मामले में, अडाणी समूह पहला शिकार बना, जिसके खिलाफ सोरोस के एक वफादार चाटुकार नाथन एंडरसन को उसकी मालिकाना कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के साथ अडाणी समूह और भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के लिए तैनात किया गया था। उल्लेखनीय है कि भारत में 2016 के आम चुनावों में नरेंद्र मोदी की जीत के महीनों बाद जॉर्ज सोरोस ने नाथन एंडरसन को हिंडनबर्ग रिसर्च स्थापित करने का काम सौंपा, भारी धन दिया और भारत में बड़े व्यापारिक समूहों और शेयर बाजारों को निशाना बनाने का उसे निर्देश दिया। अप्रैल 2024 में, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान, जमात-ए-इस्लामी नेताओं और अमेरिकी शासन परिवर्तन टीम के बीच लंदन में एक बैठक हुई। इसके बाद, राहुल गांधी और अमेरिकी शासन परिवर्तन टीम के बीच भी इसी तरह की बैठक हुई, जबकि एक बैठक में राहुल गांधी ने तारिक रहमान के साथ आमने-सामने की बैठक की। जुलाई को जानबूझकर शासन परिवर्तन गतिविधियों को तेज करने के लिए एक महत्वपूर्ण अवधि के रूप में चुना गया था, क्योंकि इस समय बांग्लादेश में अक्सर बाढ़ आती है, जिससे सेना राहत कार्यों में व्यस्त रहती है।जुलाई और अगस्त में बांग्लादेश में शासन परिवर्तन की अंतिम कार्रवाई से पहले, अमेरिकी डीप स्टेट ने अलकायदा, इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) और हमास के स्थानीय फ्रैंचाइजी सहित विभिन्न इस्लामी और जेहादी संगठनों को हथियार मुहैया कराए। हिज्ब उत तहरीर, रोहिंग्या और बांग्लादेश में फंसे हुए पाकिस्तानी पूरी साजिश का अहम हिस्सा बन गए। ज्यादातर हथियार थाईलैंड से म्यांमार के रास्ते लाए गए, जबकि पाकिस्तानी आईएसआई ने अलग-अलग रास्तों से हथियार सप्लाई किए, जिसका समन्वय डोनाल्ड लू ने किया। इसी तरह, हथियार भारत में विभिन्न विद्रोही समूहों के हाथों में पहुंचे। ऑपरेशन पेअर्स से जुड़े खुलासे बांग्लादेश और भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में गुप्त हस्तक्षेप की बेहद परेशान करने वाली तस्वीर पेश करते हैं। विपक्षी ताकतों को व्यवस्थित रूप से वित्तपोषित करना, मीडिया की कहानियों में हेरफेर करना और हथियारों की तस्करी अस्थिरता के उद्देश्य से एक गहरी साजिश का संकेत दे रही है।

मोदी के ...

की ओर से अपने दूसरे कार्यकाल के लिए पदभार संभालने के बाद अमेरिका की अपनी पहली यात्रा पर हैं।पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा दो दिवसीय फ्रांस यात्रा के बाद हो रही है, जिसके दौरान उन्होंने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की और एआई और नागरिक परमाणु ऊर्जा पर सहयोग सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। भारत सरकार के अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मोदी प्राकृतिक गैस, लड़ाकू वाहन और जेट इंजन की खरीद में वृद्धि सहित मुददों पर बात करेंगे।

जानकारी के अनुसार भारतीय अधिकारी व्यापार वार्ता, भारत में अमेरिकी कृषि निर्यात पर संभावित सौदे और परमाणु ऊर्जा में निवेश के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा और सर्जिकल उपकरण और रसायन सहित कम से कम एक दर्जन क्षेत्रों में टैरिफ कटौती पर भी विचार कर रहे हैं। उनकी सोच से परिचित एक अन्य व्यक्ति के अनुसार, ट्रंप की टीम का मानना है कि इन क्षेत्रों में भारत को सुधार करने की आवश्यकता है। नरेंद्र मोदी की अमेरिकी यात्रा ट्रंप की कठोर टैरिफ नीति के साथ, विशेष रूप से एशियाई देशों के प्रति, पीएम मोदी की प्रमुख प्राथमिकता भारत के खिलाफ वाशिंगटन की ओर से किसी भी दंडात्मक व्यापार कार्रवाई को रोकने की संभावना है। भारत-अमेरिका संबंधों के विशेषज्ञों और पर्यवेक्षकों ने कहा कि उच्च टैरिफ से बचने और समग्र व्यापार टोकरी का विस्तार करने के लिए दोनों पक्षों की ओर से व्यापार समझौते पर विचार करने का विकल्प तलाश करने की संभावना है। अपनी बैठक में, दोनों नेता व्यापक रूप से व्यापार, निवेश, ऊर्जा, रक्षा, प्रौद्योगिकी और आव्रजन जैसे क्षेत्रों में भारत-अमेरिका सहयोग को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।पीएम मोदी-ट्रंप मुलाकात पर जनरल एटॉमिक्स ग्लोबल कॉर्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी विवेक लाल ने कहा, मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के रक्षा व्यापार में काफी वृद्धि हुई है और मुझे लगता है कि यह स्थिति बनी रहेगी क्योंकि सबसे बड़े और सबसे पुराने दोनों लोकतंत्र मिलकर काम करेंगे। गौरतलब है कि पीएम मोदी की अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक के एजेंडे में व्यापार, निवेश, रक्षा, ऊर्जा, आव्रजन और भारत-प्रशांत पर दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक अभिसरण, क्षेत्र में चीन की आक्रामकता के लिए एक कोड, क्वाड और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे सहित पश्चिम एशिया की स्थिति से संबंधित मुद्दे शामिल हैं।

पीएम मोदी और ...

इस मीटिंग में दोनों देशों के बीच संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। दोनों नेताओं की यह बातचीत आतंकवाद और उभरते खतरों से निपटने में खुफिया सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चौथे ऐसे विदेशी नेता हैं, जिनकी डोनाल्ड ट्रंप पिछले महीने हुए अपने शपथ ग्रहण समारोह के बाद मेजबानी कर रहे हैं।व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के एक महीने से भी कम समय के भीतर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा और जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय की मेजबानी की है।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हिंद-प्रशांत, यूक्रेन और पश्चिम एशिया के घटनाक्रम की समग्र स्थिति पर भी चर्चा होने की संभावना है। पीएम नरेंद्र मोदी और ट्रंप ने 27 जनवरी को फोन पर बातचीत के दौरान ऊर्जा एवं रक्षा के क्षेत्रों में भारत-अमेरिका सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक विश्वसनीय साझेदारी की दिशा में काम करने का संकल्प जताया था। तब व्हाइट हाउस ने कहा था कि ट्रंप ने अमेरिका में निर्मित सुरक्षा उपकरणों की भारत द्वारा खरीद बढ़ाने और निष्पक्ष द्विपक्षीय व्यापार संबंधों की दिशा में बढ़ने के महत्व पर जोर दिया। ऐसी संभावना है कि बैठक के दौरान मोदी और ट्रंप ऊर्जा संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।इस बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप व्यापार, निवेश, ऊर्जा, रक्षा, प्रौद्योगिकी और आव्रजन जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर व्यापक रूप से ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि अपनी व्यक्तिगत मित्रता के लिए जाने जाने वाले मोदी और ट्रंप के बीच बैठक किस तरह का व्यापक संकेत देती है। बातचीत में आव्रजन और शुल्क जैसे संवेदनशील मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की संभावना है। डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क नीति से दुनिया भर में मची हलचल के बीच मोदी की इस यात्रा की संभवत: यह प्राथमिकता होगी कि अमेरिका द्वारा भारत के खिलाफ की जा सकने वाली व्यापार संबंधी किसी भी कार्रवाई को रोका जा सके। भारत-अमेरिका संबंधों पर करीब से नजर रखने वाले विशेषज्ञों ने संभावना जताई कि दोनों पक्ष उच्च शुल्क से बचने और समग्र व्यापार समझौते पर विचार करने के विकल्प की संभावना तलाश रहे हैं।दोनों देशों के बीच बड़ा मुद्दा व्यापार का भी है क्योंकि ट्रंप की नीति प्रतिद्वंद्वियों और सहयोगियों दोनों पर शुल्क लगाने की है। मोदी की अमेरिका यात्रा ट्रंप द्वारा अमेरिका में वैश्विक इस्पात और एल्यूमीनियम आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क की घोषणा के तुरंत बाद हुई है। इस कदम से अमेरिका को इस्पात और एल्यूमीनियम निर्यात करने वाली भारतीय कंपनियों पर असर पड़ने की आशंका है। भारत ने पहले ही संकेत दिया है कि वह इस संवेदनशील मुद्दे पर ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान अपनाए गए सख्त रुख के विपरीत अपेक्षाकृत समझौतावादी रुख अपनाने के लिए तैयार है। पीएम मोदी की डोनाल्ड ट्रंप से होने वाली मुलाकात पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा, यह बहुत महत्वपूर्ण बात है कि हमारे प्रधानमंत्री राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने का समय पाने वाले पहले विश्व नेताओं में से हैं। यह एक अच्छा संकेत है। वह वाशिंगटन आने वाले चौथे शासनाध्यक्ष हैं और डोनाल्ड प्रशासन को बने हुए अभी एक महीना भी नहीं हुआ है, जो कि बहुत महत्वपूर्ण बात है।

बिल पेश होते...

खड़गे ने कहा कि अगर रिपोर्ट में असहमति के स्वर को जगह नहीं दी गई है तो ऐसी स्थिति में इसे अस्वीकार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट को हर हाल में वापस किया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने कहा कि मुस्लिमों के खिलाफ नफरत का माहौल बनाया जा रहा है। वहीं, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने इसमें गंभीर संवैधानिक खामियां बताईं।

जेपीसी की अगुवाई कर रहे जगदंबिका पाल ने कहा है कि इस बिल पर बहुत चर्चा हुई है। इससे संबंधित हर किसी से बात हुई है। उन्होंने कहा कि पूरे देश से ब्यौरा लेकर रिपोर्ट तैयार की गई है और उसके आधार पर 14 क्लॉज में 25 संशोधन स्वीकार किए गए हैं। जगदंबिका पाल ने कहा कि विपक्ष के कुछ लोग कह रहे हैं कि उनकी बात नहीं सुनी गई, उनका यह कहना पूरी तरह गलत है।सरकार और विपक्ष के बीच वार-पलटवार के बीच सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि जब देश में मंडल कमीशन की रिपोर्ट सामने आई थी। उस समय भी बड़े बदलाव हो रहे थे। सभापति ने कहा, जब भी देश की जनता बदलाव और समस्या का समस्या का समाधान चाहती है तो विरोध की ऐसी घटनाएं भी होती हैं। उन्होंने कहा कि वे 9वीं लोकसभा के सदस्य थे उसी समय मंडल कमीशन की रिपोर्ट आई थी। तत्कालीन सरकार का भी जमकर विरोध हुआ था। अब वक्फ बिल भी वैसा ही इतिहास बनाने जा रहा है। उन्होंने कहा कि तीन सदस्यों समीरुल इस्लाम, नदीमुल हक और मोहम्मद अब्दुल्ला ने सदन के वेल में आकर कार्यवाही को बाधित किया। उन्होंने कहा कि सदन में व्यवस्था बहाल न होने पर विवश होकर उन्हें कड़े फैसले लेने पड़ेंगे। सभापति ने कहा, अगर सदन समय समाप्ति के पहले फैसला नहीं लेता है तो ये संविधान निर्माताओं का अपमान होगा। उन्होंने कहा कि हंगामा करने वाले सदस्यों की संख्या से फर्क नहीं पड़ता। ऐसे बर्ताव की अनदेखी करने के दूरगामी परिणाम होंगे। इससे देशहित खतरे में पड़ सकता है।सभापति की इस टिप्पणी पर इस पर सत्तापक्ष की तरफ से कहा गया कि तीनों सदस्यों को आज पूरे दिन के लिए निलंबित किया जाए। सभापति ने कहा कि इस संबंध में संसदीय नियमावली और कानून का पालन करते हुए जरूरी कार्रवाई की जाएगी। सभापति की इस टिप्पणी के बाद प्रश्नकाल में सवाल-जवाब हुआ। प्रश्नकाल शुरू होने के बाद सीपीआईएम सदस्य जॉन ब्रिटास ने यमन की जेल में बंद भारतीय निमिषा प्रिया की रिहाई को लेकर सवाल पूछा। इस पर जवाब आने से पहले सदन के नेता जेपी नड्डा ने जेपीसी रिपोर्ट पर हंगामा करने वाले विपक्षी सांसदों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्यों को पूरा मौका दिए जाने के बावजूद उन्होंने बेबुनियाद मुद्दों पर हंगामा किया। नड्डा ने कहा कि सभापति ने दरियादिली दिखाते हुए असंसदीय आचरण करने वाले सदस्यों को केवल चेतावनी देकर छोड़ दिया। नड्डा ने कहा कि हंगामा करने वाले विपक्षी सांसद तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं। नड्डा ने कहा कि सभापति को रिपोर्ट से किसी भी अंश को मिटाने का विशेषाधिकार हासिल है, इसके बावजूद जेपीसी की रिपोर्ट का कोई भी हिस्सा नहीं हटाया गया है।नड्डा ने कहा कि कुछ लोग देश को तोड़ने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष का वॉकआउट दिखाता है कि वे देशद्रोही गतिविधियों को प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रहे हैं। यह ऑन रिकॉर्ड आना चाहिए कि कुछ लोग देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने की मंशा रखते हैं। विपक्षी सांसदों के बयान के बाद सभापति धनखड़ ने कहा कि पहली बार देश के इतिहास में एक बौद्ध धर्म के अनुयायी सांसद को अल्पसंख्यक मामलों का मंत्री बनाया गया है। वे पूरी दुनिया में देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके बाद केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि सचिवालय से इस बात की पुष्टि कराई गई है कि जेपीसी रिपोर्ट का कोई भी हिस्सा डिलीट नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्यों ने जेपीसी को और समय देने की मांग की है। इस पर वे आश्वस्त करना चाहते हैं कि इस जेपीसी की तरह के व्यापक विचार विमर्श और मंथन का काम किसी भी समिति ने इतिहास में नहीं किया है। इसके बाद सदन में प्रश्नकाल की शुरुआत हुई।कर्नाटक से निर्वाचित कांग्रेस सांसद सैयद नासिर हुसैन ने केंद्रीय मंत्री रिजिजू पर संसद को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी तरफ से प्रकट की गई असहमति के अंशों को हूबहू जेपीसी की रिपोर्ट का हिस्सा नहीं बनाया गया है। सरकार राज्यसभा में गलत जानकारी दे रही है। उनके अलावा पश्चिम बंगाल से निर्वाचित तृणमूल कांग्रेस सांसद साकेत गोखले ने भी कहा, वे सदन के पटल पर ऑन रिकॉर्ड यह बयान दर्ज कराना चाहते हैं कि असहमति के अंशों को असंसदीय और सनसनी पैदा करने का प्रयास बताकर जेपीसी की रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है।संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि जेपीसी की रिपोर्ट से किसी हिस्से को हटाने का आरोप बिल्कुल झूठा है। उन्होंने कहा कि किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया गया है। अब सदन के पटल पर रिपोर्ट पेश किए जाने पर विपक्षी सदस्य गुमराह कर रहे हैं। रिजिजू ने कहा कि असहमति के तमाम बयानों को भी जेपीसी की रिपोर्ट में शामिल किया गया है। सभी बातें सदन के रिकॉर्ड में हैं। विपक्ष का व्यवहार निंदनीय है। सभापति धनखड़ ने सरकार की तरफ से दिए गए स्पष्टीकरण के बावजूद राज्यसभा में हंगामा करने के लिए विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्यमंत्री ने बिल्कुल साफ शब्दों में सदन को आश्वस्त किया है कि जेपीसी रिपोर्ट के किसी भी हिस्से को डिलीट नहीं किया गया है। सदन के रिकॉर्ड पर झूठा बयान नहीं दिया जा सकता। हंगामे के बीच केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी विपक्षी सदस्यों के आचरण की निंदा की।जेपीसी रिपोर्ट को लेकर हंगामा नहीं थमने पर सभापति धनखड़ ने कई बार सदस्यों को सख्त कार्रवाई के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि अपने आचरण से वे कोई भी ऐसी अप्रिय स्थिति पैदा न करें जिससे विवश होकर उन्हें कड़े फैसले लेने पड़ें। जेपीसी की रिपोर्ट को लेकर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री ने कहा कि संसदीय नियमावली में नियम 72 से 92 तक चयन समिति से जुड़े नियमों का उल्लेख किया गया है। उन्होंने नियमों का हवाला देते हुए साफ किया कि सभापति को पूरा अधिकार है कि किसी रिपोर्ट को स्वीकार करना सभापति का विशेषाधिकार है। उन्होंने कहा कि सभापति को नियमों के तहत शक्तियां प्रदत्त हैं। इसलिए सभापति के फैसले को गलत नहीं बताया जा सकता। विपक्ष की आपत्ति बेबुनियाद और तथ्यहीन है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जेपीसी की रिपोर्ट नियमों के तहत तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि जेपीसी की रिपोर्ट सदन में पेश किए जाने के बाद विपक्ष उस पर चर्चा के लिए स्वतंत्र है। विपक्ष जानबूझकर गतिरोध और व्यवधान पैदा कर रहा है।

दलाई लामा...

सरकार ने केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की समीक्षा के बाद उन्हें एक समान सुरक्षा कवर प्रदान किया है।

सन 1935 में ल्हामो थोंडुप के रूप में जन्मे दलाई लामा को दो साल की उम्र से ही अपने पूर्ववर्ती तिब्बती धर्मगुरु का पुनर्जन्म माना गया है। उन्हें सन् 1940 में तिब्बत की राजधानी ल्हासा में 14वें दलाई लामा के रूप में तिब्बती धर्मगुरु की मान्यता दी गई थी। सन् 1950 में चीन ने तिब्बत पर हमला किया। दलाई लामा सन् 1959 में चीन के खिलाफ एक विद्रोह के असफल होने के बाद भारत आ गए थे। तब से वे हिमाचल प्रदेश के शहर धर्मशाला में निर्वासन में रह रहे हैं। सन् 1989 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। दलाई लामा ने मॉनेस्टिक शिक्षा प्राप्त की है और वह सालों से तिब्बतियों को न्याय दिलाने के लिए संघर्षरत हैं। वह छह महाद्वीपों और 67 से ज्यादा देशों की यात्रा कर चुके हैं। चीन के तिब्बत पर कब्जे के बाद भारत में दलाई लामा को आए हुए 62 साल से ज्यादा हो गए हैं।

63 साल पुराना...

कि इसके जरिए मौजूदा आयकर अधिनियम को चुस्त-दुरुस्त किया गया है। इसमें करों से जुड़ा कोई बड़ा बदलाव नहीं किया जा रहा है। नया आयकर विधेयक 622 पन्नों का है, जबकि वर्तमान आयकर अधिनियम में सभी संशोधनों के साथ 1647 पृष्ठ हैं। नए विधेयक में 298 मौजूदा धाराओं के मुकाबले 536 धाराएं हैं। नए विधेयक का उद्देश्य धाराओं की संख्या में 25-30 प्रतिशत की कमी करना है, जिससे कर संहिता अधिक सरल और उपयोगकर्ता के अनुकूल बन जाएगी।नए आयकर विधेयक में कर निर्धारण वर्ष, पिछले वर्ष और वित्तीय वर्ष की अवधारणा को समाप्त कर केवल कर वर्ष की बात कही गई है। नया कानून अमल में आने से उन्हें कई दुविधाओं से निजात मिलेगी। उदाहरण के लिए 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक को कर वर्ष 2025-26 कहा जाएगा। मतलब वित्तीय वर्ष के पूरे 12 महीने को अब सिर्फ कर वर्ष कहा जाएगा। कुल आय के दायरे के संदर्भ में, नया विधेयक मौजूदा कर सिद्धांतों को बनाए रखते हुए कुछ स्पष्टीकरण करता है। पिछले कानून के तहत, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 5 और 9 में कहा गया था कि भारतीय निवासियों पर उनकी वैश्विक आय पर कर लगाया जाता था, जबकि गैर-निवासियों पर केवल भारत में अर्जित आय पर कर लगाया जाता था।नए आयकर विधेयक में बजट 2025-26 में की गई घोषणा के अनुसार 12 लाख रुपए तक की आय अब कर से मुक्त करने की बात कही गई है। 75,000 रुपए की मानक कटौती के साथ वेतनभोगी करदाताओं के लिए 12 लाख 75 हजार तक की आमदनी कर-मुक्त जाएगी। संशोधित कर स्लैब और छूट की सीमा बढ़ने से मध्यम वर्ग को राहत मिलने की उम्मीद है। संभावित रूप से नया आयकर कानून अमल में आने के बाद उपभोक्ता खर्च और बचत को बढ़ावा मिलेगा। इससे पहले, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 और 80सी से 80यू के तहत निवेश, दान और विशिष्ट व्यय में कटौती की अनुमति थी।नए आयकर विधेयक में अपडेटेड रिटर्न दाखिल करने की समय-सीमा दो साल से बढ़ाकर चार साल करने का प्रस्ताव है। इससे करदाताओं को किसी भी चूक या त्रुटि को सुधारने के लिए अतिरिक्त समय मिल जाता है। सरकार का मानना है कि इन बदलावों से कर अनुपालन आसान हो जाएगा और सभी श्रेणियों के करदाताओं के लिए निष्पक्ष कर संरचना सुनिश्चित होगी। नया आयकर विधेयक, धारा 67 से 91 में, आभासी डिजिटल परिसंपत्तियों के लिए स्पष्ट प्रावधान की बात कही गई है। नया विधयेक यह सुनिश्चित करता है कि क्रिप्टोकरेंसी जैसी डिजिटल परिसंपत्तियां उचित कर ढांचे के अंतर्गत आती हैं। यह आभासी डिजिटल परिसंपत्ति और इलेक्ट्रॉनिक मोड को भी परिभाषित करता है, जो आज के वित्तीय परिदृश्य में डिजिटल लेनदेन और क्रिप्टोकरेंसी के बढ़ते महत्व को दर्शाता है।गैर-लाभकारी संगठनों के लिए, धारा 11 से 13 के तहत पिछले कानून में कुछ धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए आयकर छूट प्रदान की गई थी, लेकिन इसमें अनुपालन संबंधी सीमित दिशा-निर्देश थे। नया विधेयक, धारा 332 से 355 में, अधिक विस्तृत रूपरेखा स्थापित करता है, जिसमें कर योग्य आय, अनुपालन नियम और वाणिज्यिक गतिविधियों पर प्रतिबंधों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। यह एक सख्त अनुपालन व्यवस्था पेश करता है। नया विधेयक, धारा 11 से 154 के अंतर्गत, स्टार्टअप, डिजिटल व्यवसायों और नवीकरणीय ऊर्जा निवेशों का समर्थन करने के लिए कटौती के नए प्रावधान प्रस्तुत करता है। पूंजीगत लाभ कर शब्द में भी परिवर्तन का प्रस्ताव है। हालांकि पूंजीगत लाभ की दरों में किसी परिवर्तन की बात नहीं गई है। पिछले कानून के अंतर्गत, धारा 45 से 55- ने प्रतिभूतियों के लिए विशेष कर दरों के साथ, होल्डिंग अवधि के आधार पर पूंजीगत लाभ को अल्पकालिक और दीर्घकालिक में वर्गीकृत किया था।नए आयकर बिल में स्टैंडर्ड डिडक्शन में किसी बदलाव की बात नहीं की गई है। ऐसे में नए कानून में ही यदि आप नौकरीपेशा हैं तो पुरानी रिजीम के तहत आपको 50,000 रुपए के स्टैंडर्ड डिडक्शन का ही लाभ मिलेगा। वहीं अगर आप नई टैक्स रिजीम का विकल्प चुनते हैं तो आपको स्टैंडर्ड डिडक्शन के तहत 75,000 रुपए तक छूट का लाभ मिलेगा। नए कानून के तहत टैक्स की दरों में भी कोई बदलाव नहीं होगा। नए आयकर विधेयक में सीबीडीटी के अधिकारों में भी बदलाव की बात कही गई है बिल के मुताबिक, पहले आयकर विभाग को टैक्स से जुड़ी योजनाएं शुरू करने के लिए संसद से संपर्क करना होता था, लेकिन न्यू टैक्स एक्ट 2025 के मुताबिक, अब सीबीडीटी स्वतंत्र रूप से ऐसी योजनाएं शुरू कर सकेगी। इसका मकसद नौकरशाही में होने वाली देरी को खत्म करना है।नए आयकर विधेयक में पेंशन, एनपीएस योगदान और बीमा पर करों में छूट जारी रखने का प्रस्ताव है। रिटायरमेंट फंड, ग्रेचयुटी और पीएफ में योगदान को भी आयकर छूट के दायरे में रखने की बात कही गई है। ईएलएसएस म्यूचुअल फंड में निवेश पर भी कर में छूट की बात कही गई है। नए आयकर बिल में सरकार ने कृषि से होने वाली आमदनी को कुछ शर्तों के साथ कर मुक्त रखने का प्रस्ताव किया है। इसके अलावे दान में दी गई राशि पर भी छूट मिलनी जारी रहेगी। इलेक्टोरल ट्रस्ट को भी टैक्स छूट देने की बात कही गई है। इसके अलावे मौजूदा आयकर प्रणाली को अधिक पारदर्शी और आधुनिक बनाने के लिए ई-केवाईसी और ऑनलाइन कर भुगतान को अनिवार्य करने का प्रस्ताव है।

150 साल...

गुंबद ईंट से बना है, और कहा जाता है कि पृथ्वीराज द्वारा इसे फिर से बनाया गया था। (जैसा कि अब है) गोलाकार गुंबद एक अष्टकोण पर खड़ा है, और अष्टकोण एक वर्ग पर। केंद्रीय वर्गाकार हिंदू मंदिर की दीवारें पत्थर से ढकी व बड़ी ईंटों से बनी हुई प्रतीत होती हैं, लेकिन दीवारों पर जिस प्लास्टर से लेप किया है, वह उस सामग्री को छिपाता है, जिससे वह बनी हैं।

ब्रिटिश पुरातत्ववेत्ता ने लिखा है, मैं केवल इतना कह सकता हूं कि कई स्थानों की जांच करने पर जहां प्लास्टर टूटा हुआ था, मैंने पाया कि कुछ स्थानों पर पत्थर उजागर थे। मेरा मानना है कि मुसलमानों ने अधिकांश पत्थर हटा दिए, विशेष रूप से वह, जो हिंदू धर्म के निशान थे, और पत्थरों का फर्श बनाया। मूर्तियों को नीचे की ओर मोड़ दिया। मैंने निशान देखे जो दिखाते हैं कि पत्थर के आवरण के समय दीवारें बहुत मोटी थीं। बाहरी प्रांगण की बाहरी सीढ़ियों के नीचे मैंने लाल बलुआ पत्थर में मूर्तिकला के कुछ टुकड़े खोदे, जिनमें से एक-एक नालीदार स्तंभ का ऊपरी भाग था।

मुरादाबाद के कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने कहा, आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की 1874-75 की रिपोर्ट में भी संभल की जामा मस्जिद में हिंदू मंदिर के साक्ष्य बताए गए हैं। इस रिपोर्ट को जिन्होंने तैयार किया वह न तो हिंदू थे और न मुस्लिम। जहां तक नए मामले में गृह मंत्रालय को रिपोर्ट भेजने का सवाल है तो संभल प्रशासन इस दिशा में कार्य कर रहा है।

29 मार्च को सूर्य ग्रहण : सभी 12 राशियों के जीवन पर प्रभाव और उपाय

29 मार्च 2025 को लगने वाला सूर्य ग्रहण खगोलीय और ज्योतिषीय दृष्टि से एक महत्वपूर्ण घटना होगी। यह ग्रहण भले ही भारत में दृश्य न हो, लेकिन इसका प्रभाव सभी राशियों पर किसी न किसी रूप में पड़ेगा। खासतौर पर, जिन लोगों की कुंडली में सूर्य, चंद्रमा या अन्य प्रमुख ग्रह राशि में स्थित हैं, उन्हें इस ग्रहण के प्रभाव को अधिक महसूस करने को मिलेगा। पंडित सौरभ त्रिपाठी बता रहे हैं कि इस ग्रहण का सभी 12 राशियों के जातकों के जीवन पर क्या अनुकूल और प्रतिकूल प्रभाव पड़ने वाला है।

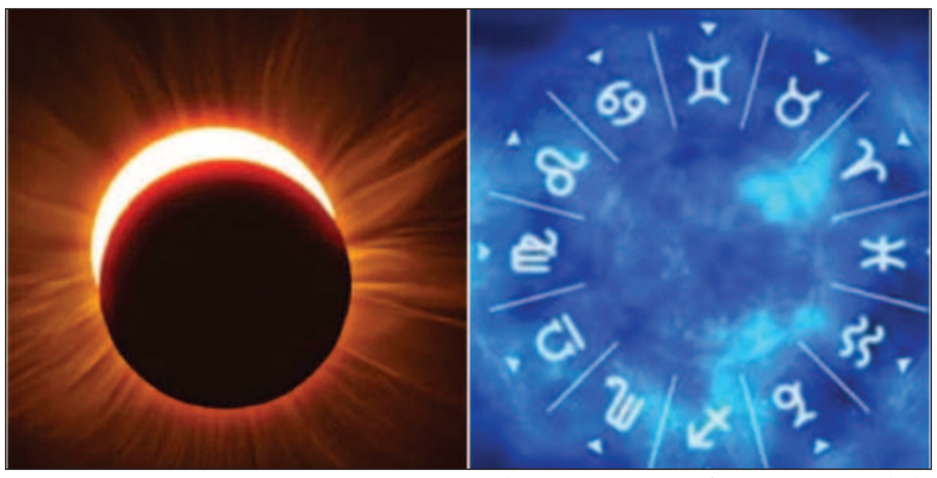

ग्रहण की खगोलीय जानकारी

ग्रहण की तिथि: 29 2025

ग्रहण का प्रकार: आंशिक सूर्य ग्रहण

भारत में दृश्यता: यह ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा।

ग्रहण को देखने वाले क्षेत्र: यूरोप, एशिया, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, अटलांटिक महासागर और आर्कटिक क्षेत्र।

ज्योतिषीय दृष्टि से महत्वपूर्ण राशि: मीन

सूर्य ग्रहण तब होता है जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य बीच आ जाता है, जिससे सूर्य का कुछ या पूरा भाग ढक जाता है। इस बार, यह ग्रहण मीन राशि में हो रहा है, इसलिए इसका प्रभाव विशेष रूप से इस राशि और अन्य जल तत्व से संबंधित राशियों (कर्क और वृश्चिक) पर अधिक पड़ेगा।

सूर्य ग्रहण का ज्योतिषीय

चूंकि यह ग्रहण मीन राशि में घटित होगा, इसलिए इसका प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग रूप में देखने को मिलेगा।

मेष राशि – बारहवां भाव

ग्रहण आपके 12वें भाव में होगा, जिससे मानसिक तनाव बढ़ सकता है और अनावश्यक खर्चों में वृद्धि हो सकती है। आध्यात्मिक गतिविधियों में बढ़ेगी और विदेश यात्रा के योग बन सकते हैं।

उपाय: भगवान हनुमान की पूजा करें, हनुमान चालीसा का पाठ करें और हनुमान जी को गुड़-चने का भोग लगाएं।

वृषभ राशि – ग्यारहवां भाव

यह ग्रहण आपके 11वें भाव में पड़ रहा है, जिससे आर्थिक लाभ के अवसर मिल हैं। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और नए संपर्क लाभकारी साबित होंगे।

उपाय: विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें और गरीबों को भोजन कराएं।

मिथुन राशि– दशम भाव

ग्रहण आपके 10वें भाव में होने से करियर में बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। कार्यस्थल पर सतर्क रहने की आवश्यकता और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंध मधुर बनाकर रखें।

उपाय: सूर्य को जल अर्पित करें और ॐ घृणिः सूर्याय नमः मंत्र का 108 बार जाप करें।

कर्क राशि – नवम भाव

9वें भाव में ग्रहण होने से भाग्य और धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। लंबी दूरी की यात्राओं योग बन सकता है और शिक्षा से जुड़े लोगों के लिए सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

उपाय: माता दुर्गा की पूजा करें और 9 कन्याओं को भोजन कराएं।

सिंह राशि – अष्टम भाव

8वें भाव में ग्रहण होने से स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ परेशानियां हो सकती हैं। अचानक हानि या पारिवारिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, इसलिए सतर्क रहें।

उपाय: महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें और भगवान शिव की आराधना करें।

कन्या राशि – सप्तम भाव

7वें भाव में ग्रहण होने से दांपत्य जीवन में उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। व्यापार में भी सावधानी बरतने की जरूरत

उपाय: शिवलिंग पर जल चढ़ाएं और शिव चालीसा का पाठ करें।

तुला राशि – षष्ठ भाव

6वें भाव में ग्रहण होने से शत्रु सक्रिय हो सकते हैं और स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ सकता है। किसी भी कानूनी मामले में सतर्कता बरतें।

उपाय: हनुमान जी को गुड़-चने का लगाएं और मंगल मंत्र का जाप करें।

वृश्चिक राशि – पंचम भाव

5वें भाव में ग्रहण होने से प्रेम जीवन में बदलाव आ सकते हैं और विद्यार्थियों को पढ़ाई पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

उपाय: माता सरस्वती की पूजा करें और जरूरतमंद छात्रों को शिक्षण सामग्री करें।

धनु राशि – चतुर्थ भाव

4वें भाव में ग्रहण होने से पारिवारिक जीवन में कुछ तनाव हो सकता है। माता से संबंधित स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

उपाय: तुलसी को जल अर्पित करें और ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करें।

मकर राशि – तृतीय

3वें भाव में ग्रहण होने से यात्राओं के योग बन सकते हैं और भाई-बहनों से संबंध मधुर होंगे।

उपाय: सुंदरकांड का पाठ करें और हनुमान जी को सिंदूर अर्पित करें।

कुंभ राशि – द्वितीय भाव

2वें भाव में ग्रहण होने से आर्थिक मामलों में सतर्कता बरतनी होगी और भी तरह के विवाद में न उलझें।

उपाय: भगवान विष्णु की पूजा करें और गरीबों को अन्न दान करें।

मीन राशि – प्रथम भाव

ग्रहण आपकी ही राशि में होगा, जिससे मानसिक और आध्यात्मिक बदलाव हो सकते हैं। भावनात्मक रूप से अस्थिरता महसूस कर सकते हैं, लेकिन ध्यान मंत्र जाप से राहत मिलेगी।

उपाय: भगवान शिव को जल और बेलपत्र अर्पित करें और महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।

सूर्य ग्रहण के सामान्य उपाय

* ग्रहण के दौरान कोई नया कार्य न करें।
* ग्रहण समाप्त होने के बाद स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
* भगवान शिव, विष्णु और देव की आराधना करें।
* गरीबों और जरूरतमंदों को अन्न और वस्त्र दान करें।
* गर्भवती महिलाओं को ग्रहण के दौरान विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

निष्कर्ष

29 मार्च 2025 का सूर्य ग्रहण ज्योतिषीय दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। खासतौर पर मीन, कर्क और वृश्चिक राशि के जातकों को सतर्क रहने की आवश्यकता इस ग्रहण के प्रभाव को कम करने के लिए ऊपर बताए गए उपायों का पालन करें।

मंत्र को गुप्त क्यों रखा जाता है?

मंत्र दीक्षा का अर्थ है कि जब तुम करते हो तो गुरु तुम में प्रवेश कर जाता हैश्र वह तुम्हारे शरीर, मन, आत्मा में प्रविष्ट हो जाता है। गुरु तुम्हारे अंतस में जाकर तुम्हारे अनुकूल ध्वनि की खोज करेगा। वह तुम्हारा मंत्र होगा। और जब तुम उसका उच्चारण करोगे तो तुम एक भिन्न आयाम में एक भिन्न होओगे। जब तक समर्पण नहीं होता, मंत्र नहीं दिया जा सकता है।

मंत्र देने का अर्थ है कि गुरु ने तुम में प्रवेश किया है, गुरु ने तुम्हारी गहरी लयबद्धता को, तुम्हारे प्राणों के संगीत को अनुभव किया है। और फिर वह तुम्हें प्रतीक रूप में एक मंत्र देता जो तुम्हारे अंतस के संगीत से मेल खाता हो। और जब तुम उस मंत्र का उच्चार करते हो तो तुम आंतरिक संगीत के जगत में प्रवेश कर जाते हो, तब आंतरिक लयबद्धता उपलब्ध होती है।

मंत्र तो सिर्फ चाबी है। और चाबी तब तक नहीं दी जा सकती जब ताले को न जान लिया जाए। मैं तुम्हें तभी चाबी दे सकता हूं जब तुम्हारे ताले को समझ लूं। चाबी तभी सार्थक है जब वह ताले को खोले। किसी भी चाबी से काम नहीं चलेगा। प्रत्येक आदमी विशेष ढंग का ताला है, उसके लिए विशेष ढंग की चाबी जरूरी यही कारण है कि मंत्रों को गुप्त रखा जाता है। अगर तुम अपना मंत्र किसी और को बताते हो तो वह उसका प्रयोग कर सकता है।

यही कारण है कि लोगों को अपने-अपने मंत्र गुप्त रखने चाहिए, उन्हें सार्वजनिक बनाना ठीक नहीं है। वह खतरनाक है। तुम दीक्षित हुए तो तुम जानते हो, तुम उसका मूल्य जानते हो, तुम उसे बांटते नहीं फिर सकते। यह दूसरों के लिए हानिकर हो सकता है। यह तुम्हारे लिए भी हानिकर हो सकता है। इसके कई कारण हैं। पहली बात कि तुम वचन तोड़ रहे हो। और जैसे ही वचन टूटता है, के साथ तुम्हारा संपर्क टूट जाता है। फिर तुम गुरु के संपर्क में नहीं रहोगे।

वचन पालन करने से ही सतत संपर्क कायम रहता है। दूसरी बात, दूसरे को बताने से, दूसरे के साथ उसके संबंध में बातचीत करने से मंत्र मन की सतह पर चला आता है और गहरी जड़ें टूट जाती हैं। तब मंत्र गपशप का हिस्सा बन जाता है। और तीसरा कारण है कि गुप्त रखने से मंत्र गहराता है। जितना गुप्त रखोगे वह उतना ही गहरे जाएगा, उसे गहरे में जाना ही होगा। मारपा के संबंध में खबर है कि जब उसके गुरु ने गुह्य मंत्र दिया तो उससे वचन ले लिया कि वह उसे बिलकुल गुप्त रखेगा। उसे कहा गया कि तुम इसे किसी को भी नहीं बताओगे। फिर मारपा का गुरु उसके स्वप्न में प्रकट हुआ और उसने पूछा कि तुम्हारा मंत्र क्या है? और स्वप्न में भी मारपा ने वचन पालन किया; उसने बताने से इनकार कर दिया। और कहा जाता है कि इस भय से कि कहीं स्वप्न में गुरु फिर प्रकट हों या किसी को भेजें और वह इतनी नींद में हो कि गुप्त मंत्र को प्रकट कर दे और वचन टूट जाए, मारपा ने बिलकुल सोना छोड़ दिया। वह सोता ही नहीं था। ऐसे सोए बिना मारपा को सात आठ दिन हो गए थे। फिर जब उसके गुरु ने पूछा कि तुम सोते क्यों नहीं हो? मैं देखता हूं कि तुमने सोना छोड़ दिया है। बात क्या है? मारपा ने गुरु से कहा : आप साथ चालबाजी कर रहे हैं। आपने स्वप्न में आकर मुझसे मेरा मंत्र पूछा था। मैं आपको भी नहीं बताने वाला हूं। जब वचन दे दिया तो मैं उसका स्वप्न में भी पालन करूंगा। लेकिन फिर मैं डर गया। नींद में, कौन जाने, किसी दिन मैं भूल भी सकता हूं! तुम अपने वचन के प्रति इतने सावधान हो कि स्वप्न में भी उसका स्मरण रहता है तो उसका अर्थ है कि वह गहराई में उतर रहा है।

वह अंतस में उतर रहा है; वह अंतरस्थ प्रदेश में प्रवेश कर रहा है। और वह जितनी गहराई को छुएगा, वह उतना तुम्हारे लिए चाबी बनता जाएगा। क्योंकि ताला तो अंतर्तम में है। किसी चीज के साथ भी प्रयोग करो। अगर तुम उसे गुप्त रख सके तो वह गहराई प्राप्त करेगा। और अगर तुम उसे गुप्त न रख सके तो वह बाहर निकल आएगा। तुम क्यों कोई बात दूसरे से कहना हो? तुम क्यों बातें करते रहते हो? सच तो यह है कि जिस चीज को तुम कह देते हो, उससे मुक्त हो जाते हो। एक बार तुमने किसी से कह दिया, तुम्हारा उससे छुटकारा हो जाता है। वह चीज बाहर निकल गई।

मनोविश्लेषण का पूरा धंधा इसी पर खड़ा रोगी बोलता रहता है और मनोविश्लेषक सुनता रहता है। इससे रोगी को राहत मिलती है। वह अपनी समस्याओं के बारे में, अपने दुख के बारे में जितना ही बोलता है, वह उनसे उतनी ही छुट्टी पा लेता है। और इसके ठीक विपरीत घटित होता है जब तुम किसी चीज छिपाकर रखते हो, गुप्त रखते हो। इसीलिए तुम्हें कहा जाता है कि मंत्र को किसी से कभी मत कहो। तब वह गहरे से गहरे तल पर उतरता जाता है और किसी दिन ताले को खोल देता है।

शनि की चाल बदलने से बन जाएंगे रंक से राजा मार्च में ये राशि वाले बनाएंगे बेशुमार दौलत

ज्योतिष शास्त्र की जानकारी रखने वालों में शनि का बहुत खौफ होता है। 9 में शनि एकमात्र ऐसे ग्रह हैं, जिसको कोई भी नाराज नहीं करना चाहता है। यह गुस्से में किसी को भी ऐसे कष्ट में देते हैं, जिससे वह मिट्टी मिल सकता है। किसी को इनका आशीर्वाद मिल जाए तो, रंक से राजा भी सकता है।

शनि अभी कुंभ राशि में लेकिन 29 मार्च 2025 को वह गुरु ग्रह की राशि मीन में प्रवेश कर लेंगे। वह 30 साल बार मीन राशि में गोचर करेंगे, जो कि एक बड़ा परिवर्तन होने वाला है। इसका कई राशियों पर बहुत ही खराब असर पड़ने वाला है, लेकिन 3 राशियों के लिए यह ही शुभ है।

इन राशियों को शनि का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे उनको करियर व कारोबार में बहुत ही लाभ मिलेगा। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि वह राशियां कौन सी हैं, जिनको शनि गोचर का लाभ मिलने वाला है।

वृषभ राशि की बदल जाएगी जिंदगी

वृषभ राशि के के लिए शनि का मीन राशि में गोचर चमत्कारिक परिवर्तन लेकर आएगा। इनकी जिंदगी के सारे कष्ट खत्म हो जाएंगे। इनको नौकरी व व्यापार में सफलता मिलेगी, जिससे आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत होगी। नौकरी वालों को प्रमोशन मिलेगा, जिससे मन खुश रहेगा। शत्रुओं की आपके सामने हार होगी।

आपकी लाइफ व मैरिड लाइफ शानदार हो जाएगी। परिवार के साथ कहीं बाहर यात्रा पर जाने का मन बना सकते हैं, जिससे प्यार बढ़ेगा।

तुला राशि पर मेहरबान रहेंगे शनि

तुला राशि के जातकों को शनि का आशीर्वाद मिलेगा। आपको कोर्ट कचहरी से निजात मिलेगी। केस में जीत मिल सकेगी। वाले जातकों को प्रमोशन मिलने की संभावना है। इस दौरान आपके पास एक बड़ा प्रोजेक्ट आने वाला है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, जिससे परिवार व समाज में सम्मान बढ़ेगा।

मकर राशि वालों का बढ़ेगा साहस

मकर राशि के जातकों के लिए शनि महाराज का राशि परिवर्तन शुभ रहेगा। जीवन आने वाली हर समस्या का समाधान होगा। आपकी सारी रुकावटें दूर हो जाएंगी।

आपकी तरक्की के रास्ते खुलेंगे, जिससे आर्थिक स्थिति दूर होगी। ऐसे में कर्ज से निजात मिलेगा और मानसिक तनाव कम होगा। नौकरी व व्यापार में लाभ होगा।

नर्मदा नदी का हर पत्थर क्यों कहलाता है शिवलिंग? पूजा से मिलते हैं कई लाभ

भारत में ऐसी कई नदियां मौजूद हैं, जिनके अस्तित्व की कथा पौराणिक काल से जुड़ी हुई है। आज हम आपको एक ऐसी ही नदी यानी नर्मदा नदी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी उत्पत्ति की कथा भगवान शिव संबंधित मानी जाती है।

कैसे हुआ नर्मदा नदी का उद्गम

नदी के तट पर पाए जाने वाले शिवलिंग के आकार के पत्थरों को नर्मदेश्वर शिवलिंग या बाणलिंग कहा जाता है। कथा के अनुसार, एक बार भगवान शिव घोर तपस्या कर रहे थे, जिससे उनके शरीर से पसीना लगा। शिव जी के पसीने से नर्मदा नदी का उद्गम हुआ।

शिवलिंग उत्पत्ति की कथा

वहीं शिवलिंग की उत्पत्ति को लेकर यह कथा मिलती है कि नर्मदेश्वर या बाणलिंग शिवलिंग की उत्पत्ति भगवान शिव के एक दिव्य बाण से हुई थी। कथा के अनुसार, जब भगवान शिव ने राक्षस का वध किया, तो उनके धनुष से एक शक्तिशाली बाण गिरा। इस बाण के गिरने से नर्मदा नदी के जल में शिवलिंग उत्पन्न हो गए। यही कारण है कि नर्मदा नदी के शिवलिंग को बाणलिंग भी कहा जाता है।

मिलती है एक और कथा

वहीं शिवलिंग उत्पत्ति को लेकर कथा भी मिलती है कि एक बार नर्मदा नदी ने अपनी कड़ी तपस्या से ब्रह्मा जी को प्रसन्न किया और यह वर मांगा कि मुझे गंगा जितनी ही प्रसिद्धि और पवित्रता मिले। इस पर ब्रह्मा जी ने कहा कि अगर कोई दूसरा देवता भगवान शिव और विष्णु जी की कर लेगा, तो कोई दूसरी नदी भी गंगा के समान पवित्र हो जाएगी। तब नर्मदा ने भगवान शिव की आराधना शुरू की, जिससे महादेव प्रसन्न हुए। तब नर्मदा ने उनसे यह वरदान मांगा कि मेरी भक्ति आपके चरणों में बनी रहे। इससे शिव शंकर काफी प्रसन्न हुए और उन्होंने को यह वरदान दिया कि तुम्हारे तट पर जितने भी पत्थर हैं, वह मेरे वरदान से शिवलिंग स्वरूप हो जाएंगे।

मिलते हैं ये लाभ

नर्मदा नदी के तट पर पाए जाने वाले नर्मदेश्वर शिवलिंग में दिव्य ऊर्जा का वास माना गया है। इसी के साथ इस शिवलिंग की पूजा अत्यंत शुभ और फलदायी माना गया है। नर्मदेश्वर शिवलिंग की पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से साधक के जीवन में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। साथ ही रोजाना इस शिवलिंग की पूजा से सभी प्रकार के रोग व दोष भी दूर होते हैं।

18 को यशोदा जयंती मनाई जाएगी

व्रत से संतान को मिलता है लंबी उम्र का वरदान

हर साल फाल्गुन महीने की कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि पर यशोदा जयंती मनाई जाती है। यशोदा का जन्म ब्रज में स्थित सुमुख नाम के गोप और उनकी पत्नी पाटला के यहां हुआ था। ऐसे में चलिए जानते हैं कि इस साल यशोदा जयंती कब मनाई जाएगी और आप किस तरह इस दिन पर भगवान श्रीकृष्ण की कृपा के पात्र बन सकते हैं।

यशोदा जयंती शुभ

फाल्गुन महीने की कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि 18 फरवरी को प्रातः 04 बजकर 53 मिनट पर शुरू हो रही है। वहीं इस षष्ठी तिथि समापन 19 फरवरी को सुबह 07 बजकर 32 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि को देखते हुए मंगलवार, 18 को यशोदा जयंती मनाई जाएगी।

कैसे करें पूजा

यशोदा जयंती के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर मां यशोदा को स्मरण करें। दैनिक कार्यों से निवृत होने के बाद गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें और साफ-सुथरे कपड़ें पहनें। इसके बाद पूजा-स्थल की साफ-सफाई करें। अब आमचन कर व्रत संकल्प मां यशोदा की पूजा में उन्हें फल, फूल, दूर्वा, सिंदूर और अक्षत आदि अर्पित करें।

प्रसाद के रूप में आप मां यशोदा को फल, हलवा, मिठाई अर्पित कर सकते हैं। अंत में माता यशोदा और बाल गोपाल की आरती करते हुए परिवार के कुशल मंगल की कामना करें। दिन

उपवास रखें और शाम के समय पूजा के बाद फलाहार करें। इस दिन आपको भगवान श्रीकृष्ण के मंत्रों का जप करने से भी काफी लाभ मिल सकता है।

करें इन मंत्रों का जप

ॐ यशोदे नमः
ऊं नमो भगवते वासुदेवाय नमः
ऊं कृं कृष्णाय नमः
ऊं गोवल्लभाय स्वाहा नमः
ऊं क्लीं ग्लौं क्लीं श्यामलांगाय नमः
ऊं नारायणाय विद्महे, वासुदेवाय धीमहि, तन्नो कृष्णः प्रचोदयात
कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने
प्रणतः क्लेशनाशाय गोविंदाय नमो नमः

अक्षरा सिंह का होली स्पेशल धमाल

विशाल सिंह के साथ 'रंग पिया डाली' में आईं नजर

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह फागुन की तैयारी में जुट चुकी हैं। अपने नए गाने के वह प्रशंसकों को तोहफा दे चुकी हैं। अभिनेत्री की झलक सामने आई है, जिसमें वह अपने नए गाने 'रंग पिया डाली' गाने पर अभिनेता और 'बिग बॉस' के पूर्व प्रतियोगी विशाल आदित्य सिंह के साथ डांस करती नजर आईं।

बता दें, अक्षरा सिंह वर्तमान में अपनी भोजपुरी फिल्म की के लिए वाराणसी में हैं। इस दौरान अभिनेत्री ने विशाल आदित्य सिंह के साथ होली की मस्ती से भरा गाना शूट करती दिखीं और होली के रंग में रंगी विशाल सिंह के साथ थिरकती नजर आईं। अक्षरा का नया भोजपुरी गाना मंगलवार को जारी हो चुका है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस गाने में अभिनेत्री सफेद सलवार-कुर्ती में दिखीं। अक्षरा सिंह का होली स्पेशल गाना 'पिया रंग डाली' के बोल 'जौन कलर के लगैनी होठलाली, ओही कलर के पिया रंग डाली' हैं। इस के वीडियो में एक्ट्रेस सफेद कुर्ती-सलवार और मलमल दुपट्टा पहने रंगों के साथ खेलते हुए और होली के रंग में रंगी दिखाई दीं। गाने में अक्षरा के साथ अंशुमान सिंह हैं। दर्शक अक्षरा और अंशुमन की जुगलबंदी को पसंद कर रहे हैं। अक्षरा सिंह के इस गाने को ग्लोबल जंक्शन भोजपुरी के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया है। खास बात है कि गाने को अक्षरा सिंह ने अपनी आवाज दी है। वहीं, गाने के बोल गौतम राय ने लिखे हैं और म्यूजिक छोटू रावत ने तैयार किया है। अभिनेत्री हाल ही में संगीत निर्देशक तनिष्क बागची और राजा हसन के साथ 'फरारी' में नजर आई थीं, जिसमें अभिनेत्री उर्वशी रौतेला भी जमकर ठुमका लगाती दिखी थीं। बता दें, अक्षरा सिंह सफल अभिनेत्री के साथ ही बेहतरीन गायिका भी हैं। अभिनेत्री ने महाकुंभ के लिए एक खास गाना भी तैयार किया है। गाने की पहली झलक अभिनेत्री सोशल मीडिया पर शेयर की थी। वीडियो में अभिनेत्री 'महाकुंभ में डुबकी लगाओ' टाइटल के गाने को गाती भक्ति-भाव में डूबी नजर आईं। अक्षरा सिंह की पिछली रिलीज फिल्म 'अक्षरा' सफल रही है। देशभक्ति से भरपूर भोजपुरी फिल्म वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुई है। में अक्षरा के साथ अभिनेता अंशुमान मिश्रा मुख्य भूमिका में हैं।

सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होगी राजकुमार संतोषी की 'अंदाज अपना-अपना'

फिल्म निर्माता-निर्देशक राजकुमार संतोषी की कॉमेडी फिल्म 'अंदाज अपना-अपना' इस साल अप्रैल में सिनेमाघरों में रिलीज के लिए है। फिल्म में सलमान खान और आमिर खान अहम भूमिका में हैं। निर्देशक राजकुमार संतोषी ने कहा, 'अंदाज अपना-अपना' मेरे दिल के बहुत करीब है और मैं यह सुनकर बहुत उत्साहित हूं कि यह फिल्म इस साल अप्रैल में फिर से रिलीज होगी। फिल्म में रवीना टंडन, करिश्मा परेश रावल और शक्ति कपूर भी हैं, यह फिल्म 4 नवंबर, 1994 को रिलीज हुई थी। फिल्म को सिनेपोलिस पूरे भारत में फिर से रिलीज करेगा।

फिल्म निर्माता ने कहा, नम्रता, प्रीति, आमोद सिन्हा और विनय कुमार सिन्हा के बच्चे जिन्होंने फिल्म का निर्माण किया था, वे इस फिल्म भारतीय दर्शकों के सामने बड़े पर्दे पर लाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, हम फिल्म को बड़े पैमाने पर फिर से रिलीज करना चाहते हैं। हमने पूरी फिल्म को 4के और डॉल्बी 5.1 साउंड में रिस्टोर और रीमास्टर किया है। उन्होंने कहा, यह हमारे पिता को हमारी ओर सम्मान है, जिन्होंने इस फिल्म को बनाने के लिए सभी बाधाओं को पार किया और हमें शानदार फिल्म दी।

'अंदाज अपना-अपना' एक एक्शन-कॉमेडी है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एक सेमी-हिट रही, लेकिन पिछले कुछ सालों में यह फिल्म एक कल्ट फिल्म के रूप में उभरी है। मनोरंजक कहानी साथ यह फिल्म बेहतरीन संवादों के लिए भी जानी जाती है, जिनका उपयोग आज भी बोलचाल में किया जाता है। इन पंक्तियों में शामिल हैं मैं तो कहता हूं आप पुरुष ही नहीं है... महापुरुष हैं महापुरुष!, ये तेजा तेजा क्या है, ये तेजा तेजा, ऑमलेट का राजा और का बदमाश बजाज, हमारा बजाज क्राइम मास्टर गोगो नाम है मेरा, आंखें निकलकर गोटियां खेलता हूं मैं।

मृणाल ठाकुर ने देखी कंगना रनौत की इमरजेंसी, कहा- हर भारतीय को देखनी चाहिए ये फिल्म

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने हाल ही में अपने पिता के साथ कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी देखी। उन्होंने फिल्म देखने के बाद इंस्टाग्राम पर अपना एक्सपीरियंस शेयर किया। मृणाल ठाकुर ने फिल्म की कुछ तस्वीरें साझा हुए कहा, मैंने अभी-अभी अपने पिता के साथ थिएटर में फिल्म इमरजेंसी देखी और मैं अभी भी उस अनुभव से उबर नहीं पाई हूं। कंगना रनौत की बहुत बड़ी प्रशंसक होने के नाते मैं इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही थी और एक मास्टरपीस है। कंगना रनौत की तारीफ करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, गैंगस्टर से लेकर क्वीन, तनु वेड्स मनु, मणिकर्णिका, थलाइवी और अब इमरजेंसी तक कंगना ने लगातार अपनी सीमाओं को तोड़ा है और अपनी अविश्वसनीय प्रतिभा से मुझे

प्रेरित किया है। यह फिल्म भी अपवाद नहीं है, कैमरा वेशभूषा और अभिनय सभी बेहतरीन हैं।

उन्होंने आगे कहा, कंगना आपने एक निर्देशक के रूप में खुद को आगे बढ़ाया है। मेरा पसंदीदा सीन, दूरबीन के साथ सेना अधिकारी का मार्मिक क्षण, नदी के किनारे के दूसरी तरफ जाने और भावना को बिल्कुल सही तरीके से कैप्चर करना। पटकथा, संगीत और संपादन सभी सहज और आकर्षक हैं। मुझे श्रेयस, महिमा, अनुपम सर और सतीश, मिलिंद सर को उनकी भूमिकाओं में चमकते हुए देखना, मुझे बहुत पसंद आया। हर अभिनेता ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

मृणाल ने कहा कि कंगना आप सिर्फ एक एक्ट्रेस नहीं हैं, बल्कि आप एक कलाकार और प्रेरणा हैं। चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाने का आपका साहस सराहनीय है और कला के प्रति आपका समर्पण हर एक फ्रेम में स्पष्ट दिखाई देता है।

मोनालिसा ने पहली बार किया फ्लाइट में सफर

7 स्टार होटल में करेंगी डिनर, जल्द देंगी बॉलीवुड हीरोइनों को टक्कर

महाकुंभ में माला-मनके बेचते हुए वायरल होने वाली मोनालिसा को डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने अपनी फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर के लिए साइन किया है। दिनों सनोज मिश्रा, मोनालिसा को एक्टिंग की ट्रेनिंग भी दे रहे हैं। मोनालिसा का एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें फिल्म के डायरेक्टर उन्हें क ख ग पढ़ाते नजर आ रहे थे। अभी मोनालिसा का एक और वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें वह फ्लाइट में यात्रा करती नजर आ हैं। मोनालिसा ने आज इंदौर से बेंगलुरु की पहली फ्लाइट यात्रा फिल्म के डायरेक्टर सनोज मिश्रा के साथ की है।

ना सिर्फ उन्होंने अपने जीवन में फ्लाइट की पहली यात्रा की है, बल्कि अपने गांव की झोपड़पट्टी से निकलकर आज 7 स्टार होटल रुकेंगी और वहां डिनर करेंगी। कल केरल के एक ज्वेलरी फक्शन में भाग लेंगी, जिसकी वो ब्रांड एंबेसडर हैं। महाकुंभ में वायरल होने के बाद जब से सनोज मिश्रा ने मोनालिसा को अपनी फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर के लिए साइन किया है, तब से मोनालिसा की खूब चर्चा हो रही है। जल्द ही इस की शूटिंग शुरू होने वाली है। इससे पहले फिल्म के डायरेक्टर सनोज मिश्रा, मोनालिसा को पूरी तरह से एक्टिंग में ट्रेंड करना चाहते हैं।

सनोज मिश्रा फिल्म्स के बैनर तले बनने जा रही इस फिल्म के लेखक, निर्माता और निर्देशक सनोज मिश्र हैं। फिल्म के को-प्रोड्यूसर संजय भूषण यामीन खान, जावेद देवरियावाले हैं। इस फिल्म के जरिए राज कुमार राव के बड़े भाई अमित राव भी बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म के प्रचारक संजय भूषण पटियाला हैं।

जलाकर रख दूंगा, विजय देवराकोंडा की वीडी12 के टीजर-टाइटल से उठा पर्दा

साउथ एक्टर विजय देवराकोंडा की मोस्ट अवेटेड एक्शन-थ्रिलर वीडी12 का टीजर और टाइटल फाइनली रिलीज हो गया है, इसका टाइटल है किंगडम। किंगडम के हिंदी टीजर में बॉलीवुड एक्टर रणबीर ने आवाज दी है वहीं तमिल वर्जन में सुपरस्टार सूर्या ने। इसके अलावा इसके तेलुगु वर्जन में जूनियर एनटीआर ने आवाज दी है। किंगडम के 1 मिनट 56 सेकंड के टीजर में विजय का पुनर्जन्म दिखाया गया है। जिसमें वे वापस आकर अपने साम्राज्य के महानायक बनते हैं।किंगडम के की शुरुआत एक पावरफुल डायलॉग से शुरू होती है- कभी ना थमने वाला भीषण युद्ध, लहरों में बहता रक्त, थामों, ठहरों या थककर चूर हो जाओ, ये युद्ध ना रुका है और ना रुकने वाला है। विजुअल में आर्मी की गोलीबारी दिखती है जिसमें कई लोग मारे जाते हैं, भागते हुए दिखाई देते हैं, कई लाशें दिखती हैं। इसके बाद विजय की सिनेमैटिक एंट्री होती है जिसका पुनर्जन्म बताया जाता है। आखिर में विजय एक डायलॉग बोलते हैं- कुछ भी करूंगा, जरूरत पड़ी तो सबकुछ जलाकर रख दूंगा।विजय ने टीजर रिलीज करते हुए लिखा, ये किंगडम है। सवाल, गलतियां और किस्मत, टाइटल-टीजर आउट। गौतम तिन्नानुरी ने किंगडम को

निर्देशित किया है और सितारा एंटरटेनमेंट ने इसे प्रोड्यूस किया है। फिल्म विजय देवराकोंडा लीड रोल में हैं उनके साथ भाग्यश्री बोरसे खास रोल में हैं वहीं सत्यदेव फिल्म में नेगेटिव रोल प्ले कर रहे हैं। किंगडम का म्यूजिक रविचंदर ने दिया है।विजय देवराकोंडा की किंगडम के टीजर को सोशल मीडिया पर बेहतरीन रिएक्शन मिल रहा है। फिल्म का टीजर हिंदी में रिलीज हो गया है और रणबीर कपूर की पावरफुल आवाज की भी लोग खूब तारीफ कर रहे हैं। यूजर्स को विजय का एक्शन अवतार और रणबीर आवाज का अंदाज बहुत पसंद आ रहा है। इस फिल्म को तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़, मलयालम भाषा में रिलीज किया जाएगा।

सान्या मल्होत्रा ने मिसेज की वैश्विक सफलता पर दिल से धन्यवाद किया

मिसेज में सान्या मल्होत्रा के सशक्त अभिनय दर्शकों और आलोचकों पर समान रूप से प्रभाव छोड़ा है। यह फिल्म अब स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर ट्रेंड कर रही है और इसकी कहानी को बेहद सराहा गया है, वहीं सान्या के पात्र को आत्म-खोज की यात्रा पर एक महिला के रूप में प्रस्तुत करने के लिए उनकी अभिनय की की भी तारीफ की जा रही है। फैंस ने सोशल मीडिया पर उनकी परफॉर्मेंस को बेहतरीन बताते हुए इसे अब तक का उनका सबसे बेहतरीन अभिनय करार दिया है, जबकि आलोचकों ने भूमिका में गहराई और प्रामाणिकता लाने की उनकी क्षमता की सराहना की है। अपना आभार व्यक्त करते सान्या ने एक भावुक संदेश साझा किया, जिसमें दर्शकों को 'मिसेज' को इतने प्यार और समर्थन देने के लिए बहुत धन्यवाद दिया।उन्होंने स्वीकार किया कि यह भूमिका उनके लिए कितनी व्यक्तिगत थी और दर्शकों को फिल्म की सशक्त कहानी से जुड़ते देखना कितना संतुष्टिदायक है। अपनी रिलीज़ से ही, 'मिसेज' को प्रतिष्ठित पहचान मिल चुकी थी - सान्या ने न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल (एनवाईआईएफएफ) में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता और

मेलबर्न के इंडियन फिल्म फेस्टिवल (आईएफएफएम) और आईएफएफआई गोवा में स्टैंडिंग ओवेशन प्राप्त किया। उनके अभिनय को भावुक और प्रेरणादायक बताते हुए फिल्म के वैश्विक रिसेप्शन लिए उम्मीदें बढ़ रही है।आलोचनात्मक प्रशंसा और जबरदस्त दर्शकों की सराहना दोनों के साथ, 'मिसेज' का चमकना जारी है, जिसने सान्या मल्होत्रा की सबसे प्रतिभाशाली और बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में स्थिति को फिर से पुष्टि करते हुए भारतीय सिनेमा के होनहार चेहरों में से एक के रूप पुष्टि की है।

हॉरर और थ्रिलर भरी है अगथिया की कहानी 28 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

अर्जुन सरजा और राशि खन्ना अभिनीत दक्षिण भारतीय फिल्म अगथिया का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस फिल्म के ट्रेलर का इंतजार फैंस काफी समय से कर रहे थे। ट्रेलर में कई सारे एक्शन और शानदार दृश्य भी शामिल हैं। ट्रेलर से फिल्म में कुछ छिपे रहस्यों का अंदाजा रहा है।फिल्म अगथिया के ट्रेलर में ही हॉरर कहानी की झलक दिखाई देती है। इसमें एक हवेली दिखाई गई है, जिसमें 120 साल पहले मरी हुई आत्माओं का वास है। फिल्म में पांडिचेरी की भी झलक देखने को मिलने वाली है। ट्रेलर में कई सारे विदेशी कलाकार भी नजर वाले हैं। फिल्म की कहानी एंजल और डेविल्स के बीच घूमती दिखती है।फिल्म निर्माता अनीश अर्जुन देव और डॉ इशारी के गणेश ने कहा, यह फिल्म एक फैंटसी, हॉरर और थ्रिलर फिल्म है जो दर्शकों के सामने एक रहस्य और रोमांच के

जरिए मनोरंजन के नए दरवाजे खोलने जा है। हमारी फिल्म आम हॉरर फिल्मों से बहुत अलग होगी,जो दर्शकों को एंटरटेनमेंट का एकदम नया स्वाद परोसने को तैयार है। फिल्म दर्शकों के सामने हॉरर, फैंटेसी और थ्रिलर की नई परिभाषा पेश करने वाला सिनेमा प्रस्तुत करेगी।प्रसिद्ध गीतकार से निर्देशक बने पा। विजय ने इस फिल्म का निर्देशन है। फिल्म अगथिया 28 फरवरी 2025 को रिलीज होने वाली है। फिल्म में फेंटसी, हॉरर और थ्रिलर जॉनर की मिली जुली कहानी देखने को मिलने वाली है। फिल्म तमिल और तेलुगु के साथ साथ हिन्दी में भी बड़े स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। अपनी कॉमिक टाइमिंग के मशहूर अभिनेता योगी बाबू, ऐक्टर ऐडवर्ड सोनेनब्लिक भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

पुरानी परियोजनाओं की सफलता आत्मविश्वास में वृद्धि करेगी। आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। बहन का स्नेह आपको प्रोत्साहन देगा। लेकिन छोटी–मोटी बातों पर आपा खोने से बचें, क्योंकि इससे आपके हितों को नुक़सान पहुँचेगा। कुछ लोगों को कार्य–क्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके प्रेम को देखकर आज आपका प्रेमी गदगद हो जाएगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है ।अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

नफ़रत की भावना महंगी पड़ सकती है। यह न केवल आपकी सहन–शक्ति घटाती है, बल्कि । आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। बच्चे को रोमांचक समाचार ला सकते हैं। आज आप ऐसे इंसान से मिल सकते हैं, जो आपको ख़ुद अपनी ज़िन्दगी से ज़्यादा चाहता होगा। कार्यक्षेत्र में आपका कोई प्रतिद्वंदी आज आपके खिलाफ साजिश कर सकता है, इसलिए आज आपको आंख कान खोलकर काम करने की जरुरत है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप खाली समय का आनंद ले सकेंगे। धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और आप उसके ज़रिए अपने सपने साकार होते हुए देखेंगे। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद हैं ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो मौलिक सोच रखते हों और अनुभवी भी हों। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है।अगर आप अपने काम पर ध्यान दें तो क़ामयाबी और प्रतिष्ठा आपकी होगी। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। बच्चों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए थोड़ा समय अलग से निकालें। आज के दिन अपने प्रिय से कोई तल्ख़ बात न कहें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए बिजली कटौती या फिर किसी अन्य वजह से आपको सुबह तैयार होने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। ख़ुद को अभिव्यक्त करने के लिए अच्छा समय है– और ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएग ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं। जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपनी ऊर्जा को व्यक्तित्व–विकास के काम में लगाएँ, जिससे आप और भी बेहतर बन सकें। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आप–को मिल जाएंगे। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख़्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग करना उपयोगी रहेगा। आज का दिन ऐसी चीज़ों को ख़रीदने के लिए बढ़िया है, जिनकी क़ीमत आगे चलकर बढ़ सकती है। आपके व्यक्तिगत मोर्चे पर कोई बड़ी चीज़ होने वाली है, जो आपके और आपके परिवार के लिए उल्लास लेकर आएगी। अगर आप हुक़्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। नौकरों और सह–कर्मियों से परेशानी होने की संभावना को ख़ारिज नहीं किया जा सकता है। जीवनसाथी की ख़राब सेहत का असर आपके काम–काज पर भी पड़ सकता है, लेकिन आप किसी तरह चीज़ें संभालने में क़ामयाब रहेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। ख़ुद को अभिव्यक्त करने के लिए अच्छा समय है– और ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं। जीवनसाथी से अच्छी बातचीत हो सकती है; आप महसूस करेंगे कि आप–दोनों में कितना प्यार है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपको अपनी सेहत के प्रति ज़्यादा सावधानी बरतने की ज़रूरत है, ख़ास तौर पर रक्तचाप के मरीज़ों को। आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरुर होगा। करिअर के लिए योजना बनाना उतना ही आवश्यक है, जितना कि खेलना–कूद–ना। इसलिए माता–पिता को ख़ुश करने के लिए दोनों में संतुलन बनाना ज़रूरी है । आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने–जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों ।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 14 फरवरी 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 09:55 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी रात्रि 11:10 तक
योग : अतिगंड प्रात: 07:19 तक
करण : तैतिल प्रात: 09:06 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:43 , सूर्यास्त 06:17 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:42 , सूर्यास्त 06:25 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:35 , सूर्यास्त 06:17 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:33 , सूर्यास्त 06:09 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : फाल्गुन मास आरंभ हैं

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में निवेश बढ़ाने के लिए सभी क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से हो रहा काम : भजनलाल

जयपुर,13 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दोगुना करने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसके लिए तथा निजी क्षेत्र द्वारा राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य में निवेश बढ़ाने के लिए सभी क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। हम सभी के प्रयासों से नया राजस्थान, बदलता राजस्थान, राइजिंग राजस्थान का सपना साकार

शर्मा गुरूवार को जयपुर शहर में एक होटल में जेनपैक्ट ग्लोबल मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जेनपैक्ट के गठन के 20 वर्ष पूरे होने की बधाई देते हुए कहा कि जयपुर और जोधपुर में जेनपैक्ट में कार्यरत लगभग 8 हजार लोगों में से 90 प्रतिशत से अधिक हैं। यह पूरा इको–सिस्टम राज्य में रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में भी जेनपैक्ट ने निवेश कर हजारों लोगों को रोजगार देने की योजना बनाई है। इस प्रोजेक्ट के लिए जमीन चिन्हीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है और सरकार इस प्रोजेक्ट को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए पूरा सहयोग कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के साथ–साथ इन्विट एवं हैम जैसे मॉडलों के आधार पर बड़ी परियोजनाओं का क्रियान्वयन कर है। हमने पहले ही वर्ष में आयोजित राइजिंग राजस्थान समिट में 35 लाख करोड़ रुपए से अधिक के एमओयू किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने निवेशकों की सुविधा के लिए डेटा सेंटर नीति, एवीजीसी–एक्सआर नीति एवं राजस्थान निवेश प्रोत्साहन जैसी नई नीतियां जारी की हैं। राजस्थान निवेश योजना के तहत सूचना प्रौद्योगिकी एवं इससे संबंधित सेक्टर को थ्रस्ट सेक्टर का दर्जा दिया गया है, जिससे राज्य में इस क्षेत्र में निवेश को और प्रोत्साहित किया जा सके। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने पहले बजट में पूंजीगत व्यय में 65 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की है। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में निवेश को और अधिक बढ़ाने के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, ओरेकल, सिस्को, अडोबी जैसी अनेक कंपनियों से साझेदारी की गई है। इससे बड़ी संख्या में युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्र खनन, पर्यटन, टेक्सटाइल एवं अपैरल जैसे क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा नई नीतियां लाई गई हैं। उन्होंने आह्वान किया कि निवेशक राज्य सरकार द्वारा जारी नीतियों का से अधिक लाभ लेते हुए राज्य में निवेश करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है तथा यहां विभिन्न क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य सरकार ने भारत सरकार की विभिन्न कंपनियों के साथ 2 लाख करोड़ से अधिक राशि के निवेश के लिए एमओयू किए हैं। साथ ही, राज्य में पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए रामजल सेतु लिंक परियोजना के माध्यम से मध्यप्रदेश एवं भारत सरकार के साथ एमओए कर लगभग 10 हजार करोड़ रुपए के कार्यों हेतु कार्य आदेश भी जारी कर दिए उन्होंने कहा कि राज्य में भू–जल के रिचार्ज को बढ़ाने के लिए अटल भू–जल योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान एवं कर्मभूमि से मातृभूमि जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से अभूतपूर्व कार्य किया जा रहा है।

जेनपैक्ट के सीईओ बी.के. कालरा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान निवेश में अभूतपूर्व काम हो रहा है। हाल ही में राज्य सरकार द्वारा आयोजित राइजिंग राजस्थान समिट से निवेशकों के लिए राज्य में निवेश की नई राह खुली है। उन्होंने कंपनी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जेनपैक्ट वर्तमान में राज्य में हजारों युवाओं को रोजगार दे है तथा आगे भी प्रदेश के विकास में वे अपनी सक्रिय सहभागिता निभाएंगे। इस अवसर पर जेनपैक्ट के कंन्ट्री हैड पीयूष मेहता, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल सहित अधिकारीगण, जेनपैक्ट कंपनी के अधिकारी एवं देश–विदेश से आए प्रतिभागी उपस्थित रहे।

एसीबी ने रिश्वत लेते कनिष्ठ सहायक को रंगे हाथ गिरफ्तार किया

अलवर,13 फरवरी (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 15,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए दिनेश मीणा, कनिष्ठ सहायक/रजिस्ट्री लिपिक, कार्यालय उप पंजीयक बहादुरपुर, जिला अलवर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्यवाही एसीबी चौकी भिवाड़ी द्वारा की गई।

महानिदेशक पुलिस, रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी को एक शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें कहा गया था कि परिवादी ने 31 जनवरी 2025 को अपने प्लॉट की रजिस्ट्री करवाई थी, लेकिन उप पंजीयक बहादुरपुर और उसके कार्यालय में काम कर रहे कर्मचारियों द्वारा रजिस्ट्री देने के नाम पर 15,000 की रिश्वत मांगी जा रही थी। शिकायत के बाद एसीबी चौकी भिवाड़ी ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए दिनेश मीणा को गिरफ्तार किया। ट्रेप कार्यवाही की निगरानी उप महानिरीक्षक पुलिस, अनिल कयाल और एसीबी चौकी भिवाड़ी के प्रभारी परमेश्वर लाल द्वारा की गई। आरोपी को 15,000 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया। मामले में अन्य संदिग्ध व्यक्ति, यतेन्द्र, सहायक प्रशासनिक अधिकारी/रीडर/पंजीयन लिपिक, उप पंजीयक बहादुरपुर को घटनास्थल से फरार होते देखा गया। एसीबी द्वारा उसकी तलाश जारी है।

सुधांश पंत ने की राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट–2024 के एमओयू क्रियान्वयन की समीक्षा

जयपुर,13 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने को 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्–वेस्टमेंट समिट– 2024 के दौरान हस्ताक्षरित किए गए एमओयू क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की। इस समीक्षा बैठक में उन्होंने केवल दो महीने में ही 1.66 लाख करोड़ रुपये के एमओयू को क्रियान्वयन के स्तर पर लाने के लिए विभिन्न विभागों की सराहना की और को निवेशकों के साथ नियमित रूप से संपर्क बनाए रखने का भी निर्देश दिया।

निवेशक इंटरफेस के शुभारंभ के लिए उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव को बधाई देते हुए पंत ने कहा कि यह पहल राज्य में 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' और व्यापारिक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में भूमिका निभाएगी। इसके अलावा समिट में किए गए एमओयू के क्रियान्वयन में विभागीय सचिवों की महत्वपूर्ण भूमिका का ज़िक्र करते हुए पंत ने उन्हें निवेशकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करने के लिए कहा ताकि इन निवेश प्रस्तावों को सुचारु रूप से क्रियान्वित किया जा सके।

उन्होंने कहा कि भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी एवं सक्रिय नेतृत्व में सभी विभाग मिशन मोड में कार्य कर रहे हैं जिससे निवेश प्रस्तावों को तेज़ी से धरातल पर उतारा जाना संभव हो रहा है। यह सभी विभागों के समन्वित प्रयासों का ही परिणाम है कि मात्र दो महीने में ही 1.66 लाख के एमओयू का क्रियान्वयन शुरु हो गया है। हमें इस गति को बनाए रखना है और निवेशकों की आवश्यकताओं के हिसाब से अनुकूल वातावरण तैयार करना है ताकि इन निवेश प्रस्तावों को सफलतापूर्वक लागू किया जा सके।
उल्लेखनीय है कि गत वर्ष 9 से 11 दिसंबर के दौरान आयोजित राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत राज्य सरकार ने 35 लाख करोड़ के रेकार्ड निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए थे। इनमें से 1.66 लाख करोड़ मूल्य के एमओयू का क्रियान्वयन मात्र दो महीने में ही शुरू कर दिया गया है जो कि समिट के तहत हस्ताक्षरित किए गए एमओयू लगभग 5 प्रतिशत है। समीक्षा बैठक में ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा, राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) की प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार, ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन के अतिरिक्त आयुक्त सौरभ स्वामी सहित राजस्थान सरकार अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान को टीबी मुक्त बनाने के लिए भजनलाल के नेतृत्व में विशेष अभियान शुरू

जयपुर,13 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रदेश को टीबी मुक्त करने दिशा में काम किया जा रहा है। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत प्रदेश में राज्य क्षय अनुभाग, राजस्थान ओर से सम्पूर्ण राज्य में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत की दिशा में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। प्रदेश में 24 मार्च, 2025 तक संचालित होने वाले इस अभियान का उद्देश्य टीबी (क्षय रोग) उन्मूलन को गति देना, समुदाय में टीबी की समय पर पहचान, उपचार एवं रोकथाम सुदृढ़ करना है। राज्य में इस अभियान के सफल संचालन हेतु विगत दिनों प्रमुख शासन सचिव, गायत्री राठौड़ के निर्देशन में मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. भारती दीक्षित एवं निदेशक (जन स्वास्थ्य) ने बैठक आयोजित कर सभी संयुक्त निदेशक (जोन), मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ), जिला क्षय रोग अधिकारी उनकी टीम, जिला आईईसी समन्वयक सहित अन्य अधिकारियों को अभियान सफल बनाने के संबंध में निर्देशित किया है।

अभियान के तहत प्रमुख इंडिकेटर्स संदिग्ध टीबी मामलों की जांच (प्रति 1000 जनसंख्या पर 30 से अधिक), टीबी नोटिफिकेशन दर (प्रति 1000 जनसंख्या पर 1 से कम), उपचार सफलता दर (85% ड्रग ससेप्टिबिलिटी टेस्ट (60% मरीजों के लिए), निक्षय पोषण योजना का लाभ (100% लक्ष्य), निक्षय मित्र द्वारा पोषण किट वितरण (100% लक्ष्य) निर्धारित किए गए हैं। मिशन निदेशक डॉ. भारती दीक्षित ने बताया कि इस अभियान के तहत संभाग स्तर पर संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में संभाग के सभी के अधिकारियों का आमुखीकरण किया जाएगा।

एआई तकनीक के माध्यम से चिकित्सा क्षेत्र में नई क्रांति आई : दिया कुमारी

जयपुर,13 फरवरी (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को राजस्थान इनफार्मेशन सेंटर में डिपार्टमेंट ऑफ यूरोलॉजी, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज और वट्टीकूट्टी फाउंडेशन यूएसए आयोजित एडवांस रोबोटिक और एआई के उद्घाटन कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने कहा कि एडवांस रोबोटिक और एआई तकनीक के माध्यम से चिकित्सा क्षेत्र में नई क्रांति आई है। एआई के माध्यम से बीमारियों का इलाज आसान हो जाता हैं। जिससे मरीज को सही समय पर सही

इलाज पा रहा हैं। आज एआई का प्रयोग भारत में मूलभूत ढांचे और सामाजिक जरूरतों को पूरा कर रहा है। डिजिटल इंडिया में एआई का प्रयोग चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार का माध्यम बना है। इसके माध्यम से विकास लक्ष्यों की यात्रा आसान और तेज हो जाएगी। ये तकनीक चिकित्सा क्षेत्र लोगों के जीवन को बदलने में मदद कर सकती है।

केंद्र और राज्य सरकार आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक को अपनाने में अग्रणी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश में सस्ता और सुलभ इलाज उपलब्ध करवाते हुए चिकित्सा तन्त्र को मजबूत किया जा रहा है। देश के एक गांव तक चिकित्सा सुविधाएं और उपकरण उपलब्ध कराए जा रहें है। नए एम्स, अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, डिस्पेंसरी, जन औषधि केन्द्रों का निर्माण किया जा रहा है। सुपर स्पेशलिटी सुविधाओं के साथ रिसर्च को बढ़ावा दिया जा रहा है। राजस्थान में भी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार चिकित्सा क्षेत्र के विकास में निरन्तर प्रयासरत हैं। प्रदेश में पहले साल के बजट में लगभग सत्ताईस हजार करोड़ का अभूतपूर्व चिकित्सा बजट स्वीकृत किया गया है। आयुष्मान भारत योजना की ही तरह राज्य में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना की शुरूआत की गई है।

निकाय चुनाव के बाद विकास कार्यों में लाएंगे तेजी: नायब सिंह

चंडीगढ़,13 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि निकाय चुनाव के बाद जनता से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों में और तेजी लाने के साथ–साथ नई पर भी तीव्र गति से कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज नारनौंद में कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि की जीत सुनिश्चित कर क्षेत्र को के मामले में आगे बढ़ाने का काम करें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी तंज कस्ते हुए कहा कि दिल्ली चुनाव के दौरान केजरीवाल द्वारा तरह तरह की अफवाहें फैलाई गई और कहा कि हरियाणा ने यमुना नदी के पानी में जहर दिया। लेकिन जन्म तो केजरीवाल का भी यहीं हुआ है, हरियाणा के लोग तो ऐसे है जो स्वयं जहर पीकर दूसरों को अमृत पिलाते हैं। हरियाणा के लोग सनातन संस्कृति को मानने वाले लोग हैं।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि केजरीवाल दावा करते थे कि उन्हें कोई हराने वाला नहीं है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटीयों के आगे केजरीवाल का झूठ नहीं चला और दिल्ली की जनता ने भारतीय जनता पार्टी को मजबूत जनादेश देते हुए प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार करने का काम है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में भी 5 तारीख को वोटिंग हुई, और 8 को रिजल्ट आया तथा भारतीय जनता पार्टी की 48 सीट आई। दिल्ली में भी ऐसा ही हुआ और वहां भी भारतीय जनता पार्टी के 48 उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। ने कहा कि केजरीवाल ने यमुना मैया को साफ करने का दावा किया था लेकिन 10 सालों में जनता से झूठे वायदे करते हुए सिवाए अपनी राजनीति चमकाने के उन्होंने कुछ नहीं किया।मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कार्यकर्ताओं के समक्ष निकाय चुनाव को लेकर कहा कि पार्टी का जो निर्णय आये, उसे स्वीकार करे और सबको साथ लेकर बीजेपी की जीत सुनिश्चित करवाए। इस दौरान कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, विधायक रामकुमार गौतम, पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व मंत्री डॉ कमल गुप्ता, पूर्व राज्यसभा सांसद डीपी वत्स सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

हरियाणा में अवैध खनन पर सख्त कदम 324 वाहनों को किया जब्त

चंडीगढ़,13 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा का खान एवं भूविज्ञान विभाग अवैध खनन पर लगाम लगाने के लिए सख्त कदम उठा रहा है। राज्य में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और अवैध खनन गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से विभाग ने कई सख्त उपाय लागू हैं। प्रशासन ने खनन स्थलों पर नियमित निरीक्षण और निगरानी बढ़ा दी है। ड्रोन और अन्य आधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया जा रहा है ताकि अवैध गतिविधियों का पता लगाया जा सके। अवैध खनन में शामिल वाहनों को भी जब्त किया जा रहा है। इसके अलावा, अवैध खननकारियों खिलाफ ना केवल एफआईआर दर्ज की जा रही है बल्कि उनसे जुर्माना भी वसूल किया जा रहा है।

विभागीय अधिकारियों द्वारा लगातार की जा रही निगरानी और ठोस कार्रवाई के चलते राज्य में अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा रहा है। जनवरी माह से लेकर अब तक जिला पर अधिकारियों ने विशेष जांच अभियान चलाया, जिसके तहत 3,950 स्थानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अवैध खनन में संलिप्त 324 वाहनों को जब्त किया गया, जिससे करीब 1.37 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

यमुनानगर जिला के भगवापुर गांव में अवैध खनन की शिकायत मिलने पर विभाग तुरंत कार्रवाई करते हुए निरीक्षण

किया। जांच में पाया गया कि लगभग 2 एकड़ भूमि पर अवैध रूप से बोल्डर, ग्रेवल, रेत और साधारण मिट्टी का खनन किया गया था। इसके लिए विभाग ने 65,37,732 का जुर्माना लगाया और 11 फरवरी 2025 को एफआईआर दर्ज करवाई।

खनन विभाग के के अनुसार, राज्य में हर जिले में नियमित जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। यमुनानगर जिला में जनवरी और फरवरी (10 फरवरी तक) के दौरान कुल 123 वाहन अवैध खनन में संलिप्त पाए जाने पर जब्त किए गए और 116 एफआईआर दर्ज की गईं।

खनन विभाग के उच्चाधिकारियों ने निर्देश दिए हैं कि अवैध खनन से जुड़े किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और किसी भी नियम का उल्लंघन होने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग अवैध खनन पर पूरी तरह से अंकुश लगाने के लिए तत्पर है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का न्यायोचित दोहन सुनिश्चित हो राज्य को राजस्व हानि न हो।

सीएम नीतीश ने दी 15 करोड़ की सौगात, 1714 विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन–शिलान्यास

गया (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के तहत गुरुवार को गया जिले को विकास कार्यों की बड़ी सौगात मिली। मुख्यमंत्री ने 143796.09 करोड़ रुपये की लागत से कुल 1714 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें 898 योजनाओं का उद्घाटन (39542..23 करोड़ रुपये) और 816 योजनाओं का शिलान्यास (104253.86 करोड़ रुपये) शामिल हैं।

बिहार के सीएम नीतीश कुमार प्रगति यात्रा पर है। प्रगति यात्रा के चौथे चरण में सीएम नीतीश कुमार गया जिले में विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया है।

सीएम के आगमन को लेकर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए है।जिले के अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र इमामगंज के लावाबार में सीएम हेलीकॉप्टर से पहुंचे। जहां चप्पे–चप्पे पर कड़ी सुरक्षा है।लावाबार डैम का निरीक्षण विभिन्न योजनाओं का सौगात दिया है।

लावाबार पंचायत लावाबार बियर बांध का निर्माण हो जाने से लगभग 400 एकड़ भूमि को सिंचाई करने में किसानों को सहूलियत हागी।

प्रगति यात्रा के दौरान इमामगंज से सलैया तक लगभग 25 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण की आधारशिला भी रखी जाएगी। उसके बाद बोधगया प्रखंड के बतसपुर गांव में गोवर्धन गैस योजना,पंचायत हाट,खेल का मैदान सहित विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण करेंगे। वहीं गया शहर के बीचोंबीच प्रभावती अस्पताल भवन का उद्घाटन किया गया।कुल 48 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण कराया गया है। पहले चरण में 29 करोड़ रुपए की लागत से भवन निर्माण कराया गया है। गया जिला को सैकड़ो योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कार्यक्रम के बाद गया समाहरणालय में विभिन्न योजनाओं से संबंधित अधिकारियों के साथ सीएम नीतीश कुमार समीक्षा बैठक की है। वहीं सीएम नीतीश कुमार गया जिले के दसों विधानसभा क्षेत्र में योजनाओं की झड़ी लगा दी है। ताकि 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में जिले के दसों विधानसभा सीट पर एनडीए घटक दलों की जीत हो सके।

वहीं प्रगति यात्रा के दौरान गया पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1714 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। जिनमें गया नगर निगम के 405.11 लाख की राशि से तीन योजनाओं का कार्य किया जाएगा। इसी प्रकार वन प्रमंडल विभाग के तीन योजनाओं के लिए 1012.30 लाख, सिविल सर्जन कार्यालय के 11 योजना पर 44.57 लाख, जिला पंचायत राज विभाग के 2 योजना के लिए 225.47 लाख, जिला मत्स्य विभाग के 9 योजनाओं के लिए 104.63 लाख, जिला योजना विभाग के 49 योजनाओं पर 3073.49 लाख, जिला शिक्षा विभाग के 6 योजनाओं पर 183.32 लाख, उद्यान विभाग के 5 योजनाओं पर 76.71 लाख, जिला पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के 01 योजना पर 3789.59 लाख, जिला सहकारिता विभाग के 7 योजनाओं पर 318.33 लाख, जिला कार्यक्रम, मनरेगा के 137 योजनाओं पर 1534.26 लाख, जिला कृषि विभाग के 30 योजनाओं पर 129.35 लाख, जिला कल्याण विभाग के 7 योजनाओं पर 173.54 लाख, स्थानीय क्षेत्र अभियंता संगठन कार्य प्रमंडल 02 शेरघाटी के 10 योजनाओं पर 296.60 लाख, पथ निर्माण विभाग पथ प्रमंडल संस्थान गया के 3 योजनाओं पर 1773.75 लाख, पथ निर्माण विभाग प्रमंडल शेरघाटी के 2 योजनाओं पर 2897.63 लाख, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड कार्य प्रमंडल गया के 2 योजनाओं पर 993.66 लाख, भवन प्रमंडल विभाग के 12526.95 लाख, बिहार पुलिस भवन निर्माण विभाग गया के 2901.36 लाख, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग शेरघाटी के 01 योजना पर 98.61 लाख, ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल गया के 07 योजनाओं पर 817.21 लाख, ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल इमामगंज के 12 योजनाओं पर 986.47 लाख, ग्रामीण कार्य विभाग प्रमंडल निमचक बथानी के 6 योजनाओं पर 417.65 लाख, ग्रामीण कार्य विभाग शेरघाटी के 5 योजनाओं पर 385.76 लाख, आमस प्रखंड के 16 योजनाओं पर 83.58 लाख समेत 1714 योजनाओं पर 143796.09 करोड़ रुपए की राशि से उद्घाटन और शिलान्यास किया गया।

प्रगति यात्रा के दौरान नीतीश कुमार के सामने लगे लालू यादव जिंदाबाद के नारे

गया (एजेंसियां)।

बिहार में इसी साल विधान सभा चुनाव होने हैं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा पर आज गया जिले में हैं। इसी दौरान गुरुवार को गया जिले में तीन अलग–अलग स्थानों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यक्रम आयोजन किये गये हैं। इमामगंज प्रखंड के लावाबार, बोधगया प्रखंड के बतसपुर गांव और गया शहर के प्रभावती अस्पताल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गया जिले में 143796.09 करोड़ रुपए का सौगात दिए हैं। लगभग 816 योजनाओ में 104253.86 का शिलान्यास तथा 898 योजना राशि 39542.23 का उन्होंने उद्घाटन किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कुल 1714 विभिन्न योजनाओं में 143796.09 का सौगात दिया है। बोधगया प्रखंड के बतसपुर गांव में प्रगति यात्रा के दौरान नीतीश कुमार पहुंचे। मुख्यमंत्री के पहुंचते ही वह बतसपुर डैम का निरीक्षण करने लगे। इसी दौरान भीड़ से अचानक लालू यादव जिंदाबाद के नारे लगाये जाने लगे। कुछ देर के लिए हर कोई हैरान हो गया। फिर तुरंत पुलिस बल भीड़ की तरफ बढ़ गई, लेकिन तब तक नारा लगाने वाले कुछ युवक वहां से फरार हो गये। थोड़ी देर में ही स्थिति पुनः ठीक हो गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी भी थे। कार्यक्रम स्थल पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

प्रेमिका ने इंटर परीक्षा का पेपर लिखते ही प्रेमी को बुलाया, फिर मंदिर पहुंच हाथ थाम लिया

छपरा (एजेंसियां)।

अजब प्रेम की गजब कहानी आप सभी ने सुनी होगी। लेकिन, वेलेंटाइन वीक में बिहार के छपरा में कुछ अलग तरह की प्रेम विवाह की चर्चा जोरों पर चल रही है। अब चाहे जो भी हो, राजीव और उसकी प्रेमिका अब हमेशा के लिए एक–दूजे के हो चुके हैं। इस अनोखी शादी की चर्चा हर किसी की जुबान पर है। बताया जा रहा है कि शादी के बाद वर पक्ष के लोगों में थोड़ी–सी नाराजगी थी, लेकिन वह भी दूर हो गई है। सारण जिला अंतर्गत अनुमंडलीय मुख्यालय सोनपुर बाजार स्थित रामसुंदर दास महिला महाविद्यालय में इंटर की परीक्षा देने पहुंची एक छात्रा ने न केवल उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे, बल्कि अपनी किस्मत का फैसला भी उसी दिन लिख लिया। परीक्षा खत्म होते ही वह सीधे शादी के मंडप में जा पहुंची और अपने प्रेमी के साथ सात फेरे ले लिए।

मामला सारण जिले के दरियापुर और दिघवारा नगर पंचायत क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। जहां दिघवारा नगर पंचायत के रायपट्टी मोहल्ला निवासी राजीव कुमार की मुलाकात दो साल पहले दरियापुर प्रखंड क्षेत्र की एक युवती से हुई थी। हालांकि धीरे–धीरे यह जान–पहचान प्यार में बदल गई। इसके बाद दोनों के बीच प्रेम प्रगाढ़ होता चला गया, लेकिन समाज और परिवार की बंदिशों ने इसे विवाह तक पहुंचने नहीं दिया था। परीक्षा के दिन युवती ने राजीव को अपने घर बुलाया और परीक्षा केंद्र तक छोड़ने को कहा। राजीव के लिए यह आम दिन जैसा था, लेकिन उसे क्या पता था कि उसकी प्रेमिका ने कुछ और ही योजना बना रखी थी। परीक्षा खत्म होते ही युवती ने कहा कि अब घर नहीं बल्कि सोनपुर प्रखंड अंतर्गत मामा के घर चलना है। राजीव भी बगैर कुछ सोचे समझे साथ हो लिया।

जैसे ही दोनों वहां पहुंचे, कहानी ने एक अलग ही रोमांचक मोड़ ले लिया। पहले से तैयार बैठे परिजनों ने राजीव को गाड़ी में बिठाया और सीधे पहलेजा घाट स्थित राम जानकी मंदिर ले गए। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सात फेरे होने लगे। राजीव पहले तो थोड़ा हिचकिचाया, लेकिन जब प्रेमिका ने हाथ पकड़ कर कहा कि अब चाहे जो भी हो पीछे नहीं हटना है। वह भी मुस्करा उठा और विवाह के लिए तैयार हो गया।

लालू प्रसाद के बयान पर मचा बवाल

मेरे रहते बिहार में भाजपा नहीं बना सकती सरकार

पटना (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार में हमारे रहते भाजपा सरकार नहीं बना सकती। दरअसल दिल्ली में अरविन्द केजरीवाल की सरकार की करारी हार के बाद पत्रकारों ने जब लालू प्रसाद से सवाल किया कि जिस तरह से दिल्ली में भाजपा ने अप्रत्याशित जीटी हासिल कर के जीत दर्ज की है, तो क्या ऐसे में इसका असर बिहार में होने वाले बिहार विधान सभा चुनाव पर भी पड़ेगा? इसके जवाब में लालू प्रसाद यदाव ने जवाब दिया कि बिहार की जनता भारतीय जनता पार्टी को पहचान चुकी है। वैसे भी मेरे रहते बिहार में भाजपा के सरकार बनाने की कोई संभावना नहीं है।

भाजपा नेता ने लालू यादव और तेजस्वी को बताया 'धृतराष्ट्र' और 'दुर्योधन' लालू प्रसाद यादव के द्वारा 2025 में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने की बात पर भाजपा के प्रवक्ता अरविंद सिंह ने लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव पर जोरदार तंज कसा है। उन्होंने लालू प्रसाद यादव को धृतराष्ट्र और तेजस्वी यादव को दुर्योधन के नाम से संबोधित करते हुए कहा कि लालू प्रसाद यादव अभी धृतराष्ट्र के रोल में हैं। अपने पुत्र दुर्योधन को सत्ता में बनाने के लिए मुख्यमंत्री बनाने के लिए एकदम व्याकुल हैं। लालू प्रसाद फिलहाल यह सपना देखना छोड़ दें, क्यों कि वह दुर्योधन को कभी नहीं राज दे सकते हैं। दुर्योधन का जो हाल था वही होने वाला है।

लालू प्रसाद यादव घोटालों के हैं सम्राट भाजपा के प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा कि लालू प्रसाद यादव बड़बोले नेता हैं। वह घोटालों के सम्राट रहे हैं। वह झारखंड के कोटवार जेल को सुशोभित कर चुके हैं और सजायाफ्ता हैं। लालू प्रसाद यादव अभी धृतराष्ट्र के रोल में हैं। अपने पुत्र दुर्योधन को सत्ता में बनाने के लिए मुख्यमंत्री बनाने के लिए एकदम व्याकुल हैं। इसलिए उनको समझ में नहीं आता है। उनको पहले यह समझना चाहिए कि बिहार में पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तो भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से बने थे। और भारतीय जनता पार्टी के बैसाखी से बने थे। और आगे 2025 में सीट नहीं आने वाला है। क्योंकि जनता काम देखती है। जनता ने विकास देखा है और उनका विनाश देखा है। उनका घोटाला दिखा है, घपला देखा है, हत्या और अत्याचार देखा है नरसंहार देखा है। और अब जनता सुशासन देख रही है नौकरी रोजगार स्वास्थ्य शिक्षा और महिलाओं का उत्थान देख रही है इसलिए लालू प्रसाद सपना देखना छोड़ दे वह दुर्योधन को कभी नहीं राज दे सकते हैं। दुर्योधन का जो हाल था वही होने वाला है।

अर्धनिर्मित दुर्गा प्रतिमा को असामाजिक तत्वों ने तोड़ा, ग्रामीणों ने लगाया जाम

मुंगेर (एजेंसियां)।

मुंगेर के नया रामनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत महमदा गांव स्थित चैती दुर्गा मंदिर में बनाई जा रही मां दुर्गा की प्रतिमाओं को बुधवार देर रात शरारती तत्वों के द्वारा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया गया। वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद सुबह ग्रामीणों की भीड़ मंदिर प्रांगण में लग गई। जहां देखा गया कि निर्मित की जा रही मां दुर्गा की प्रतिमा को शरारती तत्वों के द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। ग्रामीण उग्र हो गए और पाटम मुख्य पथ पर जमकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद नया रामनगर थाना अध्यक्ष विनोद कुमार झा दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन कर रहे हैं। वहीं, ग्रामीणों के द्वारा बताया गया कि गांव में वर्ष 1946 से ही चैती दुर्गा मां की प्रतिमा बनती आ रही है। मूर्तिकार के द्वारा बुधवार को मूर्ति का ढांचा तैयार किया जा रहा था। लेकिन इसे शरारती तत्वों के द्वारा बुधवार की देर रात मूर्ति को क्षतिग्रस्त किया गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि इससे पूर्व भी इस तरह के घटना को अंजाम दिया गया था। वहीं, प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने थानाध्यक्ष से कार्रवाई की मांग की है। घटना की जानकारी सदर एसडीओ और एसडीपीओ को दी गई। सदर एसडीपीओ राजेश कुमार के निर्देश पर जिले के रामनगर बरियारपुर सहित आसपास के कई थाने घटना स्थल पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुटी हुई है। वहीं, ग्रामीणों के उग्र प्रदर्शन को देखते हुए वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर भारी संख्या में पुलिस बल के जवानों को तैनात किया गया है।

पुलिस ने छापामारी कर मिनी शराब फैक्ट्री का किया भंडाफोड़, एक तस्कर गिरफ्तार

दरभंगा (एजेंसियां)।

समस्तीपुर शहर के ताजपुर रोड स्थित प्रोफेसर कॉलोनी में अवैध शराब निर्माण की मिनी फैक्ट्री का खुलासा हुआ है। नगर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार शाम छापामारी कर इस अवैध धंधे का पर्दाफाश किया। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में स्प्रिट, अर्धनिर्मित शराब, खाली बोतलें, ढक्कन, गैस सिलेंडर और अन्य सामग्री बरामद की गई है। इस दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया गया है, जिसकी पहचान मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के फतेहपुर वाला निवासी विकास कुमार के रूप में हुई है। साथ ही पुलिस ने मौके से एक कार भी जब्त की है, जिसे अवैध शराब की आपूर्ति में इस्तेमाल किया जा रहा था।

नगर थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर शिव कुमार यादव ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि प्रोफेसर कॉलोनी के एक मकान में अवैध रूप से शराब बनाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापामारी की। इस दौरान मौके से भारी मात्रा में शराब निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री, स्प्रिट, केमिकल, मशीनरी और सिलेंडर बरामद किए। इसके अलावा पुलिस ने शराब की बोतलों और उनके ढक्कनों का भी जखीरा जब्त किया है। छापामारी के दौरान पुलिस ने मौके से एक कार भी बरामद की, जो इस अवैध कारोबार में इस्तेमाल की जा रही थी।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि शराब निर्माण वाला यह मकान किसका है और इसे किन–किन लोगों के माध्यम से सप्लाई किया जा रहा था। पुलिस गिरफ्तार युवक से पूछताछ कर रही है ताकि इस रैकेट के अन्य सदस्यों की पहचान हो सके। सूत्रों के अनुसार, इस मकान में लंबे समय से अवैध शराब का निर्माण किया जा रहा था। इसे अलग–अलग माध्यमों से बेचा जा रहा था।

नगर पुलिस इस पूरे मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया में जुट गई है। थाना अध्यक्ष शिव कुमार यादव ने कहा कि गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के बाद और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं। पुलिस इस मामले में शामिल अन्य लोगों की तलाश कर रही है। बिहार में शराबबंदी लागू होने के बावजूद इस तरह अवैध रूप से शराब फैक्ट्री का संचालन चिंता का विषय है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इस अवैध कारोबार के तार किसी बड़े गिरोह से जुड़े हुए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को–ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल–मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए–23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य–500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040–29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com